आज का विचार

सहनशील होना अच्छी बात है, पर अन्याय का विरोध करना उससे भी उत्तम है...।

www.ambikavani.com

अम्बिकावाणी

संस्थापक : स्व. श्रीकिशन असावा एवं स्व. श्री गोपाल असावा ■ वर्ष-42 अंक-261 ■ पृष्ठ-8+4 ■ मूल्य 2.50 ■ प्रधान संपादक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, ● प्रबंध संपादक-नरेन्द्र सिंह टुटेजा

अम्बिकापुर, सोमवार 14 जुलाई , 2025

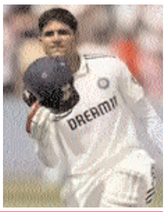

एआईडीईओए की बैठक में नई समिति का गठन

इंग्लैंड में शुभमन गिल का बड़ा कारनामा, सिर्फ 5 पारियों में ही तोड़ दिया कोहली का विराट रिकॉर्ड

पहला कॉलम

विदेश मंत्री एस जयशंकर का तीन दिवसीय चीन दौरा, एससीओ बैठक में होंगे शामिल

नई दिल्ली ,13 जुलाई (ए)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर रविवार से चीन की तीन दिन की यात्रा पर रवाना होंगे। वे तियानजिन में होने वाली शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेंगे। विदेश मंत्री जयशंकर ने कई बार अंतरराष्ट्रीय बैठकों के दौरान अपने चीनी समकक्ष से मुलाकात की है। लेकिन, जून 2020 में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर दोनों देशों के सैनिकों के बीच गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प के बाद द्विपक्षीय संबंधों में आई तनाव के बाद यह उनकी पहली चीन यात्रा होगी। अक्टूबर 2024 में रूस के कजान शहर में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच लगभग पांच साल बाद पहली बार एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठक हुई थी।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि भारत-चीन संबंधों की नींव आपसी भरोसे, आपसी सम्मान और आपसी संवेदनशीलता होगी। सकारात्मक और टिकाऊ संबंधों को बनाए रखने के लिए इन तीन प्रमुख बिंदुओं को ध्यान में रखना जरूरी है।

कुछ अलग

पीएम किसान की 20वीं किस्त का इंतजार जल्द होगा खत्म, इस तारीख को खाते में आएंगे पैसे

नई दिल्ली ,13 जुलाई (ए)। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 20वीं किस्त का इंतजार कर रहे देश के करोड़ों किसानों के लिए बड़ी खुशखबरी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, केंद्र सरकार अगले सप्ताह किसानों के बैंक खातों में 2000 रुपये की राशि भेज सकती है।

विभिन्न मीडिया रिपोर्टों में यह दावा किया जा रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 18 जुलाई को बिहार के मोतीहारी दौरे पर जा सकते हैं। ऐसी संभावना है कि इसी महत्वपूर्ण अवसर पर वे देश के किसानों को 20वीं किस्त का तोहफा देंगे और डिजिटल माध्यम से एक क्लिक पर राशि सीधे लाभार्थियों के खातों में ट्रांसफर करेंगे।

हालांकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि केंद्र सरकार या कृषि मंत्रालय की ओर से अभी तक किस्त जारी करने की तारीख और समय को लेकर कोई भी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। यह जानकारी केवल मीडिया रिपोर्ट्स पर आधारित है।

दुकान किराए पर उपलब्ध

स्थानः ब्रह्म रोड, शिवगोपी होटल के सामने, अंबिकापुर

फ्लोरः पहला मंजिल (First Floor)

क्षेत्रफलः 800 वर्ग फुट

पार्किंग की सुविधा उपलब्ध

संपर्क करें - मो. 7415805463

खरी-खरी

बिहार में 10 लाख युवाओं को नौकरी, 39 लाख को रोजगार : नीतीश कुमार

पटना ,13 जुलाई (ए)। बिहार में इसी साल होने वाले विधानसभा चुनाव में नौकरी और रोजगार बड़ा मुद्दा बनने जा रहा है। इसी बीच, रविवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि बिहार में अब तक 10 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी और करीब 39 लाख लोगों को रोजगार दिया गया है।

उन्होंने यह भी वादा किया कि अगले पांच साल (2025 से 2030) में एक करोड़ युवाओं को नौकरी और रोजगार देने का लक्ष्य रखा गया है।

सीएम नीतीश कुमार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर नौकरी और रोजगार का जिक्र करते हुए लिखा, राज्य में अधिक से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी और रोजगार मिले, ये शुरू से ही हमारी सोच रही है। वर्ष 2005 से 2020 के बीच राज्य में 8 लाख से ज्यादा युवाओं को सरकारी नौकरी दी गई। राज्य के युवाओं को सरकारी नौकरी और रोजगार देने की गति को और बढ़ाने के लिए वर्ष 2020 में हमने सुशासन के कार्यक्रम सात निश्चय-2 में 10 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी और 10 लाख लोगों को रोजगार देने का संकल्प लिया था। बाद में इसे बढ़ाकर अगस्त 2025 तक 12 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी और 38 लाख लोगों को रोजगार का लक्ष्य निर्धारित करते हुए कुल 50 लाख नौकरी और रोजगार देने का लक्ष्य रखा गया था।

उन्होंने लिखा, मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि राज्य में अब तक 10 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी और लगभग 39 लाख लोगों को रोजगार दिया जा चुका है और 50 लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी और रोजगार देने के लक्ष्य को निश्चित रूप से प्राप्त कर लिया जाएगा।

अगले पांच साल की योजनाओं का जिक्र करते हुए सीएम नीतीश ने कहा, इसी क्रम में अगले पांच साल में (2025 से 2030) वर्ष 2020-25 के लक्ष्य को दोगुना करते हुए एक करोड़ युवाओं को सरकारी नौकरी और रोजगार देने का लक्ष्य निर्धारित किया जा रहा है। इसके लिए निजी, विशेषकर औद्योगिक क्षेत्रों में भी नौकरी एवं रोजगार के नए अवसर सृजित किए जाएंगे। इसे लेकर एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आगे लिखते हैं, वर्तमान में सात निश्चय के तहत राज्य के युवाओं को स्वरोजगार से जोड ? के लिए उन्हें कौशल विकास का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। अगले पांच वर्षों में युवाओं के कौशल विकास के लिए सात निश्चय के तहत चल रहे कार्यक्रम को विस्तारित किया जाएगा। आने वाले समय में कौशल विकास हेतु एक कौशल विश्वविद्यालय की स्थापना की जाएगी, जिसका नाम बिहार के गौरव भारत रत्न जननायक कपूरी ठाकुर जी के नाम पर जननायक कपूरी ठाकुर कौशल विश्वविद्यालय रखा जाएगा ताकि राज्य के युवाओं को कौशल विकास की नई दिशा मिल सके।

बिहार की एनडीए सरकार में कोई सुनने वाला नहीं : तेजस्वी यादव

पटना ,13 जुलाई (ए)। बिहार की कानून व्यवस्था को लेकर विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने रविवार को फिर सवाल उठाए हैं। पटना के पिपरा थाना क्षेत्र में भाजपा के एक नेता की अपराधियों द्वारा गोली मारकर हत्या किए जाने पर भड़के तेजस्वी यादव ने कहा कि एनडीए सरकार में कोई सुनने वाला नहीं है।

बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने सोशल नेटवर्किंग मंच एक्स पर लिखा, अब पटना में भाजपा नेता की गोली मारकर हत्या। क्या कहें, किससे कहें? एनडीए सरकार में कोई सच्चाई सुनने वाला नहीं, गलती स्वीकारने वाला नहीं? सीएम के स्वास्थ्य का सबको पता है लेकिन भाजपा के दो-दो नकारे उपमुख्यमंत्री क्या कर रहे हैं? भ्रष्ट भूंजा-डीके पार्टी का कोई बयान नहीं?

बता दें कि पटना के पिपरा थाना क्षेत्र के शेखपुरा गांव में शनिवार को पटना के पिपरा इलाके में एक सुरेंद्र कुमार (50) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। बाइक सवार दो बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया। पुलिस के मुताबिक, परिजन द्वारा लिखित शिकायत के बाद केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज मामले की छानबीन में जुट गई है। बताया गया कि सुरेंद्र केवट परिवार के साथ शेखपुरा गांव में रहते थे। वह पुनपुन प्रखंड भाजपा नेता होने के साथ ही ग्रामीण पशु चिकित्सक थे और खेती-किसानी भी किया करते थे।

इससे पहले भी तेजस्वी यादव ने बिहार की आपराधिक घटनाओं का ब्योरा देते हुए एक्स पर लिखा, इतने मर्डर हो रहे हैं कि कोई गिन भी नहीं सकता। बिहार में इंसानों का जीवन कीड़े मकोड़े से भी सस्ता। सीतामढ़ी में गोली मारकर व्यवसायी की हत्या, पटना में दुकानदार की हत्या, नालंदा में गोली मारकर नर्स की हत्या, खगड़िया में युवक की गोली मार हत्या, गया और नालंदा में दो-दो की हत्या। चारों तरफ सरकारी गुंडों की गोलियां ही गोलियां। अपराधियों को संरक्षण दे रही सत्ताधारी नेताओं की बोलियां। अपराधियों के साझेदार एनडीए नेता-अधिकारी जाति खोजने में व्यस्त हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राज्यसभा के लिए 4 सदस्यों को किया मनोनीत, उज्ज्वल निकम सहित इन लोगों का नाम शामिल

नई दिल्ली ,13 जुलाई (ए)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संविधान के अनुच्छेद 80 के खंड (1) के उप-खंड (ए) और खंड (3) के तहत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए राज्यसभा के लिए 4 नए सदस्यों को मनोनीत किया है। पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला, उज्ज्वल देवराव निकम के नाम शामिल हैं।

यह नियुक्तियां नामित सदस्यों की सेवानिवृत्ति के कारण रिक्त हुए स्थानों को भरने के लिए की गई हैं। गृह मंत्रालय की ओर से जारी अधिसूचना (एस.ओ. 3196(ई) के अनुसार, 12 जुलाई 2025 को इसका ऐलान किया गया।

नामित सदस्यों में उज्ज्वल देवराव निकम, सी. सदानंदन मास्टर, हर्षवर्धन श्रृंगला और डॉ. मीनाक्षी जैन का नाम शामिल हैं।

इन नियुक्तियों का उद्देश्य राज्यसभा में विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों और प्रख्यात व्यक्तियों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना है, जैसा कि संविधान में प्रावधान किया गया है।

संविधान के अनुच्छेद 80 के तहत, राष्ट्रपति को कला, साहित्य, विज्ञान, सामाजिक सेवा और अन्य क्षेत्रों में विशेष योगदान देने वाले व्यक्तियों को राज्यसभा में नामित करने का अधिकार है। ये नियुक्तियां संसद के उच्च सदन में विविध दृष्टिकोण और विशेषज्ञता को शामिल करने के लिए महत्वपूर्ण मानी जाती हैं।

पीएम मोदी ने राज्यसभा के लिए मनोनीत चार प्रतिष्ठित व्यक्तियों को दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली ,13 जुलाई (ए)। देश के चार प्रतिष्ठित व्यक्तियों को राज्यसभा के लिए मनोनीत किया गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संविधान के तहत प्रदत्त अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए चार हस्तियों को राज्यसभा के लिए नामित किया, जिनमें वरिष्ठ अधिवक्ता उज्ज्वल निकम, केरल के प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता सी. सदानंदन मास्टर, भारत के पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला और इतिहासकार मीनाक्षी जैन शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इन सभी मनोनीत सदस्यों को शुभकामनाएं दी हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर श्रृंखलाबद्ध पोस्ट किए, जिनमें सभी नामांकित सदस्यों के बारे में बताते हुए बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

प्रधानमंत्री ने उज्ज्वल निकम की प्रशंसा की कि कानून के क्षेत्र और संविधान के प्रति उनकी निष्ठा अनुकरणीय है। उन्होंने लिखा, वह न केवल एक सफल वकील रहे हैं, बल्कि महत्वपूर्ण मामलों में न्याय दिलाने की प्रक्रिया में अग्रणी भूमिका भी निभाते रहे हैं। अपने पूरे विधिक करियर के दौरान उन्होंने हमेशा संवैधानिक मूल्यों को मजबूत करने और आम नागरिकों को गरिमा के साथ न्याय दिलाने का कार्य किया है। यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि राष्ट्रपति ने उन्हें राज्यसभा के लिए नामित किया है। उनके संसदीय कार्यकाल के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

इसी तरह पीएम मोदी ने हर्षवर्धन श्रृंगला के भारत की विदेश नीति में महत्वपूर्ण योगदान का उल्लेख किया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, हर्षवर्धन श्रृंगला ने एक राजनयिक, बुद्धिजीवी और रणनीतिक विचारक के रूप में बेहद शानदार काम किया है। उन्होंने भारत की विदेश नीति को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। साथ ही भारत की जी20 अध्यक्षता में भी उनका विशेष योगदान रहा है। मुझे खुशी है कि उन्हें राष्ट्रपति ने राज्यसभा के लिए मनोनीत किया है। उनका अद्वितीय दृष्टिकोण निश्चित रूप से संसद की कार्यवाही को समृद्ध करेगा। मीनाक्षी जैन का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, उन्होंने एक विद्वान, शोधकर्ता और इतिहासकार के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। शिक्षा, साहित्य, इतिहास और राजनीति विज्ञान के क्षेत्र में उनके कार्यों ने अकादमिक विमर्श को महत्वपूर्ण रूप से समृद्ध किया है। उनके संसदीय कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं।

प्रधानमंत्री ने सी. सदानंदन मास्टर को अन्याय के आगे न झुकने की भावना का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा, हिंसा और भय का माहौल भी उनके (सी. सदानंदन मास्टर) राष्ट्र निर्माण के संकल्प को डिगा नहीं सका। एक शिक्षक और सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में उनके प्रयास सराहनीय हैं।

कोटा में भीषण हादसा : दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर मिनी बस ट्रक में घुसी, एक ही परिवार के 4 की मौत

कोटा ,13 जुलाई (ए)। राजस्थान के कोटा जिले में रविवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक ही परिवार के चार सदस्यों की जान चली गई। यह हादसा दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर चंबल पुल के पास उस वक्त हुआ जब एक तेज रफ्तार मिनी बस आगे चल रहे ट्रक में पीछे से जा घुसी। बस में इंदौर से सगाई समारोह में शामिल होकर लौट रहा करौली का एक ज्वेलर परिवार सवार था।पुलिस और चश्मदीदों के अनुसार, हादसा सुबह करीब 5 बजे बुढ़ादित थाना क्षेत्र में हुआ। मिनी बस में चालक को झपकी आ गई, जिससे उसने नियंत्रण खो दिया और बस सामने चल रहे ट्रक में जा भिड़ी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मिनी बस के परखच्चे उड़ गए। बस में सवार 4 लोगों की मौत मौके पर ही हो गई, जबकि 10 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

मारे गए चारों लोग एक ही परिवार के सदस्य

मृतकों की पहचान गीता सोनी (63), उनके दो बेटे ब्रजेश सोनी (45) और अनिल सोनी (48), तथा दामाद सुरेश सोनी (45) के रूप में हुई है। गीता सोनी के बेटे अनिल और ब्रजेश ज्वेलरी का कारोबार करते थे, जबकि दामाद सुरेश भरतपुर में सरकारी शिक्षक के पद पर कार्यरत थे।

पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सुजीत शंकर के अनुसार प्रथम दृष्टया हादसे का कारण ड्राइवर को नींद आना माना जा रहा है। बस की रफ्तार काफी तेज थी और चंबल पुल पर वह सीधे ट्रक में जा घुसी। मिनी बस की स्थिति देखकर हादसे की भयावहता का अंदाजा लगाया जा सकता है।

सगाई समारोह से लौट रहे थे

सोनी परिवार शनिवार को मध्य प्रदेश के इंदौर गया था, जहां परिवार के एक सदस्य का सगाई और गोदभराई समारोह आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के बाद परिवार के 14 लोग एक मिनी ट्रैवलर बस से रात करीब 9 बजे इंदौर से करौली के लिए रवाना हुए थे। सुबह तड़के कोटा के पास यह हादसा हो गया।

घायलों का इलाज जारी, कुछ की हालत गंभीर

घटना के बाद बुढ़ादित पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तुरंत कोटा के एमबीएस हॉस्पिटल में भर्ती करवाया। चार गंभीर रूप से घायलों को प्राइवेट अस्पताल में शिफ्ट किया गया है। बाकी का इलाज एमबीएस अस्पताल में ही चल रहा है। तीन घायलों को प्राथमिक इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई है।

अनिल सोनी के भतीजे संजय सोनी के मुताबिक बस में मौजूद सानिया, ममता, संजू, छोटू सहित कई लोग घायल हुए हैं। इनमें से 7 लोगों का इलाज अभी चल रहा है। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, कुछ घायलों की हालत अब भी गंभीर बनी हुई है।

सवालों के घेरे में ड्राइवर की लापरवाही

इस हादसे ने एक बार फिर से लंबी दूरी की यात्राओं में ड्राइवरों की सतर्कता और पर्याप्त विश्राम की आवश्यकता को उजागर कर दिया है। पुलिस का कहना है कि ड्राइवर को नींद आने की वजह से यह हादसा हुआ है। हालांकि, मिनी बस के ड्राइवर की स्थिति की जानकारी स्पष्ट नहीं हो पाई है झ वह भी घायल हुआ है या नहीं, इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है।

एक पुलिस अधिकारी ने कहा, बस की हालत देखकर साफ है कि उसकी रफ्तार 100 किलोमीटर प्रतिघंटा से कम नहीं रही होगी। नींद की एक झपकी ने एक खुशहाल परिवार को उजाड़ दिया।

परिवार और इलाके में मातम

करौली के सीताबाड़ी इलाके में इस हादसे की खबर जैसे ही पहुंची, पूरे मोहल्ले में मातम पसर गया। सोनी परिवार इलाके में प्रतिष्ठित और सामाजिक रूप से सक्रिय माना जाता था। एक ही परिवार के चार सदस्यों की एक साथ मौत ने लोगों को झकझोर कर रख दिया है।

सरकारी प्रतिक्रिया और मुआवजे की मांग

स्थानीय विधायक और प्रशासनिक अधिकारी अस्पताल पहुंचे और घायलों का हालचाल जाना। प्रशासन की ओर से फिलहाल किसी सरकारी मुआवजे की घोषणा नहीं हुई है, लेकिन स्थानीय लोगों ने मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता देने की मांग की है।

यह घटना सिर्फ एक सड़क हादसा नहीं, बल्कि एक व्यवस्था और जिम्मेदारी का सवाल भी है झ जहां यात्रियों की सुरक्षा के लिए ड्राइवरों की फिटनेस और सतर्कता पर नियमित निगरानी बेहद जरूरी है।

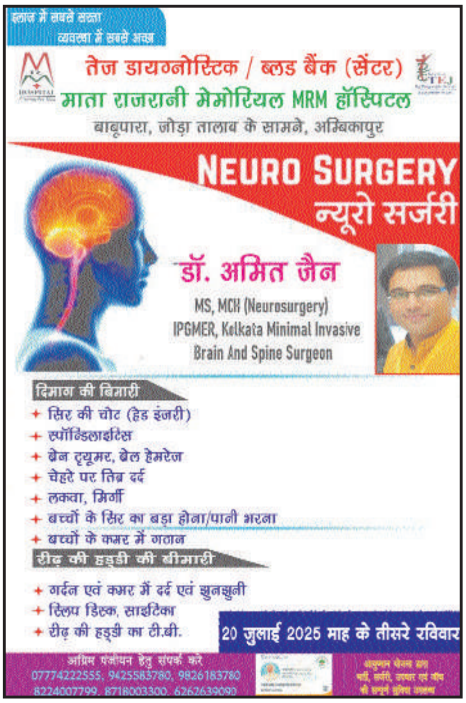

■ अम्बिकापुर (सरगुजा) ■ बैकुण्ठपुर (कोरिया) एवं रायपुर से एक साथ प्रकाशित

पहला कालम

सीएससी दिवस समारोह में पवन बर्मन को मिला प्रथम स्थान, डिप्टी सीएम ने किया सम्मानित

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। छत्तीसगढ़ में डिजिटल समावेशन के १६ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में राजधानी रायपुर स्थित सर्किट हाउस में आयोजित सीएससी दिवस समारोह में सूरजपुर जिले ने पूरे राज्य में अपनी अलग पहचान बनाई है। डिजिटल सेवा, बैंकिंग और माइक्रो एटीएम जैसी तकनीकी सेवाओं में उत्कृष्ट योगदान देने वाले सूरजपुर के तीन सीएससी संचालकों को राज्य स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त हुआ, जिन्हें स्वयं उप मुख्यमंत्री ने सम्मानित किया। गौरतलब है कि सीएससी कॉमन सर्विस सेंटर दिवस के अवसर पर राज्यभर से आए सैकड़ों वीएलई के बीच सूरजपुर जिले के पवन कुमार बर्मन डिजिटल सेवा पोर्टल व सीआरजीबी बैंकिंग सेवा में उत्कृष्ट कार्य के लिए राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इसी तरह श्रीमती प्रतिमा साहू को डीजीपे माइक्रो एटीएम सेवा में पूरे छत्तीसगढ़ में पहला स्थान एवं युवत कुमार को बैंकिंग एवं अटल सेवा केंद्र के क्षेत्र में राज्य स्तर पर प्रथम स्थान हुआ है ।सम्मान समारोह में उपस्थित उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने सभी विजेताओं को स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उन्हें बधाई दी। इस दौरान सूरजपुर जिले के सीएससी डिस्ट्रिक्ट मैनेजर एनडी तिवारी ने भी मंच पर पहुंचकर जिले के विजेताओं का उत्साहवर्धन किया।

निधन चंद्रदेव सिंह

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। माइनर्स कॉलोनी निवासी चंद्रदेव सिंह ७२ वर्ष का रविवार प्रातः हृदयाघात से निधन हो गया।उनका अंतिम संस्कार सोमवार प्रातः स्थानीय मुक्तिधाम में किया जाएगा।वे अपने पीछे दो पुत्र,तीन पुत्री पत्नी समेत भरा पूरा परिवार पीछे छोड़ गए।स्व सिंह पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे।

सूरजपुर तहसीलदार नगर पंचायत शिवनंदनपुर के प्रशासक किए गए नियुक्त

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। राज्य शासन ने सूरजपुर तहसीलदार को नगर पंचायत शिवनंदनपुर का प्रशासक नियुक्त किया है।राज्य शासन ने इस बाबत आठ जुलाई को अधिसूचना जारी की है।जिसमें

शासन द्वारा पूर्व में गठित सात सदस्यीय संचालन समिति को भंग कर सुरजपुर तहसीलदार को नगर पंचायत शिवनंदनपुर का प्रशासक नियुक्त कर दिया है। बता दें कि करीब तीन दशक पूर्व से शिवनंदनपुर को नगर पंचायत अथवा नगरपालिका बनाने की मांग क्षेत्रवासियों द्वारा की जाती रही लेकिन क्षेत्रवासियों की मांगों को तत्कालीन सरकारों द्वारा अनदेखी की जाती रही। इसी बीच विष्णु देव साय के नेतृत्व में जब भाजपा ने प्रदेश में सरकार बनाई सीएम श्री साय ने सूरजपुर के अपने प्रथम प्रवास के दौरान शिवनंदनपुर ग्राम पंचायत के नगर पंचायत में उन्नयन करने की घोषणा कर दी और फिर इस बाबत सरकार ने २१ अक्टूबर २०२४ को शिवनंदनपुर के नगर पंचायत गठन की अधिसूचना जारी कर दी ,एक सप्ताह बाद २८ अक्टूबर २०२४ को ग्राम पंचायत को भंग कर दिया और ५ दिसंबर २०२४ को राज्य शासन ने नगर पंचायत के कामकाज के संचालन के लिए सात सदस्यीय संचालन समिति का गठन किया था जिसमें अध्यक्ष कृष्णा गोयल बल्लू, उपाध्यक्ष श्यामू साहू सदस्य क्रमशः शितीकांत स्वाई, मनी बग्गा, धर्मेंद्र गुप्ता, अनीता सिंह, प्रमिला साहू को जिम्मेदारी सौंपी गई थी, जिनका अब छह महीने का कार्यकाल पूरा हो चुका है।

८ जुलाई को शासन द्वारा संचालन समिति के छह माह का कार्यकाल पूर्ण होने पर समिति को भंग कर सुरजपुर तहसीलदार को प्रशासक नियुक्त कर दिया है। प्रशासक के रूप में तहसीलदार विकास कार्यों, नगर प्रशासन, सफाई व्यवस्था, बजट प्रबंधन और शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन का नेतृत्व करेंगे। लोगों का मानना है कि प्रशासकीय नियुक्ति के बाद अब नगर पंचायत चुनाव की प्रक्रिया जल्द ही शुरू हो सकती है। अनुमान है कि अक्टूबर-नवंबर तक यहां चुनाव संपन्न कर लिए जाएंगे, जिसके बाद नगर पंचायत में जनप्रतिनिधियों का कार्यकाल शुरू होगा। शिवनंदनपुर को नगर पंचायत का दर्जा मिले नौ माह होने को हैं लेकिन अभी तक विकास के जरूरी कार्य बजट के आभाव में शुरू नहीं हो पाए हैं जिससे क्षेत्रवासियों में नगर पंचायत को लेकर खास उत्साह नहीं है।लेकिन अब चुनाव की तैयारियों को देखते हुए बजट मिलने ठप्प पड़े विकास कार्यों को गति मिलने की उम्मीद बाद गई है।

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार युवक की मौत,दूसरा गंभीर

लखनपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। थाना लखनपुर क्षेत्र के ग्राम बंधा बेंदो पानी मुख्य मार्ग में शनिवार को हुए सड़क दुर्घटना में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई वहीं दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया ।प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है ।रविवार को पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक रोहित खाखा पिता सुखनंदन ग्राम पार्वतीपुर थाना जयनगर जिला सूरजपुर निवासी जो अपने साथ ही संजय मिंज पिता बुद्धेश्वर मिंज खांचा कूड़ा थाना लखनपुर निवासी के साथ बाइक में सवार होकर गोलेयां घुटरा से खाचाकूड़ा जा रहे थे,इसी दौरान बाइक चालक ने बाइक पर से नियंत्रण खो दिया और बाइक सवार सड़क पर गिरे जिससे रोहित खाखा के नाक और सर में गंभीर चोटे होने पर रोहित खाखा की मौके पर ही मौत हो गई ।वहीं संजय मिंज पिता बुद्धेश्वर मिंज के हाथों पैरों में चोटे आई है।

डायल ११२ टीम के द्वारा रोहित खाखा के शव और घायल युवक संजय मिंज को लखनपुर अस्पताल लाया गया था जहां प्राथमिक उपचार के बाद संजय मिंज को जिला अस्पताल रेफर किया गया है। रोहित खाखा के शव को लखनपुर अस्पताल के मचुरी में रखा गया है। पुलिस द्वारा रविवार को शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सुपुर्द किया जाएगा। घटना के बाद से परिवारजनों में शोक का माहौल व्याप्त है वहीं लखनपुर पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

एआईडीईओए की बैठक में नई समिति का गठन

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। शनिवार बारह मई को एसईसीएल बिश्रामपुर के ऑडिटोरियम में ऑल इंडिया डिप्लोमा इंजीनियर्स एंड ऑल ऑफिसिएल्स एसोसिएशन द्वारा स्वागत-मिलन सह नवीन समीति गठन समारोह आयोजित किया गया। आयोजन में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में एआईडीईओए के राष्ट्रीय महासचिव आर के तिवारी व राष्ट्रीय अध्यक्ष आनन्द कुमार प्रजापति व राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष अरूण कुमार पाण्डेय उपस्थित रहे। समारोह विशिष्ट अतिथि एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र के क्षेत्रीय महाप्रबंधक डॉ संजय कुमार सिंह व क्षेत्रीय सुरक्षा अधिकारी कन्हैया लाल भील के उपस्थिति में संपन्न हुआ।

समारोह में बिश्रामपुर क्षेत्र में नव पदस्थ माइनिंग सरदार का क्षेत्रीय महाप्रबंधक तथा क्षेत्रीय सुरक्षा अधिकारी के द्वारा गुलदस्ता और डायरी फाइल देकर स्वागत किया गया। समारोह में केन्द्रीय समिति एसईसीएल में बिश्रामपुर क्षेत्र में कार्यरत ओवरमैन राजेश सिंह को केन्द्रीय कार्यकारी अध्यक्ष मनोज सिंह को केन्द्रीय संगठन सचिव सलमान खान केन्द्रीय संयुक्त महासचिव, केन्द्रीय उपाध्यक्ष बसंत कुमार तथा केन्द्रीय सचिव के रूप में राजेश सिंह को मनोनीत किया गया। एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र क्षेत्रीय समिति में क्षेत्रीय अध्यक्ष बेनुगोपाल सिंह, क्षेत्रीय सचिव तजिन्दर झा तथा कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश राम तथा अन्य माइनिंग स्टॉफ को अन्य सभी पद पर सर्वसमति से मनोनीत किया गया। समारोह में बिश्रामपुर क्षेत्र के सैकड़ो माइनिंग स्टॉफ उपस्थित हुए। समारोह एसोसिएशन द्वारा कोलकाता मुख्यालय में किये जा रहे २३/०७/२०२५ के प्रस्तावित धरना-प्रदर्शन को सफल बनाने हेतु आह्वान किया गया।

विद्यादीप किताब दुकान में 30 दिन के भीतर तीसरी बार हुई चोरी

उदयपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। उदयपुर शहर चोरों के आतंक से सहम सा गया है, सिलसिलेवार हो रही चोरी के वारदात ने पुलिस की कार्यशैली पर सवालिया निशान लगा दिया है। विदित हो कि उदयपुर बस स्टैंड स्थित विद्यादीप किताब दुकान में आज रात फिर से चोरों ने हाथ साफ कर दिया। इस दुकान में एक माह में तीसरी बार चोरी हुई है। हर बार खिलौने खेल सामग्री और परफ्यूम सहित अन्य समानों सहित कुछ चिल्हर पैसों को चोरी कर ले जाया गया है। घटना के बाद उदयपुर पुलिस थाना प्रभारी शिशिर कांत सिंह के नेतृत्व में सीसी टीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि चोरों को जल्द से जल्द पकड़ा जा सके।

करमपुर में चोरों ने सुने मकान से जेवरात समेत अन्य सामान किए पार

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। ग्राम पंचायत करमपुर में अज्ञात चोरों ने सुने मकान में धावा बोल जेवरात समेत अन्य सामान चोरी कर ले गए हैं। बिश्रामपुर पुलिस ने बताया कि ग्राम पंचायत करमपुर निवासी प्रार्थी दीपक कुमार सोनी पिता विजय प्रकाश सोनी पिछले दिनों ११ जून को अपने परिवार के साथ रायपुर में स्थित अपने आवास चला गया था, जो वहां पर व्यवसाय भी करता है। १३ जुलाई की सुबह जब अपने गांव में परिवार के साथ वापस लौटा तब देखा कि अज्ञात चोरों ने मकान के एडवेस्टर सीट को तोड़कर घर में अंदर प्रवेश कर आलमारी में रखे सोने चांदी के जेवरात के अलावा बर्तन व अन्य सामान को चोरी कर ले गए हैं। प्रार्थी द्वारा तत्काल मामले की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस द्वारा मामले में अज्ञात चोरों के खिलाफ जुर्म दर्ज कर उनकी सरगर्मी से तलाश शुरू कर दी है।

बैंक सखी, गाँव-गाँव पहुँचा रही बैंकिंग सेवायें

जशपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान योजना ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। योजना के अंतर्गत जशपुर जिले के दुलदुला विकासखंड के ग्राम चरईडाड़ निवासी श्रीमती जीनत परवीन, वर्ष 2019 से बैंक सखी के रूप में कार्य कर रही हैं। श्रीमती जीनत परवीन बताती हैं कि योजना से जुड ? से पहले वे एक साधारण गृहिणी थीं। राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के तहत जब उन्हें बैंक सखी के रूप में कार्य करने का अवसर मिला, तो उन्होंने इसे पूरी लगन और निष्ठा से अपनाया। आज वे छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक से जुड़ी बैंकिंग सेवाएं अपने गाँव और आसपास के ग्रामीणों तक पहुँचा रही हैं।

धरती आबा अभियान से आदिवासी परिवारों को मिल रही योजनाओं की सौगात

कोरिया। छत्तीसगढ़ प्रदेश में चलाए जा रहे धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत अनुसूचित जनजाति ग्रामों में शासन की योजनाओं का व्यापक क्रियान्वयन किया जा रहा है। इस कड़ी में कोरिया जिले के सोनहत और बैकुंठपुर विकासखंड के इन गांवों में हजारों पात्र परिवारों को आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, पेंशन, श्रम कार्ड, जॉब कार्ड और बीमा योजनाओं से जोड़ा जा रहा है।

जनपद पंचायत सोनहत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने बताया कि विकासखंड में 2,626 लक्षित परिवारों और 9,320 जनसंख्या के लिए शासन की महत्वपूर्ण योजनाएं संचालित की जा रही हैं। राशन कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना सहित अन्य जरूरी योजनाओं से फायदा पहुंचाने के लिए आवेदन लिया गया है, मनरेगा जॉब कार्ड, जीवन ज्योति बीमा और सुरक्षा बीमा योजना जैसी योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक पेंशन योजना के तहत 85 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 28 स्वीकृत हुए, 7 अपात्र पाए गए और शेष प्रक्रियाधीन हैं। साथ ही, 111 जाति प्रमाण पत्र और 100 निवास प्रमाण पत्र जारी किए गए हैं।

इस अभियान के तहत स्वास्थ्य सेवाओं को भी ग्रामीणों तक पहुँचाया जा रहा है। टीबी एवं सिकलसेल की जांच की जा रही है और जरूरतमंदों को उपचार से जोड़ा जा रहा है साथ ही आयुष विभाग द्वारा निःशुल्क जाँच उपरांत दवाई वितरण भी किया जा रहा है। बैकुंठपुर एसडीएम से प्राप्त जानकारी के अनुसार विकासखंड में अब तक 23 क्षय रोग के सक्रिय मरीज चिन्हित किए गए हैं।

लुण्ड्रा विधायक की पहल से एक दर्जन से अधिक गांव के ग्रामीणों को अंधेरे से मिली मुक्ति

कुन्नी सब स्टेशन में लगा बड़ा ट्रांसफार्मर

अंबिकापुर. (अम्बिकावाणी समाचार)। सरगुजा जिले के लुण्ड्रा विधानसभा क्षेत्र के लखनपुर विकासखंड अंतर्गत कुन्नी सब स्टेशन में ट्रांसफार्मर के खराब होने से आए दिन विद्युत आपूर्ति ठप जाने से एक दर्जन से अधिक वनांचल गांव के ग्रामीण अंधेरे में जीवन यापन करने के मजबूर थे। जानकारी के मुताबिक १२ जुलाई दिन शुक्रवार को ट्रांसफार्मर खराब हो जाने से एक दर्जन से अधिक गांव में २४ घंटे विद्युत आपूर्ति ठप हो गई।

जिससे ग्रामीणों को कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था।वही कुन्नी भाजपा मंडल अध्यक्ष रवि महंत और मंडल महामंत्री विक्रम सिंह ने लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज से इस संबंध में चर्चा की विधायक प्रबोध मिंज ने विद्युत विभाग के कार्यपालन अभियंता से चर्चा करते हुए ट्रांसफार्मर लगाए जाने निर्देश दिया तत्काल कार्यपालन अभियंता के निर्देश पर कुन्नी सब स्टेशन में बड़ा नया ट्रांसफार्मर लगाकर विद्युत आपूर्ति बहाल किया गया। लुण्ड्रा विधायक की पहल पर एक दर्जन से अधिक गांव के ग्रामीणों को अंधेरे से मुक्ति मिली और विद्युत आपूर्ति बहाल किया गया।

बांग्लादेश बनने से कुछ ही महीनों पहले पाकिस्तान और पूरी दुनिया में क्या चल रहा था?

नई दिल्ली। १५ मार्च, १९७१ को जब याह्या खान सत्ता हस्तांतरण पर बात करने ढाका पहुंचे तो शेख मुजीब एक सफेद कार में बैठकर उनसे मिलने आए.उस कार पर एक काला झंडा लगा हुआ था. जब याह्या मुजीब को बातचीत के लिए गवर्नमेंट हाउस के ड्राइंग रूम में ले गए तो शेख ने इस पर अपना विरोध प्रकट किया.जॉन सिसॉन और लिओ रोज ने अपनी किताब 'वॉर एंड सेसेशनः पाकिस्तान, इंडिया एंड क्रिएशन ऑफ बांग्लादेश' में लिखा, ₹मुजीब चाहते थे कि ये बातचीत एकांत में हो. याह्या ने आदेश दिया कि बाथरूम में दो कुर्सियाँ डलवाई जाएँ. इस तरह एक बाथरूम में पाकिस्तान को बचाने की आखिरी बातचीत शुरू हुई.ये बातचीत ढाई घंटे तक चली. १९ मार्च को याह्या ने भुट्टो को संदेश भेजा कि वह भी बातचीत में शामिल होने ढाका चले आएं.जब ये तीनों मिले तो याह्या ने भुट्टो और मुजीब के बीच मध्यस्थता करने की कोशिश की लेकिन ये दोनों आपस में बात करने से कतराते रहे.

याह्या ने मजाक किया कि वे दोनों नवविवाहित दंपत्ति की तरह व्यवहार कर रहे हैं.सिसॉन और रोज लिखते हैं, "जब याह्या ने दोनों का हाथ पकड़कर बातचीत शुरू करने का अनुरोध किया तब जाकर भुट्टो और मुजीब ने एक दूसरे से बोलना शुरू किया."शुरूआती हिचक के बाद एक फॉर्मूले पर सहमति हो गई कि संयुक्त पाकिस्तान के अंदर बांग्लादेश का अस्तित्व रहेगा लेकिन फिर अचानक २३ मार्च को सब कुछ बिखर गया.सैम डैलरिंपल अपनी किताब 'शैटर्ड लैंड' में लिखते हैं, २३ मार्च को पूरे पाकिस्तान में लाहौर रिजोल्यूशन दिवस मनाया जा रहा था. इस दिन ही सन १९४० में पहली बार आजाद मुस्लिम देश का विचार रखा गया था. अवामी लीग इस दिन को विरोध दिवस के रूप में मना रही थी. पूरे शहर के करीब-करीब हर घर में नए डिजाइन किए हुए लाल, हरे और पीले रंग के झंडे लगे हुए थे जिन पर बांग्लादेश का नक्शा बना हुआ था. उसी दिन ढाका टेलीविजन ने पाकिस्तान का राष्ट्र गान बजाने से इनकार कर दिया था. ऐसा लगता है कि इस दिन पाकिस्तानी सेना ने मान लिया था कि अवामी लीग एक अलगाववादी संगठन है.२५ मार्च की शाम तक याह्या का संयम समाप्त हो चुका था. उन्होंने 'ऑपरेशन सर्चलाइट' का आदेश दे दिया था.पाँच दिन पहले ही इस योजना को आपात उपाय के रूप में अंतिम रूप दिया गया था. इसका उद्देश्य न सिर्फ अवामी लीग के खिलाफ कार्रवाई करना था बल्कि पाकिस्तानी सेना की सभी बंगाली रेजिमेंटों के सैनिकों के हथियार ले लेना भी था.२५ मार्च की शाम जब याह्या ढाका से रवाना हुए उसके बाद सादे कपड़ों में पाकिस्तानी सैनिक ढाका हवाई अड्डे पर उतरना शुरू हो गए.उसी दिन ढाका में तैनात अमेरिकी राजनयिक आर्चर ब्लड अपनी पत्नी मेग के साथ एक डिनर पार्टी आयोजित कर रहे थे.उनके मेहमानों में शामिल थे अमेरिका से आए कुछ लोग, दो बंगाली हाइकोर्ट जज और एक यूगोस्लाव राजनयिक. वे सब स्पेंसर ट्रेसी की एक पुरानी फिल्म देख रहे थे, तभी ब्लड के फोन की घंटी बजी.दूसरे छोर पर किसी ने ब्लड को बताया की बंगाली छात्र पाकिस्तानी सेना के वाहनों को रोकने के लिए सड़कों पर बेरिकेड लगा रहे हैं और जल्द ही दोनों पक्षों के बीच संघर्ष शुरू होने वाला है.जैसे ही ब्लड ने ये खबर अपने मेहमानों को बताई बंगाली हाइकोर्ट के जजों ने तुरंत अपने घर जाने की इच्छा प्रकट की. उनके पीछे-पीछे एक अमेरिकी दंपति भी गया.गैरी बेस अपनी किताब 'ब्लड टेलीग्राम इंडियाज सीक्रेट वॉर इन ईस्ट पाकिस्तान' में लिखते हैं, ₹कुछ मिनटों बाद ही भयभीत दंपति ब्लड के घर वापस लौट आया. उन्होंने बगल की सड़क पर एक शव पड़ा देखा था. बाकी मेहमानों ने उस रात उन्हीं के घर पर ही रुकने का फैसला किया. ब्लड की पत्नी ने उनके लिए बिस्तरों की व्यवस्था की और वह फोन पर जानकारी जुटाने में लग गए कि उस समय ढाका में क्या हो रहा था.पूरे बांग्लादेश में पाकिस्तानी सेना एक्शन में आ चुकी थी. रात एक बजे पाकिस्तानी सैनिक शेख मुजीब के धानमंडी निवास स्थान पर पहुंचे.कुछ सैनिकों ने शेख के घर की चारदीवारी फलांग कर फायरिंग शुरू कर दी जिसमें शेख का एक पहरेदार मारा गया. मुजीब को गिरफ़्तार कर लिया गया.पाकिस्तानी सेना मुजीब को शहीद नहीं बनाना चाहती थी, उसे आदेश था कि मुजीब को जिंदा पकड़ा जाए.बांग्लादेश पर बहुचर्चित किताब 'डेड रेकनिंग, मेमोरीज ऑफ द १९७१ बांग्लादेश वॉर' में शमीर्ला बोस लिखती हैं, ₹विश्वविद्यालय के प्रोफेसर ऊला ने एक फुटेज रिकॉर्ड किया था जिसमें सैनिकों को निहत्थे छात्रों को बंदी बनाते और बिल्कुल नजदीक से गोली मारते दिखाया गया था. छात्रों को अपने ही साथियों के शवों को दफनाने के लिए मजबूर किया गया था.उस रात आसिफ अली ढाका विश्वविद्यालय में अकेले गैर-बंगाली थे. अनम जकरिया अपनी किताब '१९७१ पीपुल्स हिस्ट्री फ्रॉम बांग्लादेश, पाकिस्तान एंड इंडिया' में लिखती हैं, ₹आसिफ ने मुझे बताया था. छात्रों और छात्राओं ने सैनिकों को आगे बढ़ने से रोकने के लिए मानव चेन बना ली थी लेकिन सैनिकों ने उन पर गोलियाँ चलानी शुरू कर दी थी. मारे जाने वालों में आसिफ के सबसे करीबी दोस्त मोईन थे. मोईन और उनकी महिला मित्र दोनों वहाँ मौजूद थे. वह तो बच गईं लेकिन मोईन मारे गए. मुझे अब तक उस दृश्य के डरावने सपने आते हैं.उधर जब इंटरकॉन्टिनेंटल होटल के सामने मशीन गन से लैस पाकिस्तानी सेना की जीप ने एक शॉपिंग सेंटर पर गोलियाँ चलानी शुरू कर दीं तो होटल में मौजूद पत्रकार भौंचक्के रह गए.

'न्यूयॉर्क टाइम्स' ने अपने २८ मार्च, १९७१ के अंक में लिखा, ₹जब पत्रकारों ने होटल के मुख्य द्वार पर तैनात कैप्टन से इस गोलीबारी पर अपना विरोध प्रकट किया तो उसने जवाब दिया, अगर मैं अपने खुद के लोगों को मार सकता हूँ तो तुमको भी मार सकता हूँ.होटल में रह रहे सभी विदेशी पत्रकारों से देश छोड़कर जाने के लिए कहा गया. वहाँ रह रहे सिडनी शॉनबर्ग के कैमरे की रीलें जब्त कर ली गईं लेकिन कुछ पत्रकार सेना की गिरफ़्त से बच निकले. उनमें से एक थे डेली टेलीग्राफ अखबार के संवाददाता साइमन ड्रिंग.सलिल त्रिपाठी ने अपनी किताब 'द कर्नल हू वुड नॉट रिपेंट' में लिखा, ड्रिंग होटल की छत पर छिपे हुए थे. जब वहाँ से सेना चली गई तो वह होटल से बाहर निकले. उन्होंने शहर में कई लोगों का इंटरव्यू किया और अपने मोजों में अपने नोट्स को छिपाकर देश से बाहर ले गए.जब २६ मार्च की दोपहर भुट्टो कराची पहुंचे तो उन्होंने प्रेस के सामने घोषणा की- ₹खुदा का शुक्र है कि पाकिस्तान को बचा लिया गया है.अनम जकरिया ने लिखा, ₹पूर्वी पाकिस्तान में रहने वाले लाखों लोगों की नजर में 'ऑपरेशन सर्चलाइट' ने पाकिस्तान को बचाया नहीं था बल्कि उसने पाकिस्तान के सपने को पूरी तरह से छिन्न-भिन्न कर दिया था.कई साल बाद तारिक अली ने भी लिखा, ₹जिन्ना के पाकिस्तान की २६ मार्च, १९७१ को मौत हो गई थी जब पूर्वी पाकिस्तान खून में डूब गया था.ढाका में तैनात अमेरिकी राजनयिक आर्थर ब्लड ने अपनी सरकार को भेजे टेलीग्राम का शीर्षक दिया, 'सेलेक्टिव जिनोसाइड' यानी चुन-चुन कर किया गया जनसंहार. ब्लड को इससे बहुत हताशा हुई जब न तो इस्लामाबाद में अमेरिकी दूतावास और न ही अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने उनकी रिपोर्ट पर कोई प्रतिक्रिया व्यक्त की.गैरी बेस ने अपनी किताब में लिखा, ₹कुछ दिनों बाद जब ब्लड की रिपोर्ट पर बातचीत चली तो किसिंजर ने कहा कि ढाका में हमारे राजनयिक बहुत मजबूत मानसिक शक्ति वाले शख़्स नहीं हैं. इसका नतीजा ये हुआ कि ब्लड और उनकी टीम ने अपनी सरकार के खिलाफ असहमति नोट लिखा. इस पर ढाका में अमेरिकी दूतावास के २० कर्मचारियों ने हस्ताक्षर किए.नोट में कहा गया, ₹हमारी सरकार लोकतंत्र को दबाने के प्रयासों और अत्याचारों की निंदा करने में नाकाम रही है. एक पेशेवर लोकसेवक होने के नाते हम अमेरिकी सरकार की वर्तमान नीति के प्रति अपनी असहमति प्रकट करते हैं.₹ (गैरी बेस, ब्लड टेलिग्राम पृष्ठ ७८)वॉशिंगटन में इस नोट को पसंद नहीं किया गया और कुछ हफ़्तों बाद आर्थर ब्लड ढाका से तबादला कर दिया गया.'ऑपरेशन सर्चलाइट' शुरू होने के पाँच दिनों के अंदर करीब ३०० शरणार्थी सीमा पार कर भारत पहुंच चुके थे. दो सप्ताह बाद शरणार्थियों की संख्या तेजी से बढ़ती जा रही थी.भारत के सीमावर्ती प्रदेशों से खबरें आने लगी थीं कि वहाँ चीनी, नमक और केरोसिन तेल की कमी हो गई है. मई आते-आते उन इलाकों में पीने के पानी की भी कमी हो गई थी.सैम डैलरिंपल लिखते हैं, ₹इतने सारे लोगों के खाने का इंतजाम करने के कारण पूर्वोत्तर राज्यों की अर्थव्यवस्था छिन्न-भिन्न होने लगी थी. सितंबर आते-आते पूर्वोत्तर भारत के खासी पहाड़ियों में स्थानीय लोगों और शरणार्थियों के बीच झगड़ों की खबरें आने लगी थीं.भारतीय प्रशासन ने जान-बूझ कर रिफ्यूजी लोगों की धार्मिक पहचान का विवरण नहीं दिया था

आस्था के नाम पर व्यापार- 21 हजार में धर्मिक विशेषाधिकार, श्रद्धालुओं में आक्रोश

कोरबा में शिव महापुराण कथा आयोजन विवादों में, गरीबों से चंदा लेकर किया गया भेदभाव

कोरबा अम्बिकावाणी - जिले में श्रद्धा और भक्ति से जुड़ी शिव महापुराण कथा इस बार विवादों के घेरे में आ गई है। विख्यात कथा वाचक पं. प्रदीप मिश्रा की सात दिवसीय कथा (१२ से १८ जुलाई) को लेकर श्री महाकाल भक्त मंडल समिति कोरबा पर गंभीर आरोप लगे हैं। आयोजन में कथित रूप से २१,००० रुपये में विशेष पास बेचे गए, जिससे आस्था रखने वाले हजारों श्रद्धालुओं में गहरी नाराजगी है। वायरल ऑडियो क्लिप में समिति के कोषाध्यक्ष शैलेश शुक्ला के रिश्तेदार की आवाज बताई जा रही है, जिसमें वह कहते हैं झ २१ हजार दो, पास लो, सामने बैठो। इस खुलासे के बाद श्रद्धालुओं में यह भावना गहराई है कि भक्ति अब अमीरों के लिए आरक्षित कर दी गई है।

बदलते आयोजन स्थल और सीमित प्रवेश ने बढ़ाई बेचैनी

पहले ही आयोजन स्थल को लेकर कई बार परिवर्तन हुआ। अंततः ट्रांसपोर्ट नगर स्थित मीरा रिसॉर्ट परिसर में यह आयोजन तय हुआ, जहां प्रतिदिन केवल ३०० श्रद्धालुओं को प्रवेश की अनुमति है। सीमित व्यवस्था के बीच २१ हजार रुपये में विशेष पास देकर सामने बैठने की सुविधा ने विवाद को और हवा दी है।

गरीब श्रद्धालुओं की व्यथा झ क्या भक्ति भी बिकाऊ हो गई?

सीताबाई वर्मा, निवासी दर्री, ने कहा – हम रोज कथा सुनने की उम्मीद में आते हैं, लेकिन जब सुना कि सामने बैठने के लिए पैसे लगते हैं, तो दिल टूट गया।

क्या हमारी आस्था अब अमीरी-गरीबी देखेगी?

कमला तिवारी ने कहा – सुबह से कतार में लगते हैं, फिर भी कहते हैं झ पास नहीं है। अगर पैसे से ही धर्म के दरवाजे खुलें, तो आम श्रद्धालु क्या करे?

एक स्वयंसेवक ने बताया कि उन्होंने प्रचार, साज-सज्जा और चंदा देने में सहयोग किया, लेकिन अब उन्हें बाहर खड़ा किया गया। उनका सवाल झ क्या यह भक्ति है या धंधा?

समिति की पुष्टि, पारदर्शिता पर सवाल

जब आयोजन समिति के मोबाइल नंबर ६२६३८१९०८६ पर संपर्क किया गया, तो उन्होंने यह स्वीकार किया कि २१ हजार रुपए में पास दिए गए हैं। इससे यह सिद्ध हो गया कि आयोजन में आर्थिक स्थिति के आधार पर भेदभाव किया गया है।

धर्म और पैसे का गठजोड़ – उठी जवाबदेही की मांग

इस घटनाक्रम ने धार्मिक आयोजनों की पारदर्शिता और नैतिकता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। जिलेभर में यह मांग उठ रही है कि श्री महाकाल भक्त मंडल समिति को सार्वजनिक रूप से इस प्रकरण पर जवाब देना चाहिए, ताकि भविष्य में धर्म के नाम पर हो रही व्यावसायिक प्रवृत्तियों पर रोक लगाई जा सके।

भारतमाला फोरलेन की गुणवत्ता पर उठे सवाल- कोरबा में निर्माणाधीन मार्ग पहली ही बारिश में टूटा

जनता बोली - यह भ्रष्टाचार का खुला उदाहरण

कोरबा अम्बिकावाणी - जिले में भारतमाला परियोजना के तहत बन रही बहुप्रतीक्षित फोरलेन सड़क की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए हैं। हाल ही में हुई पहली ही बारिश में तरदा मुख्य मार्ग पर निर्माणाधीन सड़क का बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। सड़क पूरी तरह तैयार भी नहीं हुई थी, लेकिन टूट-फूट ने निर्माण कार्य की पारदर्शिता और गुणवत्ता पर गहरे प्रश्नचिन्ह लगा दिए हैं।

स्थानीय नागरिकों ने इसे खुला भ्रष्टाचार करार देते हुए कहा कि करोड़ों रुपये की इस परियोजना में घटिया सामग्री का उपयोग हुआ है। सोशल मीडिया पर क्षतिग्रस्त सड़क का वीडियो वायरल हो रहा है। फेसबुक और इंस्टाग्राम पर लोग सवाल उठा रहे हैं झ जब सड़क चालू ही नहीं हुई, तब ही बह गई झ तो एक साल भी कैसे टिकेगी?

निर्माण एजेंसी पर लापरवाही के आरोप

ग्रामीणों और स्थानीय संगठनों ने निर्माण एजेंसी तथा संबंधित अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि कार्य गुणवत्ता जांची नहीं गई, न ही निगरानी की कोई प्रभावी व्यवस्था है। यदि अब सुधार नहीं हुआ तो भविष्य में यह किसी गंभीर हादसे का कारण बन सकता है।

अन्य समस्याएं भी बढ़ीं

चांपा मुख्य मार्ग सहित कई स्थानों पर भूमि अधिग्रहण में देरी, मुआवजा न मिलना, धूल और ट्रैफिक जाम जैसी समस्याएं भी सामने आई हैं, जो बारिश में और बिगड़ रही हैं।

प्रशासन से अपील

स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि निर्माण की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की जाए, ताकि आने वाले समय में ऐसे भ्रष्टाचार को रोका जा सके।

मरीज के लिये वह हर पल कीमती था, डॉक्टरों ने समय से लड़ी जंग- जिंदगी को मिला नया सवेरा

बेहद नाजुक स्थिति से मुक्त होकर स्वस्थ हुई रानी, डॉक्टरों की अथक मेहनत और सेवा को सराहा परिवार ने

कोरबा अम्बिकावाणी - जहां एक ओर चिकित्सा जगत में कुछ नकारात्मक घटनाएँ चिकित्सकों को असहज महसूस करा रही हैं, वहीं दूसरी ओर लोगों की जान बचाने का जज्बा उन्हें कमजोर नहीं पड़ने देता। न्यू कोरबा हॉस्पिटल (एनकेएच) में एक बेहद गंभीर मामले में यही जज्बा काम आया और टीम वर्क ने उस मरीज को नया जीवन दिया, जिसकी जान पूर्ण रूप से संकट में थी। जीवन-मृत्यु से संघर्षरत मरीज को मिला नया जीवन कोलकाता निवासी एक चिकित्सक की २८ वर्षीय पत्नी रानी (बदला हुआ नाम) जमनीपाली स्थित अपने मायके आई हुई थीं। २ जुलाई की रात करीब २ बजे रानी को अचानक पेट में तेज दर्द हुआ और वह बेहोश हो गईं। उन्हें तत्काल जमनीपाली के एक अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद न्यू कोरबा हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया। एनकेएच पंहुचने पर रानी की स्थिति अत्यंत गंभीर थी। उनका ब्लड प्रेशर (बीपी) नहीं था, शरीर में कोई हलचल नहीं थी, केवल पल्स चल रही थी। जांच के बाद पता चला कि थैली फटने के कारण पेट में

काफी खून जमा हो गया था, जिसे रप्चर्ड एक्टोपिक कहा जाता है। मरीज पूरी तरह से शॉक में थी। रानी के पति उस समय शहर से बाहर थे। डॉ. एकता चवरे के नेतृत्व में चिकित्सकों की टीम ने परिजनों को पूरी स्थिति समझाने के बाद तुरंत इलाज शुरू किया। सुबह तक सर्जरी कर पेट में जमे हुए खून को बाहर निकाला गया। अत्यधिक रक्तस्राव के कारण रानी को सात यूनिट ब्लड चढ़ाया गया। शरीर में कमजोरी के चलते उन्हें ब्रेन में झटका भी आ चुका था।

डॉक्टर की इस टीम ने किया सफल ऑपरेशन और कुशल देखभाल

महिला रोग विशेषज्ञ डॉ. एकता चवरे, एनेस्थीसिया, क्रिटिकल केयर की पूरी टीम और ब्लड बैंक स्टॉप के सहयोग से रानी का सफल ऑपरेशन हुआ। ऑपरेशन के बाद डॉ. एकता, डॉ. अविनाश तिवारी (एमडी मेडिसिन) और न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. मनीष गोयल की देखरेख में उन्हें ५ दिनों तक आईसीयू में रखा गया। स्थिति में सुधार होने पर जनरल वार्ड में शिफ्ट किया गया, और अंततः पूर्ण स्वस्थ हालत में हॉस्पिटल से डिस्चार्ज किया गया।

परिवार ने जताया आभार कहा- एनकेएच की टीम वर्क सराहनीय

रानी के चिकित्सक पति ने पूरे उपचार पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि वे पहले असमंजस में थे कि क्या कोरबा में उनकी पत्नी का सही इलाज हो पाएगा या उन्हें बिलासपुर या रायपुर ले जाना पड़ेगा, लेकिन डॉ. एकता और एनकेएच की टीम ने जिस तरह से इलाज किया, उससे उनका अस्पताल पर विश्वास बढ़ा है। उन्होंने एनकेएच की बेहतर व्यवस्था और टीम वर्क की सराहना करते हुए कहा, सिर्फ संसाधनों का होना ही किसी अस्पताल के लिए पर्याप्त नहीं, बल्कि एक बेहतर टीम का होना भी जरूरी है। एनकेएच में बेहतर संसाधनों के साथ टीम वर्क देखने को मिला। यहां चिकित्सक से लेकर सभी स्टाफ काफी सेवाभावी और अपने कर्तव्य के प्रति जवाबदार हैं।₹ उन्होंने कहा कि उनकी पत्नी का मामला काफी क्रिटिकल था, लेकिन जिस कुशलता से इसे संभाला गया, उसी की वजह से आज रानी स्वस्थ है और अपने पैरों पर चलकर घर लौटी हैं।

यह सिर्फ एक केस नहीं, एक जिंदगी थी₹ - डॉ. चंदानी

एनकेएच के डायरेक्टर डॉ. एस. चंदानी ने बताया कि यह केस काफी क्रिटिकल और रिस्की था। उन्होंने कहा, ₹किसी रिस्क से डरकर मरीज को उसके हाल पर छोड़ देना या दूसरे बड़े शहर रेफर कर देना ठीक नहीं होता। इस स्थिति में मरीज को रेफर करने का मतलब था, उसकी जान को और गंभीर खतरे में डालना, क्योंकि वह पहले से ही शॉक में थी और समय बहुत ही महत्वपूर्ण था। डॉ. चंदानी ने बताया कि यह एक बेहद मुश्किल निर्णय था, अगर समय गंवाया जाता तो जान नहीं बचती। इसलिए परिवार को पूरी स्थिति समझाकर तत्काल ऑपरेशन का निर्णय लिया गया। उन्होंने जोर देकर कहा, यह हमारे लिए सिर्फ एक केस नहीं था बल्कि एक जिंदगी थी। एक डॉक्टर का धर्म यही होता है कि जब किसी को आपकी सबसे ज्यादा जरूरत हो, तब आप पीछे न हटें। उन्होंने बताया कि विश्वास और टीम वर्क के साथ जोखिम लिया गया, जिसके परिणामस्वरूप रानी को नया जीवन मिल सका। डॉ. चंदानी ने मरीज के पति, जो स्वयं डॉक्टर हैं, के सहयोग की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि एनकेएच की टीम ने अपने अनुभव, दक्षता और सेवाभाव से यह साबित कर दिया कि कोरबा में भी किसी भी गंभीर मामले का सफल इलाज संभव है।

छत्तीसगढ़ में वैकल्पिक उर्वरकों की कोई कमी नही

रायपुर। राज्य में खरीफ सीजन 2025 के दौरान विभिन्न प्रकार के रासायनिक उर्वरकों की मांग को देखते हुए छत्तीसगढ़ सरकार ने समय रहते न सिर्फ इसकी ठोस व्यवस्था सुनिश्चित की बल्कि रासायनिक उर्वरकों की आपूर्ति भंडारण एवं वितरण व्यवस्था पर भी लगातार निगरानी रख रही है, जिसके चलते राज्य में रासायनिक उर्वरकों के भण्डरण एवं उठाव की स्थिति बेहतर बनी हुई है। डी.ए.पी. की कमी को पूरा करने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार ने एन.पी.के., सुपर फास्फेट और नेनो डी.ए.पी. जैसे वैकल्पिक उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित कर किसानों के हितों का ध्यान रखा है। छत्तीसगढ़ में अब तक विभिन्न प्रकार के 12.27 लाख मीट्रिक टन उर्वरकों का भंडारण कर लिया गया है, जिससे खरीफ सीजन में किसानों को समय पर पर्याप्त उर्वरक उपलब्ध हो सकें। छत्तीसगढ़ राज्य में खरीफ 2025 में पूर्व में कुल 14.62 लाख मीट्रिक टन उर्वरक वितरण का लक्ष्य निर्धारित था। इसमें यूरिया 7.12

लाख, डी.ए.पी. 3.10 लाख, एन.पी.के. 1.80 लाख, पोटाश 60 हजार तथा सुपर फास्फेट 2 लाख मीट्रिक टन शामिल हैं। वर्तमान में कुल 12.27 लाख मीट्रिक टन उर्वरक का भंडारण किया जा चुका है। डीएपी की आपूर्ति में कमी के चलते उर्वरक वितरण के लक्ष्य को संशोधित कर अन्य वैकल्पिक उर्वरकों जैसे- एनपीके, एसएसपी के लक्ष्य में 4.62 लाख मीट्रिक टन की उल्लेखनीय वृद्धि की है, जिसके चलते खरीफ सीजन 2025 में विभिन्न प्रकार के रासायनिक उर्वरकों की वितरण का लक्ष्य 17.18 लाख मीट्रिक टन हो गया है। राज्य में अब तक 5.63 लाख मीट्रिक टन यूरिया का भंडारण एवं 3.76 लाख मीट्रिक टन का वितरण किया गया है। किसानों को अभी 1.86 लाख मीट्रिक टन यूरिया वितरण हेतु उपलब्ध है। यहां यह उल्लेखनीय है कि यूरिया का उपयोग धान फसल में तीन बार किया जाता है। पहली बार बुवाई अथवा रोपाई के समय कुल अनुशंसित मात्रा का 30 प्रतिशत, दूसरी बार 3 से 4 सप्ताह बाद कन्से निकलने के समय एवं तीसरी बार 7 से 8 सप्ताह बाद गभौट अवस्था में किया जाता है। इस प्रकार यूरिया का उपयोग बुवाई से लेकर सितंबर तक विभिन्न अवस्थाओं में किया जाना है, जिसके अनुरूप राज्य में यूरिया की चरणबद्ध आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। डी.ए.पी. के आयात में राष्ट्रीय स्तर पर कमी को देखते हुए राज्य शासन ने समय रहते वैकल्पिक उर्वरकों की दिशा में ठोस पहल की है, जिसके चलते एन.पी.के. को लक्ष्य बढ़ाकर 4.90 लाख तथा सुपर फास्फेट का 3.53 लाख मीट्रिक टन कर दिया गया। वर्तमान में एन.पी.के. 11 हजार एवं सुपर फास्फेट 54 हजार मीट्रिक टन, लक्ष्य से अधिक भंडारित है, जिससे 23 हजार 600 मीट्रिक टन डी.ए.पी. में उपलब्ध फॉस्फेट तत्व की पूर्ति होगी। छत्तीसगढ़ राज्य को चालू माह जुलाई में आपूर्ति प्लान के अनुसार कुल 2.33 लाख मी. टन उर्वरक मिलेगी। जिसमें यूरिया 1.25 लाख, डी.ए.पी. 48,850, एन.पी.के. 34,380, पोटाश 10 हजार एवं सुपर फास्फेट 76 हजार मी. टन शामिल हैं। जुलाई के अंत तक डी.ए.पी. का कुल भंडारण 1.95 लाख मी. टन तक होने की उम्मीद है। राज्य में डी.ए.पी. की कमी से बचाव हेतु 25 हजार मी. टन सुपर फास्फेट एवं 40 हजार मी. टन एन.पी.के. के अतिरिक्त भंडारण का लक्ष्य तय किया गया है। साथ ही, नैनो डी.ए.पी. उर्वरक को बढ़ावा देने हेतु सहकारी क्षेत्र में एक लाख बाटल का भंडारण किया जा रहा है, जिससे 25 हजार मीट्रिक टन पारंपरिक डी.ए.पी. की आवश्यकता की पूर्ति होगी।

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा अप्रैल माह से ही वैकल्पिक उर्वरकों के प्रचार-प्रसार हेतु पोस्टर पैम्फलेट तैयार कर समस्त सहकारी समितियों एवं उपार्जन केन्द्रों में प्रदर्शित किए गए डीएपी, उर्वरक के स्थान पर अन्य वैकल्पिक उर्वरकों के उपयोग के बारे में किसानों को जानकारी दी गई। इसी कड़ी में कृषि वैज्ञानिकों एवं कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा किसानों को विकसित कृषि संकल्प अभियान के दौरान एन.पी.के, सुपर फास्फेट एवं नेनो डी.ए.पी. के वैज्ञानिक उपयोग का प्रशिक्षण भी दिया। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा कुशल प्रबंधन कर खरीफ 2025 में उर्वरकों की निर्बाध आपूर्ति की जा रही है।

56 पेट्रोल पंपों में स्थापित होंगे प्रदूषण जांच केन्द्र

रायपुर। राज्य में वाहनों के प्रदूषण नियंत्रण को प्रभावी बनाने की दिशा में परिवहन विभाग ने एक अहम पहल की है। आगामी दिनों में 56 पेट्रोल पंपों में प्रदूषण जांच केन्द्र की स्थापना की जाएगी। परिवहन विभाग के सचिव एवं परिवहन आयुक्त श्री एस. प्रकाश (भाप्रसे) तथा अपर परिवहन आयुक्त श्री डी. रविशंकर (भापुसे) की उपस्थिति में पेट्रोलियम कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित कर पेट्रोल पंपों में प्रदूषण जांच केन्द्र स्थापित करने की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की गई।

संपादकीय

आतंकवाद के खिलाफ मुहिम जारी

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पहलगाम आतंकी हमले को आर्थिक युद्ध का नया कृत्य बताया। अंतरराष्ट्रीय पत्रिका 'न्यूजवीकइ के साथ मैनहट्टन में हुई बातचीत में उन्होंने परमाणु ब्लैकमेल की पाकिस्तान की नीति का जवाब देने की बात भी कही।

जयशंकर ने पाकिस्तान के साथ हुए संघर्ष पर जवाब दिया। उन्होंने कहा कि हम अब यह स्वीकार नहीं करेंगे कि आतंकवादी छद्म हैं। इस मामले में पाकिस्तान पूरी तरह दोषी है। पहलगाम में छब्बीस पर्यटकों की निर्मम हत्या के लगभग दो महीनों बाद उन्होंने विस्तार में यह बात की। भारत ने इस आतंकवादी घटना के बाद सीमापार स्थित आतंकी ठिकानों पर हमला कर दिया था। विदेश मंत्री ने साफ कहा, हम सुरक्षा करेंगे। अपने लोगों की रक्षा करने के अधिकार का हम प्रयोग करेंगे।

साथ ही कहा कि हम आतंकवाद पर बातचीत करने को इच्छुक हैं। लेकिन यदि वे आतंकवाद जारी रखते हैं तो मुझे लगता है यह यथार्थवादी नहीं है। यह भी कहा कि आप एक साथ अच्छे पड़ोसी और आतंकवादी नहीं हो सकते। हालांकि पाक सरकार विभाजित कश्मीर में हत्याओं या हमलों में किसी भी तरह का हाथ होने से इंकार करती रही है। उनकी तरफ से भारत पर जवाबी हमले भी किए गए थे और चेतावनी दी गई थी कि यदि पाकिस्तान को अपने अस्तित्व पर खतरा महसूस हुआ तो वह परमाणु हथियारों का सहारा भी ले सकता है।

यह शायद पहली मर्तबा था, जब भारत ने दुश्मन मुल्क के भीतर घुसकर आतंकी ठिकानों का जबरदस्त तौर पर सफाया किया जिसका समूची दुनिया में स्पष्ट संदेश गया कि भारत अब आतंकवादियों के प्रति कोई मुर्वत नहीं करने वाला। पाक में जारी राजनीतिक अस्थिरता और उथल-पुथल के दौरान आतंकवादियों के हौंसले बुलंद होते जा रहे थे। हालांकि सीमापार आतंकवाद की यह मामला बेहद जटिल है, इसलिए इसका समाधान आसानी से नहीं किया जा सकता। परंतु भारत द्वारा अपने पड़ोसी मुल्कों से संबंध सुधारने के प्रयासों पर गंभीर बात करने के संकेत दिए जा रहे हैं। पहले भी पाकिस्तान सरकार द्वारा वांछित आतंकवादियों को प्रश्रय देने के कारण उनकी नीयत पर संदेह किया जाता रहा है। प्रशिक्षित आतंकवादियों के सीमापार से चोरी-छिपे घुसपैठ से देश की न सिर्फ शांति भंग होती है, बल्कि जान-माल का भी भारी नुकसान होता है। सरकार द्वारा उठाए गए सख्त कदमों से अब समूची दुनिया को सहमत होना ही होगा। मानना होगा कि यह किसी मुल्क विशेष की बजाय आतंकवाद के खिलाफ जारी मुहिम है।

अंतरिक्ष में भारत की मजबूत उपस्थिति

विनीत नारायण

41 साल बाद भारत ने एक बार फिर अंतरिक्ष में अपनी उपस्थिति मजबूत की है। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने नासा के केनेडी स्पेस सेंटर से एक्सिओम-4 मिशन के तहत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा शुरू की जिसने न केवल भारत की अंतरिक्ष महत्त्वाकांक्षाओं को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया, बल्कि 1.4 अरब भारतीयों के सपनों को भी पंख दिए।

अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा एक ऐसा अनुभव है, जो सामान्य मानवीय अनुभवों से परे है। यह न केवल वैज्ञानिक और तकनीकी उपलब्धि है, बल्कि एक गहन व्यक्तिगत और दार्शनिक अनुभव भी है। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने अपनी पहली अंतरिक्ष यात्रा के दौरान कहा, 'क्या कमाल की सवारी थी !इ यह उत्साह और आश्चर्य उनकी भावनाओं का प्रतीक है, जो हर उस व्यक्ति के मन में कौतूहल जगाता है, जो अंतरिक्ष की सैर का सपना देखता है। अंतरिक्ष स्टेशन में प्रवेश करने पर सबसे पहला अनुभव शून्य गुरुत्वाकर्षण (माइक्रोग्रैविटी) का होता है। शुभांशु ने इसे 'शिशु की तरह चलना सीखनेइ जैसा बताया। अंतरिक्ष यात्री को अपने शरीर को नियंत्रित करने, खाने, पढ? और यहां तक कि सोने के लिए भी नये तरीके सीखने पड़ते हैं। यह अनुभव चुनौतीपूर्ण होने के साथ-साथ रोमांचक भी है। अंतरिक्ष में तैरना, जहां हर वस्तु हवा में लंगरहीन होती है, एक ऐसी अनुभूति है, जो पृथ्वी पर असंभव है। इसके साथ ही अंतरिक्ष से पृथ्वी को देखना एक गहन अनुभव है। नीले ग्रह की सुंदरता, बादलों की नाजुक परतें और महासागरों की विशालता अंतरिक्ष यात्रियों को प्रकृति और मानवता के प्रति गहरी जिम्मेदारी का अहसास कराती हैं। शुभांशु ने अपनी यात्रा के दौरान कहा, 'मैं दृश्यों का आनंद ले रहा हूं।इ ये दृश्य न केवल मनमोहक हैं, बल्कि यह भी याद दिलाते हैं कि हमारा ग्रह कितना नाजुक और अनमोल है। अंतरिक्ष यात्रा शारीरिक और मानसिक रूप से कठिन होती है। लॉन्च के दौरान तीव्र जी-फोर्स का अनुभव, अंतरिक्ष में प्रारंभिक असुविधा और माइक्रोग्रैविटी में अनुकूलन की प्रक्रिया हर अंतरिक्ष यात्री के लिए कठिन परीक्षा होती है। शुभांशु ने हंसते हुए बताया कि उन्होंने अंतरिक्ष में 'काफी सोयाइ जो उनके अनुकूलन का हिस्सा था। इसके अलावा, अंतरिक्ष स्टेशन पर लंबे समय तक रहने से मांसपेशियों का क्षय और हड्डियों की कमजोरी जैसी समस्याएं हो सकती हैं, जिनका अध्ययन इस मिशन का एक हिस्सा था। अंतरिक्ष स्टेशन पर समय केवल दृश्यों का आनंद लेने तक सीमित नहीं है। एक्सिओम-4 मिशन के दौरान शुभांशु और उनकी टीम ने 60 से अधिक वैज्ञानिक प्रयोग किए, जिनमें से सात भारत के थे। इन प्रयोगों में माइक्रोग्रैविटी में फसल बीजों का प्रभाव, मांसपेशियों के क्षय का अध्ययन और डीएनए मरम्मत जैसे विषय शामिल थे। यह कार्य न केवल वैज्ञानिक खोजों को बढ़ावा देता है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय सहयोग को भी मजबूत करता है। 41 साल पहले, 1984 में विंग कमांडर राकेश शर्मा ने सोवियत यूनियन के सोयुज टी-11 मिशन के तहत अंतरिक्ष में कदम रखा था। तब से भारत ने अंतरिक्ष अनुसंधान में उल्लेखनीय प्रगति की है, लेकिन मानव अंतरिक्ष उड़ान में यह दूसरा बड़ा कदम है। शुभांशु की अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन यात्रा भारत के लिए कई मायनों में महत्त्वपूर्ण है। इसरो ने एक्सिओम-4 मिशन के लिए 5 अरब रुपये (.59 मिलियन) का निवेश किया, ताकि शुभांशु को प्रशिक्षण और अंतरिक्ष अनुभव प्राप्त हो सकें। इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन ने कहा, 'इस मिशन से प्राप्त अनुभव और प्रशिक्षण भारत के लिए अभूतपूर्व लाभकारी होंगे।इ शुभांशु का यह अनुभव गगनयान के लिए लॉन्च प्रोटोकॉल, माइक्रोग्रैविटी अनुकूलन, और आपातकालीन तैयारी में मदद करेगा। एक्सिओम-4 मिशन नासा, इसरो, यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी और निजी कंपनी एक्सिओम स्पेस के बीच सहयोग का उत्कृष्ट उदाहरण है।

यह मिशन भारत की बढ़ती वैश्विक स्थिति और अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष समुदाय में इसके योगदान को दर्शाता है। पोलैंड और हंगरी के अंतरिक्ष यात्रियों के साथ यह मिशन वैश्विक एकता और साझा वैज्ञानिक लक्ष्यों का प्रतीक है। शुभांशु की यात्रा ने भारत के युवाओं में अंतरिक्ष अनुसंधान के प्रति उत्साह जगाया है। लखनऊ में उनके स्कूल, सिटी मॉन्टेसरी स्कूल, में आयोजित वॉच पार्टी में सैकड़ों छात्रों ने उनके प्रक्षेपण को देखा और उत्साह के साथ तालियां बजाई। इसरो ने शुभांशु के लिए भारतीय छात्रों के साथ बातचीत के आयोजन की योजना बनाई है, जो नई पीढ़ी को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में कॅरियर बनाने के लिए प्रेरित करेगा। भारत ने 2035 तक अपना अंतरिक्ष स्टेशन, भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन, स्थापित करने और 2040 तक चंद्रमा पर अंतरिक्ष यात्री भेजने की महत्त्वाकांक्षी योजनाएं बनाई हैं। शुभांशु की अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन यात्रा इन लक्ष्यों की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम है। यह भारत को न केवल तकनीकी रूप से सक्षम बनाता है, बल्कि वैश्विक अंतरिक्ष अनुसंधान में प्रमुख खिलाड़ी के रूप में भी स्थापित करता है। शुभांशु ने अपनी कक्ष से संदेश में कहा, 'मेरे कंधे पर तिरंगा मुझे बताता है कि मैं अकेला नहीं हूं, मैं आप सभी के साथ हूं।इ यह भावना 1.4 अरब भारतीयों के गर्व और एकता को दर्शाती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस उपलब्धि को '1.4 अरब भारतीयों की आकांक्षाओं का प्रतीकइ बताया है। यह मिशन भारत की प्रगति और आत्मनिर्भरता का एक और प्रमाण है। अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा एक ऐसी यात्रा है, जो न केवल वैज्ञानिक खोजों को बढ़ावा देती है, बल्कि मानवता को अपनी सीमाओं से परे सोचने के लिए भी प्रेरित करती है। शुभांशु शुक्ला की एक्सिओम-4 मिशन में भागीदारी भारत के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है, जो 41 साल बाद अंतरिक्ष में देश की वापसी को चिह्नित करता है। यह मिशन न केवल गगनयान और भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन जैसे भविष्य के मिशनों के लिए आधार तैयार करता है, बल्कि भारत के युवाओं को सपने देखने और उन्हें हासिल करने की प्रेरणा भी देता है। जैसा कि शुभांशु ने कहा, 'यह मेरी उपलब्धि नहीं, बल्कि पूरे देश की सामूहिक जीत है।इ यह यात्रा भारत के अंतरिक्ष युग के नये अध्याय की शुरूआत है।

(लेख में विचार निजी हैं)

चारधाम में हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त बहुत चिंताजनक स्थिति

सुरेश भाई

मनुष्य अपनी यात्रा को आरामदायक और जल्दी पूरा करने के लिए हेली सेवाओं का इस्तेमाल बड़ी तेजी से कर रहा है। आजकल मध्य हिमालय की देवभूमि उत्तराखंड स्थित चारधाम के दर्शन करने पहुंच रहे यात्री भी हेली सेवाओं के उपयोग करने में पीछे नहीं हैं। अनेक कंपनियों के हेलीकॉप्टर यहां बड़ी संख्या में उड़ान भर रहे हैं, जिनके लिए गाइडलाइंस बनाई गई हैं।

बावजूद इसके यात्रा शुरू होने के पिछले 40 दिनों में पांच हेलीकॉप्टर क्रैश हो गए हैं, अनेक तीर्थ यात्रियों की जान गई है।

इस उच्च हिमालयी क्षेत्र की संकरी घाटियों और ऊंचे-ऊंजे पर्वतों के बीच से गुजर रहे हेलीकॉप्टर्स पहले भी दुर्घटनाग्रस्त हुए हैं। अंधाधुंध उड़ानें और उनकी तेज आवाज हिमालय की पारिस्थितिकी पर विपरीत प्रभाव डाल रही हैं। हेलीकॉप्टरों की उड़ान के लिए मंदाकिनी नदी के तट से 600 मीटर की ऊंचाई तक का मानक है। यात्रियों की सुरक्षा के विषय पर भी विशेष सावधानी बरतने के लिए दिशा-निर्देश दिए गए हैं, लेकिन हेलीकॉप्टरों की गडगड़ाहट से उच्च हिमालयी क्षेत्रों की जैव-विविधता को भारी नुकसान पहुंच रहा है।

भारतीय वन्य जीव संस्थान द्वारा भी इस हिमालय क्षेत्र में उड़ानों के संबंध में सुझाव दिए गए हैं, जिन्हें केदारनाथ की हेली सेवाओं की गाइडलाइंस में शामिल किया गया है। यहां एक बार में दो हेलीकॉप्टर ही आना-जाना कर सकते हैं। सायं के समय की उड़ान पर प्रतिबंध लगाया गया है। इसके बावजूद यहां पर स्थित दुर्लभ वन्य जीव हिम तेंदुए, कस्तूरी मृग, भरड़, भालू, मोनाल समेत अनेक वन्य जीवों व पक्षियों के झुंड के बीच नीची उड़ान के कारण भगदड़ मच जाती है, जिस कारण असुरक्षित दिशा में भागने से इन बेजुबान जानवरों की चट्टानों से गिर कर मौत हो जाती है। वन विभाग भी इस बाबत चेतावनी देता रहता है, लेकिन जीव-जंतुओं का जान गंवाना जारी है।

चिंताजनक है कि हजारों हैक्टेयर में फैले केदारनाथ अभयारण्य, गंगोत्री वन्य जीव पार्क के जीव-जंतु सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि हेलीकॉप्टरों की नीची उड़ान के कारण वन्यजीवों के सहवास पर भी विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। इस कारण उनकी संख्या भी घट सकती है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि नीची उड़ान के कारण ग्लेशियरों के पिघलने की दर भी बढ़ सकती है जबकि पर्यटकों और सैलानियों के सैर-सपाटे लिए ओम पर्वत जैसे ग्लेशियरों के ऊपर भी उड़ानें भरी जा रही हैं। अनियंत्रित पर्यटकों की आवाजाही इसका सबसे बड़ा कारण है क्योंकि बहुत समय से अनुभव किया जा रहा है कि चारधाम के यात्रियों को नियंत्रित करने के लिए जब-जब राज्य सरकार और पर्यावरणविद् पहल करते हैं, तो स्थानीय स्तर पर पर्यटन से आय प्राप्त करने वाले संस्थान विरोध पर उतारू हो जाते हैं।

मध्य हिमालय में पहुंच रहे पर्यटक कम पैसे, कम समय में आरामदायक दर्शन करने के लिए हेली सेवाओं का इस्तेमाल करते हैं, ऐसे में में सावधानी के लिए बनाई गई गाइडलाइंस का इस्तेमाल नहीं होता है तो उत्तराखंड में हेलीकॉप्टर की क्रैश होने की घटनाओं को रोका नहीं जा सकेगा। लापरवाही और मानकों की अनदेखी से दुर्घटनाएं हो रही हैं। अंधाधुंध हेली सेवाओं के ऊपर विशेष जांच और मॉनिटरिंग की आवश्यकता है जिसमें तकनीक आदि को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए। मौसम विभाग की अधिकतर सूचनाएं सही साबित हो रही हैं। इसको भी ध्यान में रख कर उड़ानों पर नियंत्रण हो।

चारधाम में मई और जून के महीने में हेलीकॉप्टर दुर्घटनाओं ने बहुत चिंताजनक स्थिति खड़ी की है जिसमें सबसे पहले 8 मई को उत्तरकाशी के गंगनानी में हेलीकॉप्टर क्रैश में 6 लोग मारे गए थे जिसके चार दिन बाद बद्रीनाथ से लौट रहा एक अन्य हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया। 17 मई को एम्स की हेली एंबुलेंस किसी यात्री को लिफ्ट करने केदारनाथ जा रही थी, लेकिन क्रैश हो गई। 8 जून को केदारनाथ जाने वाला एक और हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया। 15 जून को केदारनाथ से गुप्तकाशी जा रहा है एक हेलीकॉप्टर गौरीकुंड के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया था जिसमें सात लोगों की जान चली गई।

दूसरी ओर देखा जाए तो केंद्र सरकार ने चारधाम के लिए चौड़ी सड़कों का निर्माण लगभग पूरा कर दिया है, और इसमें दो बड़ी गाडि ?ों के लिए आने- जाने की सुविधा है। जितने अधिक से अधिक लोग बस, टैक्सी और जमीन पर चलने वाले वाहनों से यात्रा करेंगे उससे स्थानीय होटल और ढाबों को भी रोजगार मिलेगा। पर्यटकों, यात्रियों, सैलानियों को भी यहां की प्रकृति का नजारा देखने को मिलेगा। बाहर से आने वाले लोगों की मुलाकात स्थानीय लोगों से होगी, वे यहां की संस्कृति और प्रकृति के साथ अनुकूल व्यवहार भी करेंगे। उत्तराखंड हिमालय की संवेदनशील स्थिति और यहां के पर्यावरण से प्लास्टिक उन्मूलन को ध्यान में रखते हुए बाहर से आने वाले लोगों की जिंदगी को बचाने के साथ ही हिमालय के इकोसिस्टम को भी बचा कर रखना होगा।

साइबर क्राइम के तौर-तरीकों में भी बदलाव

समय के साथ साइबर क्राइम करने वालों ने अपने तौर-तरीकों में भी बदलाव किया है। कहा तो यहां तक जाने लगा है कि इससे कोई नहीं बच सकता। चाहे किसी ने चूक की हो या नहीं। इसकी पहुंच का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि इन लोगों ने साइबर क्राइम पुलिस तक को नहीं छोड़ा है। इन लोगों का दुस्साहस देखें कि जूनागढ़ साइबर क्राइम पुलिस की ईमेल आईडी हैक कर बैंक में फ्रीज रकम को अनफ्रीज करने तक की कोशिश की गई। हालांकि इस धोखाधड़ी की योजना तब फेल हो गई जब ईमेल में विषय (सब्जेक्ट) वाला स्थान खाली मिला जिससे बैंक को शक हुआ और उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचित किया। गनीमत रही कि एक छोटी सी चूक के कारण अपराधी पकड़ में आ गया लेकिन ऐसे कई मामले हैं, जिनमें साइबर क्राइम करने वाले सफल रहे हैं। ताजा मामला देश की राजधानी दिल्ली से सटे नोएडा का है। यहां फर्जी ईमेल आईडी के जरिए एक अस्पताल के कर्मचारी ने दिल्ली नगर निगम से कैशलेस इलाज के 74.90 लाख रु पये अस्पताल के अकाउंट में डलवाने की बजाय अपने अकाउंट में डलवा लिए। मामला साइबर क्राइम पुलिस के पास है, और वह इसकी जांच कर रही है।

ये दो मामले तो बानगी हैं, लेकिन अगर करोड़ों अकाउंट्स के पासवर्ड चोरी कर लिया जाए तो फिर क्या स्थिति होगी, इसका अंदाजा लगाने भर से सिहरन पैदा होने लगेगी कि कहीं हमारे अकाउंट्स का पासवर्ड भी चोरी न हो गया हो। जी हां, इस तरह का एक बड़े डेटा लीक का नया मामला सामने आया है। इसमें लगभग 1600 करोड़ पासवर्ड के लीक होने की बात है, और इसने इसे इतिहास के सबसे बड़े डेटा लीक में से एक बना दिया है।

साइबर न्यूज और फोर्ब्स की रिपोर्ट के मुताबिक, इस लीक की वजह से लाखों यूजर्स का पर्सनल डेटा अब रिस्क पर है। इन पासवड्र्स की मदद से साइबर अपराधी यूजर्स की निजी जानकारी, फोटो, वीडियो और दूसरी जानकारी चुरा सकते हैं यानी फिशिंग स्कैम, डेटा चोरी और अकाउंट्स हैकिंग का खतरा हो सकता है। इस डेटा की मदद से साइबर अपराध के जोखिम कई गुना बढ़ सकते हैं।

रिसर्चर्स ने इस डेटाबेस को खंगाला है, और इसके 30 डेटासेट की जांच की है। उन्हें करीब 350 करोड़ रिकार्ड मिले हैं, जिनमें कॉरपोरेट और डवलपर प्लेटफार्म, वीपीएन लॉगिंग और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के यूजर्स के क्रेडेंशियल शामिल हैं। यह डेटा 2025 की शुरूआत से लेकर आज तक का है।

रिसर्चर्स का दावा है कि ऑनलाइन लीक हुआ यह डेटा साधारण नहीं है। सिक्योरिटी रिसर्चर्स का भी कहना है कि यह इंटरनेट पर पड़ा पुराना डेटा नहीं है। ज्यादातर डेटा नया है जिन्हें..मैलवेयर के जरिए इकठ्ठा किया गया है। यह मैलवेयर प्रोग्राम लोगों का डेटा चुपके से चुराता है।

० कुमार समीर

अम्बिकावाणी-वर्गपहेली 1371

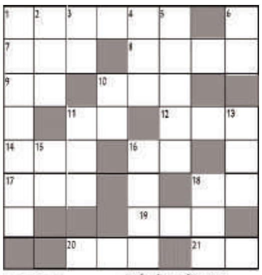

संकेत: बाएं से दाएं

1. 1919 को इस देश ने ब्रिटेन से आजाद घोषित किया (6)
[illegible]

ऊपर से नीचे

[illegible]

वर्ग पहेली 1370 का हल

एकदा

अमीर और अमीर

साहसिक स्वीकारोक्ति, सच्चाई का सामना या सरकार को आईना दिखाना कहें, या कुछ और लेकर सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने जो कहा उसे सरकार के रुख के विपरीत तो कहा ही जा सकता है। उन्होंने जो कहा उसका साफ-साफ अभिप्रायः यही है कि देश में गरीबों की संख्या बढ़ रही है, अमीर और अमीर होते जा रहे हैं। यह बयान ऐसे समय आया है जब संयुक्त राष्ट्र के हवाले से कुछ समय पहले कहा गया था कि देश में 33 करोड़ लोग गरीबी की रेखा से ऊपर उठ चुके हैं। संघ और अपने गढ़ नागपुर में एक कार्यक्रम में गडकरी ने कहा कि धन का विकेंद्रीकरण जरूरी है। उन्होंने कृषि, विनिर्माण, कराधान और बुनियादी ढांचे के विकास में सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) सहित कई मुद्दों पर बात की। उनका इशारा अमीरों के धन पर शिंकजा ढीला करने की तरफ था। उनके अनुसार अर्थव्यवस्था को इस तरह से विकसित होना चाहिए कि रोजगार पैदा हों और ग्रामीण क्षेत्रों का उत्थान हो। उदार आर्थिक नीतियां अपनाने के लिए उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्रियों पीवी नरसिंह राव और मनमोहनसिंह की प्रशंसा की। उनके अनुसार ऐसे आर्थिक विकल्प पर विचार चल रहा है, जो रोजगार पैदा करेगा और अर्थव्यवस्था की वृद्धि को बढ़ावा देगा। केंद्रीय मंत्री सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में क्षेत्रीय योगदान में असंतुलन से चिंतित दिखाई दिए। विनिर्माण क्षेत्र 22-24 फीसद, सेवा क्षेत्र 52-54 फीसद योगदान देता है,

राशिफल

ग्रह स्थिति- सूर्य-वृषभ, चंद्र-मीन, मंगल-वृषभ, बुध-मेष, गुरु-कन्या, शुक्र-मीन

चौघड़िया

09:03 से 10:43 तक-चंचल
10:43 से 12:23 तक- लाभ
12:23 से 14.04 तक- अमृत
20:24 से 21.44 तक- लाभ

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। सोने झ चाँदी का बिजनेस करने वालों को बड़ा धन लाभ होगा। दाम्पत्य जीवन में चल रही अनबन में आज सुधार होगा , रिश्ते में नयापन आएगा। बच्चे आज दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने बाहर जा सकते है।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। आज आप दोस्त के साथ मिलकर किसी बिजनेस की शुरूआत की बात कर सकते है। आज आपको रुके हुए धन की प्राप्ति होगी और व्यावसायिक रिश्ते मजबूत बनेंगे। आज आपको ऋण से मुक्ति मिलेगी ,

मिथुन राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज आप योजनाबद्ध तरीके से कार्य करेंगे, जिसमें आपको सफलता मिलेगी। आज आप परिवार को लेकर कुछ साहसिक कदम उठाएंगे। अविवाहित व्यक्तियों को आज विवाह प्रस्ताव मिलने के संकेत मिल रहे है।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए मिला झ जुला रहेगा। आज आपको रोजगार में नए अवसर प्राप्त होंगे जिनका लाभ उठाकर आप आगे बढ़ने का प्रयास करेंगे। दाम्पत्य जीवन खुशहाल बना रहेगा,

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए उपयोगी रहने वाला है। आज आप अपनी मेहनत और जुनून से अपने सपनों को पूरा करेंगे। प्रॉपर्टी में इन्वेस्ट करने वालों के लिए आज अच्छा दिन है। आज आप समाज कल्याण की भावना से ओत झ प्रोत होकर, समाज के लिए कुछ अच्छा करने का प्रयास करेंगे।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहेगा। व्यापारिक दृष्टि से आज आपको बड़ा धन लाभ होगा। आज आप दिनचर्या से जुड़े सारे काम निपटाकर थोड़ा समय अपने लिए भी निकालेंगे।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। आज आपको बिजनेस में अचानक बड़ा धन लाभ होगा, भौतिक झ सुख सुविधा में बढ़ोतरी होगी। आज आप जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बिताएंगे आप लोग बाहर डिनर करने भी जा सकते है।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आप अपने बिजनेस को दूसरी जगह शिफ्ट कर सकते है। वकीलों के लिए आज खुशी का दिन है, उनको किसी मुकदमे में जीत हासिल होगी। आज आप पारिवारिक माहौल को अच्छा करने का प्रयास करेंगे।

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहेगा। आज आपको किसी बड़े सेलेब्रिटी से मुलाकात करने का बेहतरीन अवसर प्राप्त होगा। आज आपकी जीवनसाथी के साथ चल रही अनबन में सुधार होगा, पारिवारिक माहौल खुशनुमा बनेगा।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहेगा। आज आप जीवनसाथी के साथ मिलकर बिजनेस को बड़ा बनाने का प्रयास करेंगे। आज आपको सगे-सम्बन्धियों के माध्यम से शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। आपको माता का स्नेह मिलेगा जिससे आपका स्ट्रेस दूर होगा।

कुम्भ राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आप अपने सपनों को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे। आज ऑफिस में आपको बड़े प्रोजेक्ट को लीड करने का सुनहरा अवसर मिलेगा। इस राशि की महिलाओं की रुचि आज रचनात्मक कार्यों में ज्यादा रहेगी,

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। आज आपको कपड़े के बिजनेस में बढि ?ा धन लाभ होगा। आज ऑफिस में बॉस आपके काम की तारीफ करेंगे, आपको बड़ा पद भी ऑफर कर सकते है।

सोयाबीन उत्पादन की दृष्टि से मध्य प्रदेश का भारत में प्रथम स्थान है। देश में सोयाबीन की लगभग 55 प्रतिशत पैदावार मध्य प्रदेश में होती है। वर्ष 2012 में मध्य प्रदेश में सोयाबीन का उत्पादन क्षेत्रफल 5,69,000 हेक्टेयर तथा पैदावार 62,80,600 टन थी। पिछले कुछ वर्षों से प्रदेश में सोयाबीन के उत्पादन एवं उत्पादकता में गिरावट दर्ज की गयी है।

रेज्ड बेड प्लान्टर से सोयाबीन बोने के फायदे

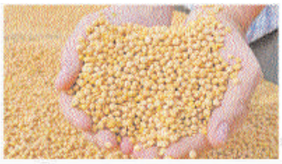

सोयाबीन उत्पादन में गिरावट का मुख्य कारण सोयाबीन की बुवाई के बाद वर्षा की अनियमितता है। क्योंकि सोयाबीन एवं खरीफ की अन्य दलहनी फसलों का अंकुरण एवं पौधों की वृद्धि अधिक वर्षा से प्रभावित होती है। कुछ दिन फसल वृद्धि के दौरान वर्षा न होने से फसल को नुकसान होता है। बुवाई के तुरंत बाद अधिक वर्षा होने से भी यह नुकसान कुछ प्रतिशत से लेकर कभी–कभी बिल्कुल अंकुरण न होने तक भी हो सकता है। अतः बुवाई के बाद बीज को अधिक या कम वर्षा की स्थिति में बचाना अतिआवश्यक है। बुवाई के बाद बीज को बचाने के लिए कृषि वैज्ञानिकों द्वारा रिज़ फरो पद्धति विकसित की गयी है। इस पद्धति द्वारा बुवाई करने से अधिक वर्षा की स्थिति में जल नालियों द्वारा बाहर निकल जाता है तथा सूखा दौर में नालियों में एकत्रित जल फसलों की जड़ों में मिलाने से नुकसान कम होता है।

सोयाबीन उत्पादन की दृष्टि से मध्य प्रदेश का भारत में प्रथम स्थान है। देश में सोयाबीन की लगभग 55 प्रतिशत पैदावार मध्य प्रदेश में होती है। वर्ष 2012 में मध्य प्रदेश में सोयाबीन का उत्पादन क्षेत्रफल 5,69,000 हेक्टेयर तथा पैदावार 62,80,600 टन थी। पिछले कुछ वर्षों से प्रदेश में सोयाबीन के उत्पादन एवं उत्पादकता में गिरावट दर्ज की गयी है। सोयाबीन उत्पादन में गिरावट का मुख्य कारण सोयाबीन की बुवाई के बाद वर्षा की अनियमितता है। क्योंकि सोयाबीन एवं खरीफ की अन्य दलहनी फसलों का अंकुरण एवं पौधों की वृद्धि अधिक वर्षा से प्रभावित होती है। कुछ दिन फसल वृद्धि के दौरान वर्षा न होने से फसल को नुकसान होता है। बुवाई के तुरंत बाद अधिक वर्षा होने से भी यह नुकसान कुछ प्रतिशत से लेकर कभी–कभी बिल्कुल अंकुरण न होने तक भी हो सकता है। अतः बुवाई के बाद बीज को अधिक या कम वर्षा की स्थिति में बचाना अतिआवश्यक है। बुवाई के बाद बीज को बचाने के लिए कृषि वैज्ञानिकों द्वारा रिज़ फरो पद्धति विकसित की गयी है। इस पद्धति द्वारा बुवाई करने से अधिक वर्षा की स्थिति में जल नालियों द्वारा बाहर निकल जाता है तथा सूखा दौर में नालियों में एकत्रित जल फसलों की जड़ों में मिलाने से नुकसान कम होता है।

रेज्ड बेड निर्माण की मशीनें

रेज्ड बेड के निर्माण एवं बीज बोने के लिए बाजार में विभिन्न प्रकार की मशीनें उपलब्ध हैं। ट्रेक्टर चालित रेज्ड बेड प्लान्टर, रोटावेटर कम रेज्ड बेड प्लान्टर एवं रेज्ड बेड सीड ड्रिल के द्वारा रेज्ड बेड बनाने के साथ–साथ आसानी से बुवाई भी हो जाती है। कर्मशालाओं में परम्परागत रूप से उपयोग की जाने वाली सीड ड्रिल में रिज़ फरो अटैचमेंट आसानी से लगवाया जा सकता है। सोयाबीन एवं अन्य दलहनी फसलों के लिए स्थानीय बाजारों में विभिन्न प्रकार के रेज्ड बेड प्लान्टर आसानी से उपलब्ध है। रेज्ड बेड प्लान्टर में मुख्यतः बीज बॉक्स, खाद बॉक्स, फरो ओपनर, बेड शेपर और शक्ति प्रदाता पहिया लगा होता है।

विवरण – चौड़े रेज्ड बेड और स्थाई चौड़े रेज्ड बेड बनाने के लिए उपयोग में लायी जाने वाली मशीन में दो फरो ओपनर का प्रयोग होता है। संकरे रेज्ड बेड बनाने वाली मशीन में तीन फरो ओपनर लगे होते हैं। अच्छा बेड बनाने के लिए मिट्टी को अच्छी तरह से तैयार करें। मिट्टी में नमी की मात्रा 11 से 13 प्रतिशत के बीच में होनी चाहिए। रेज्ड बेड प्लान्टर की कार्य क्षमता 0.37 हेक्टेयर/घंटा एवं कार्य दक्षता 73 प्रतिशत होती है। इसके द्वारा प्रति हेक्टेयर बुवाई की लागत लगभग रुपये 1900/– एवं प्रति घंटा लागत लगभग रुपये 710/– आती है।

रेज्ड बेड के प्रकार

बेड मुख्यतः दो प्रकार के होते हैं, चौड़े रेज्ड बेड एवं सकरे रेज्ड बेड चौड़े रेज्ड बेड का निर्माण सामान्यतः काली मिट्टी में किया जाता है। चौड़े रेज्ड बेड की निचली सतह 1.5 से 2 मी. तथा ऊपरी सतह 1 से 1.5 मी. होती है। इनकी उचाई 15 से 20 से.मी. होती है। चौड़े रेज्ड बेड पर एक साथ 4 से 5 कतारों की बुवाई की जा सकती है। चौड़े रेज्ड बेड स्थाई प्रकार के भी बनाये जाते है। स्थाई चौड़े रेज्ड बेड में मेड़ एवं नाली फसल की कटाई तक बनी रहती है। इसका उपयोग कई वर्षों तक जीरो टिल पद्धति के साथ किया जा सकता है। सकरे रेज्ड बेड का निर्माण सामान्यतः रेतीली या लाल मिट्टी में किया जाता है। सकरे रेज्ड बेड की निचली सतह लगभग 0.9 मी. तथा ऊपरी सतह लगभा 0.1 मी. होती है। इनकी ऊचाई 15 से 20 से.मी. होती है।

रेज्ड बेड पद्धति के लाभ

रेज्ड बेड पद्धति उपयोग करने के ये लाभ हैं–

- बुवाई के तत्काल बाद अधिक वर्षा से अंकुरण अधिक प्रभावित नहीं होता है।
- इस पद्धति में बीज का प्रयोग 10 से 15 प्रतिशत कम होता है।
- खरपतवारों का नियंत्रण हस्तचालित हैण्ड व्हील-हो, स्वचालित यांत्रिक वीडर या ट्रैक्टर चालित निंदाई यन्त्र द्वारा किया जा सकता है।
- रेज्ड बेड पद्धति में उपजी फसल में खरपतवारों की निराई यांत्रिक विधि से कर सकते हैं।
- रेज्ड बेड पद्धति से बुवाई करने पर फसल उत्पादन में 15 से 20 प्रतिशत तक की वृद्धि होती है।
- इस पद्धति में कम वर्षा की स्थिति में जल संरक्षण नालियों द्वारा होता है।
- रेज्ड बेड प्लान्टर से सोयाबीन के अलावा गेहूं, मटर, चना, मूंगफली, मक्का एवं अन्य फसलों की बुवाई भी की जा सकती है।

रेज्ड बेड पद्धति के लाभ

रेज्ड बेड पद्धति उपयोग करने के ये लाभ हैं–

- बुवाई के तत्काल बाद अधिक वर्षा से अंकुरण अधिक प्रभावित नहीं होता है।
- इस पद्धति में बीज का प्रयोग 10 से 15 प्रतिशत कम होता है।
- खरपतवारों का नियंत्रण हस्तचालित हैण्ड व्हील–हो, स्वचालित यांत्रिक वीडर या ट्रैक्टर चालित निंदाई यन्त्र द्वारा किया जा सकता है।
- रेज्ड बेड पद्धति में उपजी फसल में खरपतवारों की निराई यांत्रिक विधि से कर सकते हैं।
- रेज्ड बेड पद्धति से बुवाई करने पर फसल उत्पादन में 15 से 20 प्रतिशत तक की वृद्धि होती है।
- इस पद्धति में कम वर्षा की स्थिति में जल संरक्षण नालियों द्वारा होता है।
- रेज्ड बेड प्लान्टर से सोयाबीन के अलावा गेहूं, मटर, चना, मूंगफली, मक्का एवं अन्य फसलों की बुवाई भी की जा सकती है।

कहते हैं कि पानी सरीखा दोस्त नहीं तो दुश्मन भी नहीं। जहां मरणासन्न व्यक्ति में पानी प्राण ला देता है और जन जीवन का यह आधार है वहीं पानी की अधिकता कभी-कभी उसकी तबाही का कारण भी बन जाती है। पानी के संबंध में यही बात फसलों के साथ भी लागू होती है।

जल निकासी जरूरी

फसल उत्पादन का मूल आधार पानी ही है परंतु आवश्यकता से इसकी अधिकता फसलों के लिए न केवल हानिकारक होती है बल्कि भूमि की संरचना को बिगाड़ कर उसे फसल उपयुक्त ही नहीं रहने देती है। जल निकास वह विधि है जिसमें पौधों की उचित वृद्धि के लिए कृत्रिम ढंग से खेतों के अतिरिक्त पानी को भूमि की सतह अथवा अधोसतह से बाहर निकाला जाता है।

पानी की इस अधिकता से फसलों को कैसे बचाया जाये यही उपाय यहां दिये गये हैं–

जल से हानियां

जल निकास के उचित प्रबंध के अभाव में खरीफ मौसम में मिट्टी के अंदर अत्यधिक नमी हो जाती है इस आवश्यकता से अधिक नमी के कारण वर्षाकालीन फसलों एवं मिट्टी को अनेकों हानियां होती है।

- भूमि में वायु संचार रुक जाता है।
- मिट्टी ताप गिर जाता है
- मिट्टी जीवाणुओं के कार्य में बाधा पड़ती है।
- पौधे की जड़ें उथली रह जाती हैं एवं सड़ जाती हैं।
- भूमि कि भौतिक दशा में परिवर्तन हो जाता है।
- पौधे के खाद्य पदार्थों में कमी आ जाती है।
- लवणों का मिट्टी की ऊपरी सतह पर जमाव हो जाता है।
- जुताई बुवाई आदि कृषि क्रियाएं बाधित हो जाती हैं।
- बीजों का देर से जमाव एवं फसल की बढ़वार रुक जाती है।
- रोग, कीट एवं खरपतवार का भयंकर आक्रमण होता है।

जल निकास

हल्की मिट्टी की अपेक्षा भारी, चिकनी, चिकनी दोमट भूमियों में जल निकास की अत्यधिक आवश्यकता होती है क्योंकि इनमें पानी का स्त्राव अच्छा नहीं होता है जिससे सतह पर पानी भरा रहता है। अतः जल निकास के लिए जल निकास नालियों का निर्माण करना पड़ता है। यह जल निकास नालियां अपनी आवश्यकतानुसार भूमि की ऊपरी सतह पर खुली नाली अथवा भूमि के अंदर अधो सतह पर नाली बनाई जाती है। प्रायः जल निकास की दो विधियां अपनाई जाती हैं।

पृष्ठीय जल निकास

भारतीय कृषकों के लिए यह विधि अति सरल है। इसमें भूमि की किस्म, भूमि की ढाल, पानी की अधिकता आदि बातों को ध्यान में रखते हुए अपनी आवश्यकता अनुसार दूरी पर खेत की सतह पर खुली हुई नाली खोद देते हैं जिनमें होकर बरसात का पानी खेत से बाहर निकल जाता है। यह नाली खेत की सतह पर प्राकृतिक ढाल को देखते हुए खेत की सतह पर 30 सेमी नीची बनाते हैं जिनकी मेड़ 75 सेमी ऊंची रखते हैं। समय-समय पर इन नालियों की सफाई भी करते रहते हैं ताकि जल निकास में बाधा न पड़े।

अधो पृष्ठीय जल निकास

जिन स्थानों पर जल स्तर ऊंचा उठ जाने के कारण भूमि के मूल क्षेत्र में पानी भरा रहता है वहां भूमिगत जल निकास नालियां बनानी पड़ती हैं। यह जल निकास नालियां मुख्य रूप से बनाने के (ढकने के) आधार पर लकड़ी, पत्थर, टाइल तीन प्रकार की होती है। मिट्टी की अधो सतह में 25-30 मीटर के आपसी अंतराल पर खेत के प्राकृतिक ढाल को देखते हुए समतल से 1 मीटर की गहराई में 30 सेमी चौड़ी नाली बना देते हैं जिसे लकड़ी, पत्थर या टाइल से ढककर मिट्टी से दबा देते हैं। इन नालियों में पानी के बहाव के लिए 30 मीटर दूरी पर 5 सेमी का ढाल देते हुए बनाते हैं। इस प्रकार खेत की अधो सतह में सहायक नालियां बना देते हैं। जिन्हें सीधे उपमुख्य नालियों से तथा उपमुख्य नालियों को मुख्य नाली से जोड़ देते हैं। जोड़ते समय ध्यान रखें कि नाली को कभी भी 90 अंश के कोण पर न जोड़ें। जल निकास में फालतू पानी प्रस्तावित होकर खेत से बाहर निकल जाता है। परिणामस्वरूप फसल पर नमी की अधिकता का कोई कुप्रभाव नहीं पड़ता और किसान को अपनी फसल का भरपूर लाभ प्राप्त हो जाता है।

मुख्यमंत्री से केंद्रीय जनजातीय कार्य राज्य मंत्री दुर्गा दास उइके ने की सौजन्य मुलाकात

रायपुर । भारत सरकार के केंद्रीय जनजातीय कार्य राज्य मंत्री श्री दुर्गा दास उइके ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री श्री साय ने श्री उइके का पारंपरिक कोसा वस्त्र और बेल मेटल से निर्मित स्मृति चिह्न भेंट कर आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर दोनों नेताओं के बीच छत्तीसगढ़ के जनजातीय क्षेत्रों के समग्र विकास, जनजातीय युवाओं के सशक्तिकरण, शिक्षा, स्वास्थ्य, एवं आधारभूत संरचना से जुड़े विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेश सरकार द्वारा जनजातीय अंचलों में चलाए जा रहे विकासात्मक कार्यों एवं योजनाओं की जानकारी दी तथा इन क्षेत्रों में भारत सरकार के सहयोग को महत्वपूर्ण बताया। केंद्रीय राज्य मंत्री श्री उइके ने भी जनजातीय कल्याण हेतु केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई और राज्य के प्रयासों की सराहना की।

अमरकंटक की पहाड़ियों में छिपी है मोक्ष और मुक्ति की शक्ति

कोरिया छत्तीसगढ। भारत भूमि धर्म और आध्यात्म की ऐसी भूमि है जिस पर राम और कृष्ण ने भी जन्म लिया है. ब्रह्मांड, निहारिका, आकाशगंगा और हमारे सौरमंडल की यात्रा की कड़ी में पृथ्वी की स्थिति एक रेत के कण से भी छोटी है और इसी पृथ्वी पर रहने वाला मानव अपने वैज्ञानिक अनुसंधान से नित नए संसाधन जुटाता रहता है जिसे हम आज के बाजारवाद की दुनिया मे मानव जीवन के लिए आवश्यक सुख सुविधा कहते हैं. सत्यता यह है कि प्रकृति ने मानव सहित समस्त जीव जंतुओं के जीवन को बचाए रखने के लिए पर्याप्त संसाधन इस पृथ्वी पर जुटा कर रख दिए हैं. लेकिन हम उस प्रकृति को आगामी पीढ़ी के लिए बचाए रखने की दिशा मे कमजोर दिखाई देते हैं. गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरित मानस में कहा है - **₹क्षिति जल पावक गगन समीरा,** पंच रचित अति अधम शरीरा अर्थात पृथ्वी, जल, अग्नि ,आकाश और वायु से बना यह शरीर अत्यंत साधारण शरीर है. जो नश्वर है और इसी मिट्टी में जन्म लेकर इसी मिट्टी में समाप्त हो जाएगा. आध्यात्मिक पक्ष के अनुसार इस अधम शरीर की आत्मा कभी समाप्त नहीं होती. यह एक देह से निकलकर दूसरी देह में प्रवेश कर जाती है. भागवत गीता में भगवान कृष्ण ने इसे विस्तार दिया है. यही कारण है कि ऋषि मुनि, संत महात्मा जीवन मृत्यु के आवागमन के मुक्ति का मार्ग ढूंढते हैं जिसे मोक्ष कहा जाता है. आत्मा परम ब्रह्म का अंश है और वापस परमब्रम्ह में विलीन हो जाना मोक्ष,मुक्ति का मार्ग है. पर्यटन के क्रम में अध्यात्म और मोक्ष की कई कड़ियों को जोड़ने एवं इसके पक्षों को जानने अमरकंटक की पहाड़ियों में चलते हैं जहां नर्मदा, सोन और जोहिला जैसी नदियों का उद्गम स्थान है. छत्तीसगढ़ के नए गौरेला -पेंड्रा- मरवाही जिले की सीमाएं मध्य प्रदेश के अमरकंटक से जुड़ती हैं. जो समुद्र तल से लगभग ३४०० फुट की ऊंचाई पर स्थित है. यह अमरकंटक जिसमें जैव विविधता सहित जड़ी बूटियां की कई प्रजातियां पाई जाती है. इन्हीं प्रजातियों में प्रमुख रूप से गुल बकावली का पौधा पाया जाता है इसके फूलों के अर्क से आंखों की रोशनी बढ़ती है. इसके कई किस्से भी अमरकंटक के साथ जुड़े हुए हैं जिसमें किस्सा गुलबकावली की २५ पेज की किताब साप्ताहिक हाट बाजार में छोटी-छोटी पुस्तक बेचने वालों के द्वारा १९५० से लेकर १९८० के दशक में खूब बेची जाती थी और ग्रामीण ग्राहकों से लेकर शहरी ग्राहकों तक बड़े चाव से लोग इसे पढ़ते थे. यह पुस्तक पूरी तरह अमरकंटक में गुलबकावली के फूल का पाया जाना और राजा- रानी की कहानियों और किवदंतियों सहित इतिहास का बयान करती है. अमरकंटक की पहाड़ियों का ऊपरी हिस्सा चौरस है. जहां धीरे-धीरे अब एक नगर बस गया है कई आध्यात्मिक, धार्मिक , मंदिरों के अलावा यहां विद्यालय एवं आदिवासी संस्कृति से जुड़े बड़े शिक्षा संस्थान खुल चुके हैं, क्योंकि नर्मदा जैसी पवित्र नदी का उद्गम पर्यटकों को भारी संख्या को आकर्षित करता है. कई ग्रंथ एवं पुराणों में नर्मदा का महत्व इस स्थल को महत्वपूर्ण बनाता है. अमरकंटक नगर क्षेत्र और इसकी ऊंची पहाड़ियां मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले का हिस्सा है जबकि इसका ६८त्न हिस्सा लगभग ३८३५ वर्ग किलोमीटर का क्षेत्र छत्तीसगढ़ में आता है अचानकमार अभ्यारण इसी अमरकंटक क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है. भारतवर्ष में मानव एवं जीव जंतुओं के जीवन के लिए आवश्यक नदियों को माता का दर्जा दिया गया है. देश भर की सैकड़ो नदियों में से सप्त नदियों को पवित्र नदियों की मान्यता दी गई है, जो हमारी अध्यात्मिक धरोहर कहलाती है. इसमें शामिल है गंगा, जमुना, सरस्वती, नर्मदा, गोदावरी, सिंध, कावेरी जैसी नदियां शामिल है. इन सब नदियों से भारत का बच्चा-बच्चा परिचित है चाहे वह किसी भी धर्म को मानने वाला हो. इसके अलावा शिप्रा, ताप्ती एवं कृष्णा नदी को भी पवित्र नदियां माना जाता है. सामान्यतः नदियां जमीन के ढलान की ओर बढ़ती हुई अपना-अपना रास्ता स्वयं बना लेती है, जिसमें ज्यादातर नदियां पूर्व की ओर बहती हुई बंगाल की खाड़ी में मिल जाती है लेकिन इसी अमरकंटक पर्वत पर निकलने वाली नर्मदा अकेली ऐसी नदी है जो पश्चिम की ओर बहती है. अपनी यात्रा में लगभग १३१२ किलोमीटर की मध्य प्रदेश और गुजरात से यात्रा करते हुए यह आगे खंभात की खाड़ी में गिरकर अरब सागर में विलीन हो जाती है. इस नदी की एक और विशेषता है कि यह भारतवर्ष को उत्तर दक्षिण की पारंपरिक विभाजक रेखा के रूप में जोड़ती है. इसकी उत्पत्ति के संदर्भ में एक कथन है कि लाखों करोड़ों वर्ष पूर्व अरब सागर का एक हिस्सा पृथ्वी की विशिष्ट दरारों के कारण अमरकंटक तक फैला हुआ था जो समय के अनुसार धीरे-धीरे सिमटता गया और नदी बन गई. मध्य प्रदेश के आदिवासी इलाकों से गुजरने वाली नर्मदा नदी का गोंड़ जाति के बीच बहुत ज्यादा महत्व है, क्योंकि गोंड़ पूर्वजों का कहना है कि नर्मदा गोंड़ पूर्वजों की पुत्री है और उसका जल पीकर उनकी सभ्यता और संस्कृति आगे बढ़ी है. अमरकंटक पहाड़ियों से निकलने वाली नर्मदा के बारे में पवित्र सप्त नदियों में सर्वाधिक पवित्र नदियों में मान्यता प्राप्त नर्मदा का विवरण कई पुराणों में मिलता है. नर्मदा को पृथ्वी पर शिव की दिव्य द्रव्य शक्ति माना गया है. नर्मदा पुराण के अनुसार जब भगवान शिव ऋक्ष (मैकल) पर्वत पर हजारों वर्षों की तपस्या कर रहे थे तब भगवान शिव के पसीने की बूंदों से नर्मदा का जन्म हुआ है. इसलिए नर्मदा को शिवपुत्री भी कहा जाता है. उच्च महात्म के कारण नर्मदा की परिक्रमा का प्रावधान है अन्य नदियों का नहीं इस परिक्रमा में नर्मदा नदी को कहीं भी पार (लांघा) नहीं किया जाता.

वायु पुराण के अनुसार ₹प्रलयेषु न मृता सा नर्मदा₹ अर्थात नर्मदा को शिव जी ने अजर अमर होने का वरदान दिया है, इसलिए नर्मदा पृथ्वी पर प्रलय काल तक जीवित पुण्य नदी बनी रहेगी. ब्रम्हवैवर्त पुराण में कहा गया है कि गंगा, यमुना का महत्व एक समय विशेष के बाद अर्थात हजारों वर्षों में समाप्त हो जाएगा किंतु नर्मदा का जल पृथ्वी के प्रलय काल तक अपने पुण्य और महत्व के साथ यथावत जीवित रहेगा.

न्यूज गैलरी

अत्तवार में हैंडपंप मरम्मत से ग्रामीणों को मिली स्वच्छ जल की सौगात

जनकपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। जिले के भरतपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम अक्तवार में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा हैंडपंप मरम्मत एवं जल स्त्रोतों की शुद्धता हेतु क्लोरीनेशन का कार्य कर ग्रामीणों को स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराया गया है।

पिछले कुछ समय से ग्रामीणों द्वारा हैंडपंप से गंदा पानी निकलने की शिकायत की जा रही थी, जिसे गंभीरता से लेते हुए विभागीय टीम मौके पर पहुंची और तकनीकी रूप से हैंडपंप की मरम्मत की गई। इसके साथ ही जल को कीटाणु रहित करने के लिए क्लोरीन मिश्रण कर पेयजल को शुद्ध किया गया। इस त्वरित कार्रवाई से ग्रामीणों को राहत मिली है और अब उन्हें स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल की सुविधा सहज रूप से उपलब्ध हो रही है। कार्य के दौरान स्थानीय ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी और सहयोग भी उल्लेखनीय रहा, जिससे कार्य सुचारू रूप से संपन्न हो सका। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि जल जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए इस प्रकार की कार्रवाइयां आगे भी गांव-गांव में की जाएंगी, ताकि हर व्यक्ति को शुद्ध जल सुलभ हो सके। ग्रामवासियों ने विभाग के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि यह पहल न केवल उनके स्वास्थ्य की रक्षा करेगी, बल्कि जीवन स्तर में भी सकारात्मक बदलाव लाएगी।

पंच संघ ने की थी मांग, नव पदस्थ महिला सीईओ ने जारी किया आदेश

लंबे समय से कार्यरत मेट हटाकर नए मेट नियुक्त करने पंचायतों को आदेश जारी महिलाओं को भी मिलेगी समान प्राथमिकता, मनरेगा में एक साल के लिए तैयार होगा मेटो का पैनल एक वर्ष का होगा कार्यकाल, आदेश का सही ढंग से पालन होने पर अनियमितताएं कम होने की संभावना

कोरिया। मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) में मेट की भर्ती के लिए, ग्राम पंचायत स्तर पर आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। मेट का मुख्य काम मनरेगा के तहत काम करने वाले मजदूरों की निगरानी करना और कार्यों का प्रबंधन करना है। मेट के चयन में महिलाओं को प्राथमिकता दी जाती है और उनका चयन ग्राम सभा द्वारा किया जाता है।ग्राम सभा द्वारा मेट का चयन किया जाता है, जिसमें महिला आवेदकों को प्राथमिकता दी जाती है।ग्राम पंचायत में मेट का एक पैनल बनाया जाता है, जिसमें कम से कम लगभग ५ और आवश्यकता अनुसार अधिक भी मेटों के नाम होते हैंचयनित मेटों को मनरेगा से संबंधित कार्यों, जैसे मस्टर रोल, मजदूरों के काम की माप, और सामग्री की गुणवत्ता की जांच आदि का प्रशिक्षण दिया जाता है। ***अक्सर आती रहती है शिकायतें** - मनरेगा में, मेटों का मुख्य काम श्रमिकों को काम का आवंटन करना और कार्यों की माप करना है। उन्हें यह भी सुनिश्चित करना होता है कि श्रमिक काम कर रहे हैं और उनकी उपस्थिति सही ढंग से दर्ज की जा रही है। हालांकि, कुछ मेट अनियमितताएं करते हैं, जिनमें मास्टर रूल में फर्जी हाजरी मजदूरों के उपस्थिति में हेरफेर मेटों द्वारा श्रमिकों की ऑनलाइन आफ लाइन उपस्थिति में हेरफेर किया जाता है, जिससे श्रमिकों को काम न करने पर भी मजदूरी मिल जाती है और कई स्थानों पर कार्यस्थल में जितनी हाजरी लगी होती है उतने मजदूर होते नही है, इस तरह की आम शिकायतें अक्सर बनी रहती है जिनके निराकरण नही होते, इन्ही समस्याओं के मद्दे नजर जनपद पंचायत सोनहत ने संज्ञान लिया है। ***नव पदस्थ महिला सीईओ जारी किया आदेश** - जारी आदेश में कहा गया है कि जिले के अलग अलग ग्राम पंचायतों से मेंटों द्वारा लगातार अपने दायित्वो के निर्वहन में लापरवाही एवं मनमानी करने की शिकायतं जिला एवं जनपद स्तर पर प्राप्त हो रही है। जांच की कार्यवाही में संज्ञान में आया है कि कुछ पंचायतों में ०१ वर्ष से अधिक समय से कार्यरत मेटों से अब भी कार्य लिया जा रहे है, जिससे उनके द्वारा मनमानी एवं कायों में अनियमितता करने की शिकायतें पंचायतों से हो रही है। उक्त कृत्य मनरेगा प्रावधानों एवं अधिनियम के विपरीत है। राज्य कार्यालय के निदेर्शानुसार जिले एवं जनपद से पूर्व में भी ५० प्रतिशत महिला मेटों को नियोजित करने के निर्देश दिए गये हैं परन्तु उसका पालन कडाई से शत-प्रतिशत ग्राम पंचायतों में नही किया जाना परिलक्षित हुआ है। वर्तिमान में आपको पुनः निर्देशित किया जाता है कि ऐसी सभी पंचायतें एवं मनरेगा क्रियान्वयन एजेंसियां जिनके यहां कायों में नियोजित मेट ०१ वर्ष की अधिक अवाधि सेकार्यरत हैं उन्हे तत्काल मेट के दायित्वों से मुक्त कर मेट नियुक्ति की नवीन गाईड लाईन का पालन करते हुए महिला मेटों को प्राथमिकता देकर नियुकित प्रक्रिया पूर्ण कराई जावे। राज्य कार्यालय से मेटों की नियुवित हेतु संचिव छ०ग शासन पंचायत एवं ग्रागीण विकास विभाग, मंत्रालय रायपुर छ०ग के द्वारा संदर्भित पत्र के माध्यम से महात्मा गांधी नरेगा योजनांतर्गत निर्माण कार्यों में मेट प्रणाली का पालन करते हुयग मेटों को नियोजित करने के निर्देश दिये गये हैं। छ०ग० शासन पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा मेंटों के चयन, नियुक्ति नियोजन एवं कार्यप्रणाली के संबंध में स्पष्ट निर्देश दिये गये हैं जिसमें प्रमुख रूप से प्रत्येक ग्राम पंचायत में मेट का एक पैनल तैयार किया जायेंगा जो उसी ग्राम पंचायत का निवासी हो तथा प्रत्येक ४० श्रमिकों हेतु एक मेट रखा जायेगा जिसमें महिलाओं को भी समान प्राथमिकता दिया जावेगा।

सावन के पहले सोमवार पर प्रेमाबाग शिवमंदिर में अखंड रामायण पाठ का आयोजन

कोरिया बैकुंठपुर : सावन माह के प्रथम सोमवार के पावन अवसर पर जिले के प्रेमाबाग स्थित प्राचीन शिवमंदिर परिसर में धार्मिक आयोजन की भव्यता देखने को मिलती है। देवरहा बाबा सेवा समिति के तत्वावधान में अखंड रामायण पाठ का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन को सफल बनाने के लिए शिव भक्तों को अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने का अनुरोध किया गया है।

भक्तिभाव से ओत-प्रोत वातावरण में सुबह से ही श्रद्धालु मंदिर पहुंचने लगे हैं। शिवभक्तों ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर विशेष पूजा-अर्चना की। इसके साथ ही समिति द्वारा अखंड रामायण पाठ प्रारंभ किया गया, जो पूरे दिन विधिविधान से चलता रहा। रामचरितमानस की चौपाइयों और भजन की मधुर ध्वनि से मंदिर परिसर भक्तिमय हो गया।

इस आयोजन का उद्देश्य समाज में धार्मिक जागरूकता बढ़ाना और युवाओं को हमारी सनातन परंपराओं से जोड़ना रहा। देवरहा बाबा सेवा समिति के सदस्यों ने बताया कि सावन माह में हर सोमवार को विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

मंदिर समिति और स्थानीय श्रद्धालुओं ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रसाद वितरण, भंडारे और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन हुआ।

समिति के अध्यक्ष ने कहा झ ₹यह आयोजन केवल एक धार्मिक क्रिया नहीं बल्कि समाज को एकजुट करने का माध्यम भी है। हम चाहते हैं कि हर वर्ग के लोग इस आयोजन में भाग लेकर भगवान शिव और मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम की कृपा प्राप्त करें।

इस आयोजन से क्षेत्र में अध्यात्मिक ऊर्जा और समरसता का संचार हुआ है। सावन माह में श्रद्धा और आस्था की ऐसी झलक आने वाले सोमवारों में भी देखने को मिलेगी।

भजन सम्राट ने दिया गुरू के महत्व एवं मानवता का संदेश, बंजी में कबीर भजन सम्राट का भव्य स्वागत

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। ग्राम पंचायत बंजी में जोगनी छत्तीसगढ़ी लोक कला मंच बंजी के बैनर तले एक विशेष सांस्कृतिक एवं भक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कला मंच के अध्यक्ष परमेश्वर सिंह ने की वहीं विशिष्ट अतिथि एमएसआर म्यूजिक बंजी के डायरेक्टर चंद्रशेखर रहे।

आयोजन का मुख्य आकर्षण रहे छत्तीसगढ़ लोक कलाकार विकास संघ के प्रदेश अध्यक्ष एवं प्रख्यात कबीर भजन सम्राट नवलदास मानिकपुरी एवं सुप्रसिद्ध गायिका अनुसूइया मानिकपुरी का जैसे ही ग्राम बंजी में आगमन हुआ जोगनी कला मंच के सदस्यों एवं स्थानीय नागरिकों ने फूल मालाओं से उनका भव्य स्वागत किया। इन दिनों नवलदास मानिकपुरी मनेंद्रगढ़ जिले के विभिन्न ग्रामीण अंचलों में साप्ताहिक प्रवास पर हैं, जहां वे स्थानीय लोक कलाकारों को मंच, मार्गदर्शन एवं मनोबल देने का कार्य कर रहे हैं। उनका यह प्रयास ग्रामीण संस्कृति के संरक्षण हेतु अत्यंत सराहनीय माना जा रहा है। नवलदास मानिकपुरी एवं अनुसूईया मानिकपुरी ने अपनी भावपूर्ण भजन प्रस्तुति से समूचे वातावरण को भक्ति रस से सराबोर कर दिया। उन्होंने कबीर वाणी पर आधारित भजनों से जीवन के मूल्यों, गुरु के महत्व एवं मानवता का संदेश दिया। भजन प्रस्तुति के दौरान उपस्थित श्रोता समाज भावविभोर हो गए तथा भूरि भूरि प्रशंसा की। कार्यक्रम में स्थानीय कलाकारों की भागीदारी भी सराहनीय रही, जिसमें ग्राम पाराडोल से रमेश प्रसाद तथा ग्राम बंजी से रामलाल एवं चंद्रशेखर ने भी अपनी सराहनीय प्रस्तुति पेश की। इस अवसर पर जोगनी लोक कला मंच के सदस्य कन्हैयालाल, नभाग सिंह, मेवालाल, राहुल कुमार, हरिदास, सूर्यकांत, मोहित कुमार तथा श्याम बिहारी दीवान उपस्थित रहे।

पॉवर कंपनी अध्यक्ष डॉ. रोहित यादव ने किया 50 हजार पौधे लगाने का आगाज

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज में 50 हजार छायादार और फलदार वृक्ष लगाने के अभियान की शुरूआत पॉवर कंपनी के अध्यक्ष डॉ. रोहित यादव ने की। उन्होंने पॉवर कंपनीज के डंगनिया मुख्यालय स्थित परिसर में औषधीय वृक्ष लौंग का रोपण किया। डॉ. यादव ने कहा कि हमारी धरती को हरा-भरा रखने की जिम्मेदारी हम सबकी है। हम विद्युत आपूर्ति के जरिए प्रदेश के विकास में सहभागी बन रहे हैं, हमें अपने वातावरण को शुद्ध और स्वच्छ बनाए रखने के लिए एक पौधा जरूर लगाना चाहिए। इस कार्यक्रम में प्रबंध निदेशकगण सर्वश्री एसके कटियार (उत्पादन), राजेश कुमार शुक्ला (पारेषण), भीमसिंह कंवर (वितरण) एवं निदेशक श्री आरए पाठक विशेष रूप से उपस्थित थे। सभी ने कैंपस में पहले पौधरोपण किया। इसके पश्चात वृक्षारोपण महोत्सव को संबोधित करते हुए डॉ. यादव ने कहा कि पॉवर कंपनी पूरे प्रदेश में फैले तीन हजार से अधिक बिजली दफ्तर, विद्युत उपकेंद्र और विद्युत उत्पादन संयंत्रों की रिक्त भूमि में छायादार और फलदार पौधे लगाने का संकल्प लिया है। अगले 15 अगस्त तक इस लक्ष्य को पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने सभी अधिकारी-कर्मचारियों से इस कार्य में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने का आह्वान किया। डॉ. यादव ने यह भी कहा कि हमें हरियाली के साथ ही अपने आसपास स्वच्छता का भी ध्यान रखना चाहिए। इसके लिए हर किसी को विशेष प्रयास करने की आवश्यकता है। श्री यादव ने पौधों में क्यूआर कोड लगाने और उसमें उस पौधे के गुणों का उल्लेख करने का भी सुझाव दिया। इस अवसर पर प्रबंध निदेशक (पारेषण) श्री राजेश कुमार शुक्ला ने बताया कि मानव संसाधन विभाग ने बहुत ही त्वरित गति से वृक्षारोपण महोत्सव की योजना को क्रियान्वित किया है। पूरे प्रदेश में छायादार और फलदार वृक्ष लगाने के अभियान में सबकी भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। इसमें वितरण कंपनी 25 हजार पौधे, पारेषण कंपनी 10 हजार और 15 हजार पौधे उत्पादन कंपनी लगवाएगी।

एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम में डीएवी स्कूल पांडवपारा में बच्चों व अभिभावकों ने लगाए 40 पेड़

कोरिया पांडवपारा। डीएवी पब्लिक स्कूल एसईसीएल पांडवपारा में शनिवार को शिक्षक पालक की बैठक आहुत की गई थी।बैठक के बाद एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों ने मिलकर विद्यालय परिसर में ४० पौधे रोपे। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक अमित सिंह एवं हरीश तिवारी की अगुवाई में हुआ तथा प्राचार्य पी.एल. वर्मा के मार्गदर्शन में इसे सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया।प्राचार्य श्री वर्मा ने उपस्थित सभी छात्रों एवं अभिभावकों को वृक्षारोपण के महत्व के बारे में बताया तथा पर्यावरण संरक्षण हेतु अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की। इस आयोजन में बच्चों ने बड़े उत्साह से भाग लिया और अपनी माताओं के नाम पर पौधे लगाकर उन्हें अनोखा उपहार दिया। विद्यालय परिवार द्वारा इस पहल की सराहना की गई तथा भविष्य में भी इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प लिया गया।

ऑनलाइन चाइल्ड सेफ्टी मॉड्यूल के प्रति कॉलेज में जागरूकता कार्यक्रम

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। बच्चों के अधिकारों एवं उनके संरक्षण से संबंधित विषयों पर पुलिस, हितधारक संस्थाओं एवं आम नागरिकों को जागरूक करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में ऑनलाइन चाइल्ड सेफ्टी मॉड्यूल विकसित कर लांच किया गया है। यह मॉड्यूल छत्तीसगढ़ पुलिस की आधिकारिक वेबसाइट लिंक पर उपलब्ध है, जिसे मोबाइल फोन एवं डेस्कटॉप कंप्यूटर के माध्यम से किसी भी समय सुगमता से एक्सेस किया जा सकता है।

शासकीय विवेकानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय मनेंद्रगढ़ की प्राचार्य डॉ. श्राबनी चक्रवर्ती ने जानकारी देते हुए बताया कि यह मॉड्यूल बच्चों से संबंधित महत्वपूर्ण 9 विषयों को समाहित करता है, जिनमें शामिल हैं बच्चों के विरुद्ध क्रूरता, लिंग आधारित हिंसा, बाल यौन शोषण, किशोर न्याय अधिनियम, सशस्त्र संघर्ष में बच्चों की भागीदारी, बाल विवाह, विधिविरुद्ध बालक, बाल श्रम एवं तस्करी एवं नवीन कानून। डॉ. चक्रवर्ती ने आगे बताया कि प्रत्येक विषय को सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर उपयोगकर्ता को विषयवार पृथक-पृथक प्रमाण-पत्र (सर्टिफिकेट) स्वमेव डाउनलोड होकर प्राप्त हो जाएगा। यह पहल बाल संरक्षण एवं बाल अधिकारों के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा उठाया गया एक सराहनीय एवं दूरदर्शी कदम है। इस जन जागरूकता कार्यक्रम के संयोजक डॉ. नसीमा बेगम अंसारी एवं सह संयोजक सुनील कुमार गुप्ता के द्वारा महाविद्यालय के समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं को इन सभी 9 पाठ्यक्रमों को पूर्ण करने के लिए प्रेरित किया गया तथा आम नागरिकों के बीच भी इस मॉड्यूल के प्रचार-प्रसार हेतु सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

Sports Live

बॉर्डर 2 से सनी देओल की पहली झलक आई सामने, लिखा- मिशन पूरा हुआ

निर्देशक जे पी दत्ता की ब्लॉकबस्टर फिल्म बॉर्डर का सीक्वल बॉर्डर 2 जल्द ही आने वाला है। आज फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रहे सनी देओल ने बॉर्डर 2 से अपना फौजी लुक सोशल मीडिया पर शेयर किया और साथ ही फिल्म को लेकर एक अहम जानकारी भी शेयर की है। इस खुशखबरी को सुनकर सनी के फैंस जरूर खुश हो जाएंगे। सनी देओल ने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म बॉर्डर 2 को लेकर एक खास पोस्ट शेयर कर अपने फैंस को खुश कर दिया है। सनी ने इंस्टाग्राम पर फिल्म से अपना फौजी लुक शेयर किया और साथ ही कैप्शन में लिखा, मिशन पूरा हुआ। फौजी, विदा लेता हूं! प्तबॉर्डर2 के लिए मेरी शूटिंग पूरी हुई। जय हिंद! एक्ट्रेस सिमरत कौर ने लिखा, जय हिंद, एक फैन ने लिखा, बहुत खूब..., एक और फैन ने लिखा, जय श्री राम, एक और फैन ने लिखा, सनी देओल सर हमेशा दिल को छू लेने वाले दिग्गज अभिनेता हैं, एक और फैन ने लिखा, शानदार.., एक और फैन ने लिखा, सर आप एक सच्चे हीरो लगते है

सर जडेजा ने रचा इतिहास, डब्ल्यूटीसी में ऐसा कारनामा करने वाले बने दुनिया के पहले क्रिकेटर

नईदिल्ली,13 जुलाई। लॉर्ड्स टेस्ट की पहली पारी में टीम इंडिया 387 रनों पर ऑलआउट हो गई. लेकिन ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा (72 रन) ने अर्धशतक जड़कर सबको प्रभावित किया. उन्होंने तीसरे दिन टीम इंडिया की बल्लेबाजी में केएल राहुल (100) और ऋषभ पंत (70) के साथ अहम भूमिका निभाई. लेकिन जडेजा ने अपने अर्धशतक से सबको प्रभावित किया. इसके साथ उन्होंने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया.

तीसरे दिन, जब टीम इंडिया ने जल्दी-जल्दी दो विकेट गंवा दिए, तो जड्डू बल्लेबाजी करने उतरे. फिर उन्होंने पंत, नितीश कुमार रेड्डी और वाशिंगटन सुंदर के साथ अच्छी साझेदारियां कीं. हालांकि, अपना अर्धशतक पूरा करने के बाद, शतक की ओर बढ़ रहे जडेजा 72 रन बनाकर क्रिस वोक्स की गेंद पर आउट होकर पवेलियन लौट गए. लेकिन वो एक दुर्लभ रिकॉर्ड अपने नाम कर गए.

जड्डू ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के इतिहास में एक दुर्लभ उपलब्धि हासिल की है. लॉर्ड्स में अर्धशतक बनाने के साथ, जडेजा ने ङ्कञ्जष्ट में 2000 रन पूरे कर लिए हैं. डब्ल्यूटीसी में यह जडेजा का 15वां अर्धशतक है. उन्होंने 130 विकेट लेकर गेंदबाजी में भी अपना दमखम दिखाया. इस तरह से जडेजा ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में 2000 प्लस रन, 15 अर्धशतक और 130 विकेट लेने वाले एकमात्र खिलाड़ी का रिकॉर्ड बनाया. वह इस डब्ल्यूटीसी में ऐसे आंकड़े दर्ज करने वाले एकमात्र खिलाड़ी हैं.

इंग्लैंड के खिलाफ जारी सीरीज में गेंदबाजी में खराब प्रदर्शन करने वाले जड्डू ने बल्लेबाजी में प्रभावशाली प्रदर्शन किया है. हालांकि वह पहले टेस्ट में असफल रहे, लेकिन दूसरे मैच में उन्होंने प्रभावित किया. एजबेस्टन में हुए दूसरे मैच में जड्डू ने दोनों पारियों में 50 प्लस स्कोर बनाकर शानदार प्रदर्शन किया. बाद में, उन्होंने तीसरे मैच की पहली पारी में 72 रन बनाकर प्रभावित किया. इस तरह, अर्धशतकों की हैट्रिक लगाकर वह टीम इंडिया के लिए अहम खिलाड़ी बन गए हैं.

इस बीच, इस सीरीज में जडेजा ने अब तक 5 पारियों में 88 की औसत से 266 रन बना लिए हैं. जिसमें 3 अर्धशतक शामिल हैं. उन्होंने गेंदबाजी में 3 विकेट लिए. कुल मिलाकर, टेस्ट मैचों में उन्होंने 83 मैचों में 3636 रन बनाए. इसमें 25 अर्धशतक और 4 शतक शामिल हैं. उन्होंने गेंदबाजी में 326 विकेट भी लिए. जिसकी वजह से वो आईसीसी की टेस्ट रैंकिंग में काफी दिनों से नंबर -1 ऑलराउंडर के स्थान पर बने हुए हैं.

मैच की बात करे तो पहले बल्लेबाजी करने वाली इंग्लैंड की टीम 387 रनों पर ऑलआउट हो गई. स्टार बल्लेबाज रूट (104 रन) ने शतक बनाया. ब्रेंडन कार्से (56) और जेमी स्मिथ (51) ने अर्धशतकीय पारी खेली. भारत की ओर से स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने पांच विकेट लिया. जबकि नितीश कुमार रेड्डी और मोहम्मद सिराज ने 2-2 विकेट और रवींद्र जडेजा ने 1 विकेट लिया.

हालांकि, इस मैच में पहली पारी में दोनों टीमों का स्कोर बराबर रहा. टेस्ट के 148 साल के इतिहास में यह 9वीं बार है जब पहली पारी में दोनों टीमों का स्कोर बराबर रहा. तीसरे दिन का खेल खत्म होने पर इंग्लैंड ने अपनी दूसरी पारी में बिना कोई विकेट खोए 2 रन बना लिए हैं. क्रॉली (2) और डकेट (0) क्रीज पर हैं.

छोटी खबरें

टेस्ट इतिहास में 9 वीं बार स्कोर हुआ लेवल! लॉर्ड्स में भारत-इंग्लैंड ने हासिल की अनोखी उपलब्धि

नईदिल्ली,13 जुलाई। भारत और इंग्लैंड के बीच लॉर्ड्स में खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन भारत की पहली पारी 387 रनों पर सिमट गई. जिसके साथ उन्होंने मेजबान टीम के पहली पारी 387 के स्कोर की बराबरी करके एक अनोखी उपलब्धि हासिल कर ली. टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में यह 9 वीं बार है जब दोनों टीमों ने पहली पारी में बराबर स्कोर बनाया हो. इसके साथ यह पांचवां सबसे बड़ा स्कोर बन गया है जो बराबरी पर खत्म हुए. लॉर्ड्स में चल रहे टेस्ट में, भारत का 387 रनों का स्कोर बल्लेबाजों के अनुशासित प्रदर्शन की बदौलत आया. राहुल ने 177 गेंदों में शानदार शतक जड़ा और दिलीप वेंगसरकर के बाद लॉर्ड्स में दो शतक लगाने वाले दूसरे भारतीय बल्लेबाज बन गए. जबकि टीम के उपकप्तान ऋषभ पंत ने 74 रनों की पारी खेली और ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा ने 72 रन बनाए. टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में पहली पारी में स्कोर लेवल का पहला उदाहरण 1910 में डरबन में इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेले गए टेस्ट मैच में देखने को मिला था, जब दोनों टीमों ने 199 रन बनाए थे. ऐसे मामलों में सर्वोच्च स्कोर 1994 में एंटीगुआ में इंग्लैंड बनाम वेस्टइंडीज टेस्ट में था, जब दोनों टीमों ने 593 रनों का विशाल स्कोर बनाया था. इस सूची में, मौजूदा टेस्ट में टीम का कुल स्कोर 387 पांचवें स्थान पर है. भारत के साथ ऐसा तीन बार हुआ है जब टेस्ट की पहली पारी में दोनों टीमों का स्कोर लेवल रहा हो. पहली बार ऐसा 1958 में कानपुर में वेस्टइंडीज के खिलाफ हुआ था, जब दोनों टीमों ने अपनी पहली पारी में 222 रन का स्कोर किया था, दूसरी बार 1986 में बर्मिंघम में इंग्लैंड के खिलाफ (390) और तीसरी बार मौजूदा लॉर्ड्स टेस्ट मैच में हुआ है. टेस्ट क्रिकेट के 148 साल के इतिहास में केवल दो मैचों का नतीजा टाई की शक्ल में देखने को मिला, जो एक दुर्लभ उदाहरण है. क्रिकेट में मैच तब बराबरी या टाई पर समाप्त होता है जब दोनों टीमों का स्कोर बराबर हों. ऐसा अनोखा परिणाम 9 दिसंबर, 1960 को ऑस्ट्रेलिया बनाम वेस्टइंडीज और 18 सितंबर, 1986 को भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया के मैच में आया. लॉर्ड्स टेस्ट के तीसरे दिन भारतीय पारी 387 पर समाप्त होने के बाद, इंग्लैंड दिन का खेल समाप्त होने में आठ मिनट शेष रहते बल्लेबाजी के लिए उतरा. इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज जैक क्रॉली और बेन डकेट ने जसप्रीत बुमराह द्वारा फेंके गए एकमात्र ओवर का सामना किया. मेजबान टीम ने दिन का खेल 2/0 के स्कोर पर समाप्त किया. इस दौरान कुछ नाटकीय घटनाक्रम देखने को मिला जब भारतीय कप्तान शुभमन गिल की समय बर्बाद करने को लेकर इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाजों के साथ तीखी बहस हो गई. जिसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल भी हो रहा है.

इंग्लैंड में शुभमन गिल का बड़ा कारनामा, सिर्फ 5 पारियों में ही तोड़ दिया कोहली का विराट रिकॉर्ड

नईदिल्ली,13 जुलाई। रतीय टेस्ट टीम के नए कप्तान शुभमन गिल ने लॉर्ड्स में खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच में बड़ी पारी नहीं खेल सके, लेकिन उन्होंने 16 रनों की अपनी छोटी पारी के अंदर पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली का एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया. अब वो इंग्लैंड में बतौर कप्तान एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं. इससे पहले ये रिकॉर्ड विराट कोहली के नाम था.

खास बात ये है कि गिल ने ये रिकॉर्ड केवल 5 पारियों में ही 120.20 की शानदार औसत से 601 रन बनाकर तोड़ दिया. जबकि पूर्व कप्तान कोहली ने 2018 में भारत के इंग्लैंड दौरे में पांच मैचों में 59.30 की औसत से 593 रन बनाए थे, जिसमें दो शतक और तीन अर्धशतक शामिल थे. पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन इस लिस्ट में अब तीसरे नंबर पर चले गए हैं. उन्होंने 1990 में 85.20 की औसत से 426 रन बनाए थे.

इस बीच 25 वर्षीय युवा कप्तान गिल केवल एक रन से राहुल द्रविड़ के बतौर खिलाड़ी इंग्लैंड में एक सीरीज के दौरान सबसे ज्यादा 602 रन का रिकॉर्ड तोड़ने से चूक गए. इस मैच से पहले उन्हें ये रिकॉर्ड तोड़ने के लिए 17 रनों की जरूरत थी लेकिन वो 16 रन बनाकर ही पवेलियन लौट गए. अब अगली पारी में गिल के पास इस रिकॉर्ड को भी अपने नाम करने का मौका होगा.

शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो मैचों में शानदार खेल का प्रदर्शन किया है. एजबेस्टन में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद, वह 15 स्थान ऊपर चढ़कर अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग छठे स्थान पर पहुंच गए हैं. उन्होंने उस मैच की दोनों पारियों में शतक जड़ा था. पहली पारी में 269 और दूसरी पारी में 161 रन बनाए थे. जिसके साथ उन्होंने विराट कोहली के (243 और 50) को पछाड़कर एक टेस्ट मैच में किसी भारतीय कप्तान द्वारा बनाए गए सर्वोच्च स्कोर का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया.

लॉर्ड्स में खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच की बात करें तो भारत ने तीसरे दिन खबर लिखे जाने तक 3 विकेट पर 159 रन बना लिए हैं. केएल राहुल 54 और ऋषभ पंत 31 रन बनाकर खेल रहे हैं. इंग्लैंड की पहली पारी 387 रनों पर समाप्त हुई थी.

दुनिया डिजिटल से क्वांटम इकोनॉमी की ओर बढ़ रही है : सीईआरटी-इन

नई दिल्ली । इंडियन कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पांस टीम (सीईआरटी-इन) द्वारा शुक्रवार को जारी एक नई रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया डिजिटल से क्वांटम इकोनॉमी बनने की ओर एक बड़े बदलाव के मोड़ पर खड़ी है।

भारत की राष्ट्रीय साइबर एजेंसी द्वारा ग्लोबल साइबरसिक्योरिटी फर्म एसआईएसए के सहयोग से संकलित आंकड़े इस बात पर प्रकाश डालते हैं कि क्वांटम कंप्यूटिंग अब एक भविष्यवादी विचार नहीं, बल्कि साइबर सिक्योरिटी और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर पर गहरे प्रभाव डालने वाली एक तेजी से उभरती वास्तविकता है।

'ट्रांजिशनिंग टू क्वांटम साइबर रेडीनेस' शीर्षक वाली इस रिपोर्ट में बताया गया है कि क्वांटम कंप्यूटर, जो क्वांटम मेकैनिज्म के सिद्धांतों का इस्तेमाल कर काम करते हैं, अब रिसर्च लैब से बाहर निकलकर वास्तविक दुनिया में उपयोग में आ रहे हैं। कई ग्लोबल टेक कंपनियों ने पहले ही शानदार प्रगति कर ली है। दिसंबर 2024 में लॉन्च हुई गूगल की विलो चिप ने 105 क्यूबिट के साथ एरर करेक्शन में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। माइक्रोसॉफ्ट ने फरवरी 2025 में अपना मेजराना-1 प्रोसेसर पेश किया, जिसका लक्ष्य दस लाख क्यूबिट तक विस्तार करना है। आईबीएम का लक्ष्य 2029 तक फॉल्ट-टोलरेंट सिस्टम बनाना है और क्वांटिनम ने रिकॉर्ड तोड़ परिशुद्धता के साथ 56-क्यूबिट ट्रैप्ड-आयन क्वांटम कंप्यूटर बनाया है।

रिपोर्ट के अनुसार, नोकिया भी क्वांटम नेटवर्किंग के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है।

यह रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब संयुक्त राष्ट्र ने 2025 को इंटरनेशनल ईयर ऑफ क्वांटम साइंस एंड टेक्नोलॉजी वर्ष घोषित किया है, जो दशार्ता है कि ग्लोबल कम्युनिटी इस बदलाव को कितनी गंभीरता से ले रहा है।

सेमीकंडक्टर से लेकर सिस्टम सॉफ्टवेयर तक क्वांटम कंप्यूटिंग से जुड़ा इकोसिस्टम तेजी से विकसित हो रहा है।

वित्त वर्ष 2026 में भारत के घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या 10 प्रतिशत तक बढ़ने का अनुमान : रिपोर्ट

नई दिल्ली । आईसीआरए की एक लेटेस्ट रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2026 में भारत के घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या में 7-10 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि का अनुमान है। रिपोर्ट में देश के नागरिक उड्डयन क्षेत्र के लिए एक स्थिर दृष्टिकोण रखा गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय विमानन कंपनियों के लिए अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की संख्या वित्त वर्ष 2026 में 15-20 प्रतिशत बढ? की उम्मीद है; हालांकि, हालिया भू-राजनीतिक चिंताओं को देखते हुए यह निगरानी योग्य बना हुआ है।

जून 2025 के लिए घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या 138.7 लाख अनुमानित है, जो जून 2024 के 132.1 लाख से 5.1 प्रतिशत अधिक है।

-------------------------- व्यापार --------------------------

मार्केट आउटलुक : तिमाही नतीजे, महंगाई और वैश्विक आर्थिक आंकड़ों से तय होगा बाजार का रुझान

नई दिल्ली ,13 जुलाई । भारतीय शेयर बाजार के लिए आने वाला कारोबारी हफ्ता काफी अहम होने वाला है। तिमाही नतीजे, खुदरा महंगाई के आंकड़े, अमेरिका-भारत ट्रेड डील को लेकर नए अपडेट और वैश्विक आर्थिक आंकड़ों से बाजार की चाल प्रभावित होगी। 14-18 जुलाई के कारोबारी सत्र में एचसीएल टेक, नेल्को, टाटा टेक, तेजस नेटवर्क, एडब्लूएल एग्री बिजनेस,एचडीएफसी लाइफ, बैंक ऑफ महाराष्ट्र,आईटीसी होटल्स,एक्सिस बैंक, एचडीएफसी एमएसी, इंडियन होटल्स, पॉलीकैब, विप्रो और जेएसडब्लू स्टील जैसी कंपनियां नतीजे जारी करेंगी।

इसके अलावा 14 जुलाई को जून के थोक और खुदरा महंगाई के आंकड़े जारी किए जाएंगे। इनका बाजार पर असर देखने को मिल सकता है।

बजाज ब्रोकिंग रिसर्च के मुताबिक, वैश्विक स्तर पर 15 जुलाई को अमेरिका में महंगाई और 16 जुलाई को इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन के आंकड़े जारी किए जाएंगे। वहीं, 17 जुलाई को यूएस में जॉब लैस क्लेम के आंकड़े जारी होंगे।

एसबीआई सिक्योरिटीज में टेक्निकल और डेरिवेटिव्स रिसर्च के प्रमुख सुदीप शाह ने कहा कि वर्तमान में भारतीय बाजार अपने वैश्विक समकक्षों की तुलना में अपेक्षाकृत कमजोर प्रदर्शन कर रहा है और कई प्रमुख वैश्विक सूचकांकों में तेजी देखी जा रही है। यह स्थिति घरेलू शेयर बाजारों में समेकन और सतर्कता के दौर को दशार्ता है।

उन्होंने आगे कहा कि आने वाले समय में दो फैक्टर्स बाजार की चाल को प्रभावित कर सकते हैं, जिसमें टैरिफ पर नया अपटेड और पहली तिमाही का आय सीजन शामिल है। बीता हफ्ता शेयर बाजार के लिए उतार-चढ़ाव भरा रहा। इस दौरान निफ्टी 311.15 अंक या 1.22 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,149.85 पर था। वहीं, सेंसेक्स 932.42 अंक या 1.12 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 82,500.47 पर था।

इस दौरान आईटी शेयरों ने बिकवाली का नेतृत्व किया, जिससे निफ्टी आईटी इंडेक्स 3.76 प्रतिशत फिसल गया है। निफ्टी ऑटो इंडेक्स में 2.03 प्रतिशत, निफ्टी इन्फ्रा और निफ्टी एनर्जी क्रमशः 1.88 प्रतिशत और 1.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। हालांकि, एफएमसीजी शेयरों में खरीदारी देखी गई और निफ्टी एफएमसीजी इंडेक्स 2.15 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ।

अगले हफ्ते 6 दिन बंद रहेंगे बैंक, जरूरी काम है तो जल्द ही निपटा लें; यहां देखें पूरी लिस्ट

नई दिल्ली ,13 जुलाई । अगर आपको अगले हफ्ते बैंक से जुड़ा कोई जरूरी काम है, तो यह खबर आपके लिए है। अगले सप्ताह देश के अलग-अलग राज्यों में त्योहारों और साप्ताहिक अवकाश के चलते कुल 6 दिन बैंक बंद रहेंगे। भारतीय रिजर्व बैंक (क्रक्कढ्ढ) की छुट्टियों की सूची के अनुसार, इन छुट्टियों में बेह दीनखलम, हरेला, तिरोत सिंह की पुण्यतिथि और केर पूजा जैसे स्थानीय त्योहार शामिल हैं।

यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि ये सभी छुट्टियां राष्ट्रीय नहीं हैं और केवल राज्यों में ही लागू होंगी। हालांकि, रविवार और दूसरे-चौथे शनिवार को पूरे देश में बैंक बंद रहते हैं। इसलिए, किसी भी असुविधा से बचने के लिए अपने बैंक से संबंधित काम समय पर निपटा लें।

अगले सप्ताह इन तारीखों पर बंद रहेंगे बैंक:

13 जुलाई (रविवार): साप्ताहिक अवकाश के कारण पूरे भारत में बैंक बंद रहेंगे।

14 जुलाई (सोमवार): बेह दीनखलम त्योहार के अवसर पर मेघालय (शिलांग) में बैंक बंद रहेंगे।

16 जुलाई (बुधवार): हरेला उत्सव के चलते उत्तराखंड (देहरादून) और हिमाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में बैंकों में अवकाश रहेगा।

17 जुलाई (गुरुवार): खासी प्रमुख यू तिरोत सिंह की पुण्यतिथि के अवसर पर मेघालय (शिलांग) में बैंक बंद रहेंगे।

19 जुलाई (शनिवार): केर पूजा के त्योहार के कारण त्रिपुरा (अगरतला) में बैंकों में छुट्टी रहेगी।

20 जुलाई (रविवार): साप्ताहिक अवकाश के चलते पूरे देश में बैंक बंद रहेंगे।

ग्राहकों को बड़ा तोहफा : अनलिमिटेड-5 जी वाला सबसे सस्ता प्लान हुआ और भी सस्ता, अब डेटा भी मिलेगा ज्यादा

नई दिल्ली ,13 जुलाई । देश की दूसरी सबसे बड़ी टेलीकॉम कंपनी भारती एयरटेल ने अपने 40 करोड़ से ज्यादा प्रीपेड ग्राहकों को एक बड़ा तोहफा दिया है। कंपनी ने अपने एंट्री-लेवल अनलिमिटेड 5त्र डेटा वाले प्रीपेड प्लान को पहले से भी सस्ता बना दिया है, साथ ही उसमें मिलने वाले 4त्र डेटा को भी बढ़ा दिया है।

पहले, एयरटेल के जिस सबसे सस्ते प्लान में अनलिमिटेड 5त्र डेटा मिलता था, उसकी कीमत 379 रुपये थी। लेकिन अब कंपनी ने अपने 349 रुपये वाले प्रीपेड प्लान में ही अनलिमिटेड 5त्र डेटा का कॉम्प्लिमेंट्री बेनिफिट जोड़ दिया है। इससे अनलिमिटेड 5त्र डेटा का शुरूआती प्लान अब 30 रुपये सस्ता हो गया है।

भारती एयरटेल ने अपने लोकप्रिय 349 रुपये वाले प्रीपेड प्लान को पहले से कहीं ज्यादा आकर्षक बनाते हुए इसे नए फायदों के साथ अपडेट कर दिया है। इस प्लान में अब यूजर्स को अनलिमिटेड 5त्र डेटा का लाभ मिलेगा, जो हाई-स्पीड इंटरनेट का भरपूर अनुभव देगा। इसके अलावा, कंपनी ने डेली 4त्र डेटा कोटा को भी 1.5त्रक्क से बढ़ाकर 2त्रक्क कर दिया है। यह प्लान 28 दिनों की वैलिडिटी के साथ आता है, जिसमें किसी भी नेटवर्क पर अनलिमिटेड वॉयस कॉलिंग और रोज 100 स्नूस् की सुविधा शामिल है। एडिशनल बेनिफिट्स के तौर पर, फ्री हैलोट्यून्स और स्पैम कॉल अलर्ट के साथ अब इसमें एयरटेल एक्सट्रीम ऐप का एक्सेस भी जोड़ दिया गया है, जो इसे डेटा और मनोरंजन का एक बेहतरीन कॉम्बो बनाता है।

कम डेटा यूजर्स के लिए 189 रुपये का नया प्लान लॉन्च

इसके अलावा, एयरटेल ने उन ग्राहकों के लिए एक नया बजट-फ्रेंडली प्लान भी लॉन्च किया है, जिन्हें कॉलिंग की ज्यादा और डेटा की कम जरूरत होती है। 189 रुपये के इस प्लान में 21 दिनों की वैलिडिटी के साथ अनलिमिटेड कॉल्स, कुल 300 स्नूस् और कुल 1त्रक्क डेटा मिलता है।

एयरटेल के इन नए बदलावों को बाजार में अपनी पकड़ और मजबूत करने तथा ज्यादा से ज्यादा ग्राहकों को अपने 5त्र नेटवर्क की ओर आकर्षित करने की एक बड़ी रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है।

चांटापारा मस्जिद इलाके के किराएदारों को सरकारी गाइडलाइन के हिसाब से देना होगा किराया

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ सलीम राज ने बिलासपुर प्रवास के दौरान यहां के सभी किराएदारों को नया एग्रीमेंट कराने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही बिलासपुर जिले में वक्फ संपत्तियों का लंबे समय से किराया नहीं देने वालों पर कार्रवाई भी करने कहा है। वहीं दूसरी ओर बिलासपुर के चांटापारा मस्जिद इलाके के किराएदारों पर कार्रवाई की जाएगी और उन्हें निर्देशित किया गया है कि सरकारी गाइडलाइन के हिसाब से किराया देना होगा और पुराना बकाया किराया चार किस्तों में पटाना होगा।

न्यूज गैलरी

चातुर्मास के प्रथम संडे बच्चों ने स्नात्र पूजा कर जाना तीर्थंकर परमात्मा के जन्मकल्याणक का महात्म्य

00 24 को पुष्य नक्षत्र विशेष योग के साथ हरेली अमावस्या पर दादागुरुदेव की बड़ी पूजा प्रातः 10 बजे से होगी

रायपुर। खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभ सूरीश्वर जी की पावन प्रेरणा से चातुर्मास के अवसर पर श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर में सौ से ज्यादा बच्चों ने संडे की शुरूआत स्नात्र महोत्सव से की।

श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष बैद व महासचिव महेन्द्र कोचर ने बताया कि इस भौतिक युग में बच्चों के जीवन को धर्म के मार्ग पर मोड ?ा जरूरी है इसी उद्देश्य से गुरुदेव की प्रेरणा से प्रति संडे बच्चों को स्नात्र पूजा , चंदन पूजा व पूजा विधि के सुत्रों का अध्ययन कराया जा रहा है। दर्शनम देव देवस्य , दर्शनम पाप नाशनम , दर्शनम स्वर्ग सोपानाम , दर्शनम मोक्ष साधनम के पवित्र आत्म कल्याणकारी श्लोकों के साथ जब एक साथ सभी बच्चों ने श्री सीमंधर स्वामी जिन मंदिर में प्रभु प्रतिमा के सामने सामूहिक स्वर में पाठ किया तो मंदिर में अलौकिक दृश्य उपस्थित हो गया। ट्रस्टी नीलेश गोलछा ने बताया कि आज 107 बच्चों को तीर्थंकर परमात्मा के जन्मकल्याणक की , तीर्थंकरों के जन्म से तीन ज्ञान व व अतिशय बलों की जानकारी देकर मेरुशिखर पर स्नात्र महोत्सव कराया गया। जिनप्रतिमा के 9 अंगों के पूजन की विधि की जानकारी देकर नवांगी पूजा कराई गई , जैन धर्म में ही भगवान की प्रतिमा में भक्तों द्वारा सीधे पूजन का विधान है। बच्चों को पुरस्कृत किया गया। ट्रस्टी डॉ योगेश बंगानी ने आगे बताया कि चारों दादागुरुदेव के सम्मुख विधिपूर्वक गुरुवंदन की प्रक्रिया सिखाई गई, बच्चों ने दादागुरुदेव का विधिपूर्वक खमासमना देकर वन्दन किया। अंत में दादागुरुदेव इक्तिसा का पाठ किया गया।

सरकारी नौकरी में उतार- चढ़ाव की संभावना नहीं, इनोवेशन को बनाएं ताकत- चौधरी

00 महाराष्ट्र मंडल में विद्यार्थी सम्मान व गौरव अलंकरण समारोह में कुशाग्र विद्यार्थी, खिलाड़ी समेत समाजसेवी संस्था हुए सम्मानित

रायपुर। इनोवेशन और टेक्नोलॉजी के बिना या उससे डरकर जीवन में आगे नहीं बढ़ा जा सकता है। कुछ लोग टेक्नोलॉनी को अपनाने के लिए हिचकिचाते हैं, लेकिन मुझे इस युवा पीढ़ी से कहना है कि आप अपने जीवन में टेक्नोलॉजी को अपनाएं और आगे बढ ? का मार्ग प्रशस्त करें। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने महाराष्ट्र मंडल के संत ज्ञानेश्वर सभागृह में आयोजित विद्यार्थी सम्मान व गौरव अलंकरण समारोह में उक्ताशय के विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि आज दुनिया के अमीर लोगों की सूची में ज्यादातर ऐसे लोग हैं, जिनके दादा- परदादा उनके लिए कोई लंबी- चौड़ी रियासत या वसीयत छोड़कर नहीं गए। अपने इनोवेशन, टेक्नालॉजी, लगन और साहस के बल पर उन्होंने इस मुकाम को हासिल किया। चौधरी ने एक घटना का जिक्र करते हुए कहा कि एक बार वे दिल्ली से रायपुर लौट रहे थे। जब दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचे तो वहां अफरा- तफरी मची हुई थी। पूछताछ की तो पता चला कि माइक्रो साफ्ट का सर्वर ठप्प हो गया है, जिसके कारण लोगों की एयर टिकट नहीं बन रही है। गूगल सर्च किया तो पता चला कि इसका असर यूरोप और अमेरिका में तक दिख रहा था। यानी टेक्नोलॉजी आज किस स्तर पर पहुंच गई, यह आप सोच सकते हैं। उन्होंने बिल गेट्स जैसे बैक बेंचर स्टूडेंट का उदाहरण देते हुए कहा कि वे पढ़ाई में होशियार नहीं थे लेकिन उनके पास अपने फ्यूचर के लिए विजन क्लीयर था। उन्होंने एआई तकनीक को अपनाने की अपील युवाओं से की क्योंकि भविष्य एआई का ही होगा।

चौधरी ने जोर देते हुए कहा कि आज हमारी अर्थव्यवस्था फोर ट्रिलियन डालर की ओर बढ़ रही है। ऐसे में आपके किसी भी इनोवेटिव अफर्ड के ऊपर जाने की संभावना सर्वाधिक है, जबकि पहले इतनी नहीं थी। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकारी नौकरी में आपका कैरियर फ्लेट ही जाएगा। इसमें आप न तो ज्यादा ऊपर जा सकते हो और न ही नीचे गिर सकते हो। इसके विपरीत आपके ओर से किसी गए इनोवेटिव एफर्ड से आपके लिए ऊपर जाने की अनंत संभावनाएं होंगी। वित्त मंत्री ने कहा कि एक तरफ देश विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है और फिर भी आपकी परिस्थितियां नहीं बदलीं, तो इसके लिए आप ही जिम्मेदार होंगे और कोई नहीं।

विशेष अतिथि वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ व समाजसेवी डॉ. दिनेश मिश्रा ने कहा कि जब भी वे प्रतियोगी परीक्षा में सफल युवाओं के बारे में पढ़ते हैं, तो एक ही बात सामने आती है कि उन्होंने परीक्षा की तैयारी के लिए महीनों से मोबाइल को हाथ तक नहीं है। यदि आपको भी शिक्षा और कैरियर में बहुत आगे जाना है, तो मोबाइल से दूरी बनाएं या कम से कम उपयोग करें। डॉ. मिश्रा ने कहा कि महाराष्ट्र मंडल से उनका पुराना नाता करीब 30 साल पहले डॉ. आनंद जोशी के माध्यम से है। उस समय वे डॉ. जोशी के साथ मंडल के पुराने भवन में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित करते थे। वे आज भी महाराष्ट्र मंडल के एक कहने पर यहां निःशुल्क नेत्र शिविर लगाने के लिए और आंखों से जुड़ी समस्याओं को लेकर सेवा करने को तैयार हैं।

मंडल अध्यक्ष अजय मधुकर काले ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में महाराष्ट्र मंडल के 90 वर्षों के समाजसेवी सफर की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन सचिव चेतन गोविंद दंडवते ने, आभार प्रदर्शन सचेतक रविंद्र ठेंगड़ी ने किया। विद्यार्थी सम्मान में आस्था काले, परितोष डोनगांवकर और सुकृत गनोदवाले ने विशेष सहयोग दिया।

इन्हें मिला सम्मान – महिला उत्थान और समाज सेवा के लिए अर्पण सेवा समिति को, उत्कृष्ट संस्था के लिए कोपलवाणी चाइल्ड वेलफेयर ऑर्गनाइजेशन को, क्रीडा क्षेत्र अंतरराष्ट्रीय रिंग फाइट चैंपियनशिप की रनरअप वर्तिका क्षीरसागर को और ड्रोन दीदी के नाम से मशहूर चंद्रकली वर्मा को गौरव अलंकरण सम्मान से नवाजा गया। इसी तरह 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा की प्रावीण्य सूची में स्थान बनाने वाले संत ज्ञानेश्वर स्कूल के विद्यार्थी रुचिका साहू, रुद्र प्रताप साहू, पूर्वी साहू और बर्षा परिडा को सूत माला स्मृति चिन्ह, प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। संत ज्ञानेश्वर स्कूल के अन्य प्रतिभाशाली छात्र- छात्राओं को भी समारोह में सम्मान देकर प्रोत्साहित किया गया। विभिन्न प्रायोजकों के माध्यम से नागार्जुन विज्ञान महाविद्यालय, राष्ट्रीय तकनीकी संस्था, पंडित जवाहर लाल नेहरु चिकित्सा महाविद्यालय व पं. रविशंकर शुक्ल विश्व विद्यालय अध्ययन शाला के प्रावीण्य सूची प्राप्त डॉक्टरों और डॉ. अंबेडकर हास्पिटल की उत्कृष्ट नर्स को मरीज सेवा के लिए सम्मानित किया।

परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2025 में रायगढ़ जिला बना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाला जिला

00 तीसरी, छठवीं और नवमीं सभी कक्षाओं में राष्ट्रीय औसत से बेहतर परिणाम

रायपुर। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय और राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद द्वारा हर चार वर्ष में आयोजित होने वाले परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2025 में रायगढ़ जिले ने राज्य ही नहीं, राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी उत्कृष्टता साबित की है। दिसंबर 2024 में आयोजित इस सर्वेक्षण में रायगढ़ जिले के 91 स्कूलों के 325 शिक्षक और 2728 विद्यार्थी शामिल हुए थे। जिले के छात्रों ने कक्षा तीसरी, छठवीं और नवमीं तीनों स्तरों पर सभी विषयों में राष्ट्रीय औसत से बेहतर प्रदर्शन करते हुए जिले को उदित श्रेणी में शामिल कराया है। इस सर्वेक्षण में शासकीय, मान्यता प्राप्त अशासकीय तथा अनुदान प्राप्त विद्यालयों के विद्यार्थियों को बहुविकल्पीय प्रश्नों के माध्यम से आंका गया। रायगढ़ जिले में यह अभियान कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी और सीईओ जिला पंचायत श्री जितेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में संचालित किया गया, जिसका परिणाम सभी स्तरों पर अत्यंत सराहनीय रहा। कक्षा तीसरी में भाषा विषय में रायगढ़ का औसत 70 प्रतिशत रहा, जो राष्ट्रीय औसत 64 प्रतिशत और राज्य औसत 59 प्रतिशत से कहीं अधिक है। गणित में भी रायगढ़ ने 68 प्रतिशत अंक हासिल किए, जबकि राष्ट्रीय औसत 60 और राज्य औसत 57 प्रतिशत रहा। कक्षा छठवीं में भाषा में 64 प्रतिशत, गणित में 56 प्रतिशत और आस-पास की दुनिया विषय में 59 प्रतिशत के साथ रायगढ़ ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। वहीं कक्षा नवमीं में भाषा विषय में 60 प्रतिशत, गणित में 39 प्रतिशत, विज्ञान में 43 प्रतिशत और सामाजिक विज्ञान में भी 43 प्रतिशत के साथ जिले ने राष्ट्रीय औसत से बेहतर परिणाम दर्ज किए। इन आंकड़ों के आधार पर रायगढ़ को परख सर्वेक्षण की चार स्तरीय श्रेणी में 'उदित वर्ग में स्थान मिला है। यह श्रेणी केवल उन जिलों को प्रदान की जाती है, जिन्होंने तीनों कक्षाओं में राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन किया हो। रायगढ़ के साथ तीसरी कक्षा में बालोद, बलरामपुर, बीजापुर, जशपुर, कोरिया, सूरजपुर और सरगुजा, छठवीं में बलरामपुर, बस्तर, बीजापुर और सरगुजा तथा नवमीं में बस्तर, बीजापुर, बिलासपुर, धमतरी और दुर्ग जिले भी इस श्रेणी में शामिल किए गए हैं। परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण के निष्कर्षों से यह भी सामने आया है कि रायगढ़ जिले में ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों का परिणाम शहरी क्षेत्रों से बेहतर रहा। इसके अलावा, बालिकाओं का प्रदर्शन भी बालकों की तुलना में तीनों कक्षाओं में अधिक बेहतर रहा है, जो जिले में शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक सामाजिक बदलाव का संकेत है।

भगवान जगन्नाथ की यात्रा पर झूठी टिप्पणी कर राहुल गांधी ने बहुत बड़ा अपराध किया, लगेगा श्राप, होगी दुर्गति और सत्यानाश - पुरंदर

सनातन विरोधी राहुल गांधी का ऐसा बयान बर्दाश्त नहीं

रायपुर। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा जगन्नाथ भगवान की रथयात्रा को लेकर बोले गए झूठ पर करारा हमला करते हुए भारतीय जनता पार्टी के विधायक पुरंदर मिश्रा ने कहा कि इस झूठ के कारण राहुल गांधी की दुर्गति होना तय है। रथयात्रा को लेकर झूठ बोलने का ऐसा दुस्साहस न पहले कोई कर पाया, न आज कर पाता है और न ही भविष्य में कोई कर पाएगा। भगवान जगन्नाथ कलियुग के भगवान हैं और उनकी इच्छा के बिना तो उनके दर्शन तक नहीं मिलते। भगवान जगन्नाथ की यात्रा पर झूठी टिप्पणी कर राहुल गांधी ने बहुत बड़ा अपराध किया है और इसके लिए श्राप लगेगा और इसके साथ ही उनकी दुर्गति और सत्यानाश होना तय है। सनातन विरोधी राहुल गांधी का ऐसा बयान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस अब लगातार सनातन विरोधी चरित्र का प्रदर्शन कर रही है। कांग्रेस के बड़े से लेकर छोटे, तमाम नेता इन दिनों अपने सनातन विरोधी एजेंडे पर चल रहे हैं। इससे अधिक शर्मनाक कुछ नहीं हो सकता कि तुष्टीकरण की राजनीति के चलते लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने हमेशा राजनीति के निम्न स्तर को छुआ है और अब वह विश्वभर के करोड़ों लोगों की आस्था के साथ भी झूठ बोलकर खिलवाड़ करने से बाज नहीं आए हैं। राहुल गांधी को इस बात पर शर्म महसूस करनी चाहिए। श्री मिश्रा ने कहा कि भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा को लेकर सफेद झूठ बोलकर अपने सनातन विरोधी चरित्र का परिचय दे रहे राहुल गांधी को यह नहीं भूलना चाहिए कि ऐसे लोगों की राजनीति में कोई जगह नहीं है और भगवान जगन्नाथ के नाम पर झूठ बोलकर जिसने भी राजनीति करने का दुस्साहस किया, उसका हश्र बुरा ही होगा। राहुल गांधी ने यह सरासर मिथ्या प्रलाप किया है कि रथयात्रा में आम भक्तों की भीड़ रोककर एक विशेष व्यक्ति के लिए रास्ता साफ किया गया।

भाजपा विधायक श्री मिश्रा ने कहा कि रथयात्रा को लेकर इस तरह की झूठी बयानबाजी करके अपनी मूर्खता ही साबित की गई है। ऐसी टिप्पणियां 'अनुचित और अतार्किक' हैं। जब तक भगवान जगन्नाथ स्वयं नहीं चाहेंगे, तब तक पुरी में रथों को कोई नहीं रोक सकता। कभी हिंदुओं को हिंसक बताने, हिन्दुत्ववादियों को देश से खदेड ? की बातें करने वाले राहुल गांधी के मुँह से इस तरह का झूठ निकलना कोई नई बात नहीं है। श्री मिश्रा ने कहा कि जिस कांग्रेस में सनातन धर्म को एड्स, फ्लू, वायरस बताकर गाली देने की परम्परा रही हो, भगवान श्री राम को काल्पनिक बताया गया हो, रामसेतु के अस्तित्व तक को नकार दिया जाता हो, उस कांग्रेस के नेता राहुल गांधी और कांग्रेसनीत इंडी गठबंधन के पाखण्ड, प्रपंच और सनानन विरोधी निर्लज्ज आचरण को पूरा देश समझ रहा है।

भाजपा विधायक श्री मिश्रा ने कहा कि भगवान जगन्नाथ सर्वशक्तिमान हैं और उनके धाम में किसी के साथ कोई भेद?भाव नहीं होता। भगवान जगन्नाथ के धाम में सर्वधर्म समभाव के दर्शन होते हैं। आज विश्व के 28 देशों में भगवान जगन्नाथ के मंदिर स्थापित हैं और वहाँ रथयात्रा का भव्य आयोजन होता है। श्री मिश्र ने राहुल गांधी को चुनौती दी कि वह कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे के साथ जगन्नाथ-दर्शन के लिए आ जाएँ तो उन्हें सब कुछ स्पष्ट हो जाएगा। अगर उनके मंदिर में कोई अपने अहंकार के साथ जाएगा तो भगवान जगन्नाथ उसका गर्व भंजन करके दर्शन नहीं देंगे। श्री मिश्रा ने फिर दुहराया कि सनातन संस्कृति, परम्परा और आस्था के प्रति जो दुर्भावना राहुल गांधी व्यक्त कर रहे हैं, उससे कांग्रेस का सर्वनाश निकट है। कोट के ऊपर जनेऊ पहनने का पाखंड तो भारतवासी ही खत्म करेंगे। पत्रकारवार्ता में भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी अमित चिमनानी, जिलाध्यक्ष रमेश ठाकुर, प्रदेश प्रवक्ता देवलाल ठाकुर,पैनलिस्ट निशिकांत पांडे मौजूद रहे।

बेमेतरा व नवागढ़ पुलिस को दी थी सूचना, इसके बाद भी सुरक्षा उपलब्ध न कराया जाना आश्चर्यजनक - गुरु खुशवंत

रायपुर। नवागढ़ के चारबासा बायपास सड़क पर शनिवार की रात आरंग विधायक गुरू खुशवंत साहेब की गाड़ी में पत्थरबाजी की घटित घटना के बाद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उपमुख्यमंत्री व गृहमंत्री विजय शर्मा ने उनसे बातचीत की। इस दौरान उन्होंने घटना की पूरी जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम खत्म होने के बाद बेमेतरा और नवागढ़ थाने को सूचित किया गया था इसके बावजूद कोई सुरक्षा उपलब्ध न कराया जाना आश्चर्यजनक है। उन्होंने यह भी बताया कि पहले भी उनकी तरफ से अतिरिक्त सुरक्षा की मांग की गई थी और इस दिशा में आगे कोई कार्रवाई नहीं हुई है। स्थानीय विधायक और सरकार के मंत्री दयालदास बघेल का भी फोन आया था। उन्हें भी घटना से अवगत करा दिया हूं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

उल्लेखनीय हैं कि नवागढ़ के चारबासा बायपास सड़क पर शनिवार की रात आरंग विधायक गुरू खुशवंत साहेब की गाड़ी में पत्थरबाजी हुई थी। इस घटना में विधायक की गाड़ी के शीशे टूट गए। गनीयत यह रही कि उन्हें चोट नहीं लगी। फिलहाल वे सुरक्षित है।

गुरु पर्व पर हुआ संस्कारों का उत्सव, शिक्षक हुए सम्मानित

रायपुर। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर सरस्वती शिशु मंदिर टिकरापारा में गुरु पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री भास्कर राव, पूर्व संघ संचालक, कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी माधव लाल यादव ने की। सरजू मान्था विकास समिति के सचिव संजय जोशी एवं समिति की सदस्य श्रीमती सुनीता चंद सौरिया भी कार्यक्रम में विशिष्ट रूप से उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की सभी शिक्षिकाओं का गणवेश एवं श्रीफल प्रदान कर सम्मान किया गया। साथ ही विद्यार्थियों द्वारा गुरु पर्व के उपलक्ष्य में कविता, भाषण एवं गीत की सुंदर व मनमोहक प्रस्तुतियाँ दी गईं।

मुख्यमंत्री से मिस यूनिवर्स छत्तीसगढ़ डॉ. अंजली पवार ने की सौजन्य मुलाकात

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में मिस यूनिवर्स छत्तीसगढ़ 2025 डॉ. अंजली पवार ने सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री श्री साय ने डॉ. अंजली पवार को इस उपलब्धि के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दीं। भेंट के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने डॉ. अंजली पवार को छत्तीसगढ़ के पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया।

छत्तीसगढ़ में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं, अंतरराष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चौंपियनशिप में सुखदेव ने जीता स्वर्ण पदक

रायपुर। छत्तीसगढ़ की प्रतिभाएं आज विभिन्न खेलों के माध्यम से राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर राज्य को गौरवान्वित कर रही हैं। राज्य शासन द्वारा खिलाडि?ों को खेल प्रशिक्षण, आधारभूत संरचना तथा प्रोत्साहन राशि सहित आवश्यक संसाधन प्रदान कर हर संभव सहयोग सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे प्रदेश के प्रतिभावान खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन देश एवं विदेश में कर सकें।

महासमुंद जिले के लिए खेल जगत से एक और गर्व की खबर आई है। फॉर्चून फाउंडेशन समाजसेवी संस्था द्वारा संचालित फॉर्चून नेत्रहीन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय करमापटपर, बागबाहरा खुर्द के पूर्व छात्र सुखदेव ने 7वीं ओपन पैरा एथलेटिक्स इंटरनेशनल चौंपियनशिप 2025 में स्वर्ण पदक जीतकर पूरे छत्तीसगढ़ का नाम रोशन किया है। कांतिराव एथलेटिक्स स्टेडियम, बेंगलुरु (कर्नाटक) में 11 से 12 जुलाई तक आयोजित इस चौंपियनशिप में सुखदेव ने 1500 मीटर दौड़ को महज 4.36 मिनट में पूरा कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

गौरतलब है कि नेत्रहीन सुखदेव ने फॉर्चून फाउंडेशन करमापटपर, बागबाहरा खुर्द में रहकर प्रशिक्षक श्री निरंजन साहू के मार्गदर्शन में निरंतर अभ्यास करते हुए यह बड़ी उपलब्धि हासिल की है। वर्तमान में सुखदेव भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) बेंगलुरु में नियमित अभ्यास कर रहे हैं। इससे पहले भी सुखदेव खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2025, नई दिल्ली में 400 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक तथा 23वीं राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चौंपियनशिप चेन्नई में भी 1500 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीत चुके हैं। सुखदेव जैसे होनहार पैरा खिलाड़ी प्रदेश के युवाओं के लिए प्रेरणा हैं। छत्तीसगढ़ सरकार खेल एवं खिलाडि?ों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है और विशेष रूप से दिव्यांग खिलाडि?ों को प्रोत्साहन देने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। सरकार का लक्ष्य है कि प्रदेश के हर खिलाड़ी को उचित मंच और अवसर मिले, ताकि वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ का नाम रोशन कर सकें। सुखदेव की इस उपलब्धि पर महासमुंद कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह, सीईओ जिला पंचायत श्री एस. आलोक, उप संचालक समाज कल्याण संगीता सिंह, खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी मनोज धृतलहरे, जिला शिक्षा अधिकारी विजय लहरे सहित प्रशिक्षक निरंजन साहू एवं पैरा स्पोर्ट्स संघ के पदाधिकारियों ने भी उन्हें बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। सुखदेव की सफलता ने यह साबित कर दिया है कि अगर लगन और मेहनत सच्ची हो तो कोई भी चुनौती बड़ी नहीं होती और छत्तीसगढ़ की मिट्टी में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। यह उपलब्धि निःसंदेह जिले के अन्य दिव्यांग खिलाडि?ों को भी खेल के क्षेत्र में आगे बढ ? हेतु प्रेरित करेगी।

विदेश में छत्तीसगढ़ की बेटियां बढ़ाएंगी मान, बीजापुर की चंद्रकला और जांजगीर-चांपा की शालू एशिया कप सॉफ्टबॉल चौंपियनशिप में

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की सरकार राज्य के युवाओं के लिए शिक्षा, रोजगार, खेल जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में विशेष अवसर उपलब्ध करा रही है। छत्तीसगढ़ की बेटियाँ आज खेल के मैदान से लेकर हर क्षेत्र में अपनी मेहनत, निष्ठा और जज्बे से नया इतिहास रच रही हैं। राज्य सरकार खिलाडि?ों को हरसंभव सहयोग और प्रोत्साहन देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। बीजापुर जिले की धरती एक बार फिर खेल जगत में अपनी प्रतिभा का परचम लहराने जा रही है। जिले के आवापली गांव की होनहार खिलाड़ी चंद्रकला तेलम का चयन भारतीय सॉफ्टबॉल टीम में एशिया कप सॉफ्टबॉल चौंपियनशिप 2025 के लिए हुआ है। जो 14 से 20 जुलाई तक शियान, चीन में आयोजित होगी। चंद्रकला के साथ ही जांजगीर-चांपा जिले के पामगढ़ की शालू डहरिया भी भारतीय टीम का हिस्सा होंगी, जो पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गर्व की बात है।

खास बात यह है कि भारतीय टीम के कोच के रूप में बीजापुर जिले के श्रम निरीक्षक श्री सोपान कणेर्वार की नियुक्ति हुई है। इससे पहले भी श्री कणेर्वार के कोचिंग में जिले के अनेक खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर चुके हैं। भारतीय टीम का गठन कई कठिन चयन परीक्षाओं के बाद हुआ है। चंद्रकला तेलम को अनंतपुर (आंध्र प्रदेश), नागपुर, श्रीनगर एवं इंदौर में आयोजित चयन परीक्षण और विशेष कोचिंग कैंप में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर चुना गया है। भारतीय दल को नई दिल्ली में अंतिम प्रशिक्षण के बाद रविवार को शियान, चीन के लिए रवाना हुए।

बीजापुर और जांजगीर-चांपा जिले के कलेक्टर ने भी टीम को शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। गौरतलब है कि इस टूनामेंट की विजेता एवं उपविजेता टीम को वर्ल्ड कप सॉफ्टबॉल चौंपियनशिप में भाग लेने का अवसर मिलेगा।चंद्रकला और शालू डहरिया की यह उपलब्धि जिले की अन्य बेटियों को भी खेल के क्षेत्र में आगे बढ ? के लिए प्रेरित करेगी।

■ स्वामी, मुद्रक प्रकाशक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, नरेन्द्र सिंह टुटेजा द्वारा टुटेजा मीडिया पब्लिकेशन, नमनाकला, अम्बिकापुर, सरगुजा (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित, 0 प्रधान संपादक-महेन्द्र सिंह टुटेजा,Mo. 8223000155, 94252 56303, 98261 83780 ■ RNI No. 50247/89 ■ Postal Regn No./ छ.ग./रायगढ़/009/2016 से 2018 ■ Email- ambikavanisurguja@gmail.com

C M Y K

सरगुजा संभाग
अम्बिकावाणी
■ सरगुजा ■ कोरिया ■ सूरजपुर ■ बलरामपुर ■ जशपुर

असत्यता पर आधारित संबंध रेत की नीव पर बने भवन के समान है।

किराना सामान के साथ चोरी का आरोपी गिरफ्तार- 10

अम्बिकापुर सोमवार, 14 जुलाई 2025

■कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ने खोला मोर्चा,निकालेंगे वृहद ध्यानाकर्षण रैली- 12

अंबिकापुर नगर निगम 'सुपर स्वच्छ लीग' नगर के श्रेणी में हुआ शामिल

अंबिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
भारत सरकार आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण २०२४ के परिणाम जारी किया गया है, जिसमें अंबिकापुर नगर निगम को सुपर स्वच्छ लीग नगर के श्रेणी में सम्मिलित किया गया है।

₹सुपर स्वच्छ लीग₹ एक विशेष लीग है जो स्वच्छ सर्वेक्षण के तहत स्वच्छता और सफाई मानकों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शहरों को मान्यता देने के लिए शुरू की गई है। अपने पिछले एवं वर्तमान स्वच्छ सर्वेक्षण रैंकिंग के आधार पर असाधारण प्रदर्शन करने वाले शहर वर्ष २०२४ के लिए इस लीग का हिस्सा बन गए हैं।

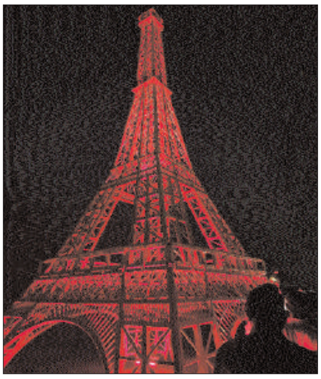

स्वच्छ सर्वेक्षण २०२४ में अतिरिक्त मानदंडों के आधार पर निकाय का मूल्यांकन किया था, जिसमें पुनः अपने श्रेणी (५०००० से ३०००० जनसंख्या वाले शहर) में अंबिकापुर को शीर्ष स्थान प्राप्त हुआ है,

सुपर स्वच्छ लीग में शहरों के बीच कोई रैंकिंग नहीं होगी, क्योंकि इस पहल का उद्देश्य इन शीर्ष प्रदर्शन करने वाले शहरों के बीच शहरी स्वच्छता में निरंतर उत्कृष्टता को प्रेरित करना है।

सुपर स्वच्छ लीग में शामिल नगरों को इस क्लब में बने रहने हेतु आगामी स्वच्छ सर्वेक्षण में कम से कम ८५त्न अंक प्राप्त करना होगा। इस हेतु दिनांक १७ जुलाई २०२५ को विज्ञान भवन नई दिल्ली में पुरस्कार वितरण समारोह हेतु अंबिकापुर नगर निगम को आमंत्रित किया गया है।

स्वच्छ सर्वेक्षण २०२४ की तैयारी एवं नगर स्वच्छता के सुदृढ़ीकरण हेतु माननीय उप मुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन मंत्री श्री अरुण साव जी के नेतृत्व एवं सतत मार्गदर्शन, श्री वसव राजू सचिव महोदय के दिशानिर्देश , राज्य शहरी विकास अभिकरण के तकनीकी मार्गदर्शन में अंबिकापुर में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर कार्य किया गया । स्थानीय स्तर पर कलेक्टर द्वारा एसएलआरएम केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु दिए गए दिशानिर्देश एवं डी एम एफ मद से राशि उपलब्ध कराया गया, जिससे सभी केंद्रों में आवश्यक मरम्मत, सफाई संसाधन में वृद्धि की गई । महापौर मंजूषा भगत के नेतृत्व एवं निगम के समस्त जन प्रतिनिधिगण द्वारा स्वच्छता में जनभागीदारी सुनिश्चित करने सक्रिय सहयोग प्रदान किया गया। नगर के सम्मानित नागरिकगण, व्यवसायिक प्रतिष्ठान एवं अन्य संस्थानों के द्वारा उत्कृष्ट सहभागिता देते हुए गीला एवं सूखा कचरा अलग अलग देकर डोर टू डोर संग्रहण एवं नियमित यूजर चार्ज भुगतान कर सहयोग किया जा रहा है ।निकाय के स्वच्छता दीदियां, सफाई कर्मचारी, संबंधित अधिकारी कर्मचारीगण द्वारा सक्रिय रूप से नगर स्वच्छता में उत्कृष्ट कार्य किया गया । सभी के सहभागिता से अंबिकापुर नगर द्वारा पुनः अपने श्रेणी में देश में शीर्षस्थम स्थान सुपर स्वच्छ लीग में शामिल हुआ है, निगम परिवार द्वारा नगर के समस्त नागरिकगण को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए निरंतर स्वच्छता में सहभागिता हेतु अपील किया गया है।

गौ हत्या कर मांस खाने के मामले में पुलिस ने 6 संदेहियों को लिया हिरासत में

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)। सरगुजा जिले के लखनपुर क्षेत्र में गौ मांस खाने का मामला सामने आया है। शिकायत के बाद पुलिस ने ६ संदेहियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू किया है। वही १ संदेही फरार है जिसकी खोजबीन पुलिस द्वारा शुरू किया गया है। संदेहियों के पास से गौ वंश के अवशेष बरामद किए गए हैं। मिली जानकारी के मुताबिक लखनपुर थाना क्षेत्र के कुन्नी पुलिस चौकी अंतर्गत ग्राम तिरकेला में रविवार की सुबह गौ हत्या कर गौ मांस खाने की शिकायत पर पुलिस गांव पहुंची और गौ मांस खाने के मामले में जांच शुरू की जांच के दौरान गौ वंश के अवशेष बरामद कर गौ हत्या कर मांस खाने के मामले में छह संदेहियों को पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है साथ ही अन्य संदेही गांव से फरार बताया जा रहे है। घटना के बाद से गांव में तनाव की स्थिति निर्मित हो गई है और ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त था।

चावल लोड ट्रक फंसने से ग्रामीण मार्ग के साथ एनएच में लग गया लंबा जाम

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
रेल्वे स्टेशन अंबिकापुर के पीछे बने रेक साईड पर चावल लेकर आ रहे ट्रक के फंस जाने से व भारी वाहनों के कारण शनिवार की देर शाम गांव की सड़क से लेकर एनएच तक लंबा जाम लग गया।

इस जाम के कारण गांव के लोगों का व राष्टीय राज मार्ग में आवागमन करने वाले लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। गौरतलब है कि चठिरमा स्थित चावल गोदाम से अम्बिकापुर रेल्वे स्टेशन तक चावल पहुंचाने के लिए अजिरमा बेरियर से ठाकुरपुर मार्ग के ग्रामीण सड़क का उपयोग कर बड़े-बड़े ट्रकों के माध्यम से चावल को रेल्वे के रेक साईडिंग तक पहुंचाने का काम किया जा रहा है जिससे ठाकुरपुर मार्ग की दुर्गति हो चुकी है ।उक्त मार्ग प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बनी है और इसपर भारी वाहनों का प्रवेश निषेध है। इसके बाद भी रेल्वे और नागरिक आपूर्ति निगम द्वारा नियमों की अवहेलना करते हुए इस मार्ग पर भारी वाहनों से चावल को रेक साईड पर पहुंचाने का काम करवाया जा रहा है। इससे ठाकुरपुर सहित आमगांव, बिशुनपुर खुर्द और अजिरमा के ग्रामीण काफी परेशान है,क्योंकि यही एक मार्ग है जिसका उपयोग ग्रामीण अपने गांव घर तक जाने के लिए करते हैं ।शनिवार की शाम इस मार्ग में एक चावल लोड ट्रक के फंस जाने से यहां भीषण जाम लग गया,गांव की सड़क पर वाहन के फंसने से उसके पीछे-पीछे आ रहे कई ट्रकों की कतार लगती चली गई और पूरा रास्ता जाम हो गया और ठाकुरपुर मार्ग से अजिरमा बेरियर होते हुए एनएच ४३ में भी ट्रकों की कतार लगने से मुख्य मार्ग भी जाम हो गया।

ग्रामीणों का कहना है कि जब रेलवे ने साईडिंग बनाई है तो साईडिंग तक सामान पहुंचाने के लिए रेलवे को सड़क का भी निर्माण कराना चाहिए। नियम विरूद्ध तरीके से परिवहन कर लाभ कमा रहे रेल्वे और नागरिक आपूर्ति निगम को इसपर ध्यान देने की आवश्यकता है अन्यथा किसी दिन लोगों का गुस्सा फट पड़ा तो शासन-प्रशासन के अधिकारी फिर खुद आकर व्यवस्था सुधारेंगे। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन व पुलिस विभाग से इसका संज्ञान लेकर कार्यवाही करने की मांग की है।

भीड़भाड़ वाले महामाया चौक में ट्रैफिक बैरिकेट्स को मारते हुए निकली तेज रफ्तार कार

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)। शहर के आसपास ही नहीं बल्कि शहर के अंदर तेज रफ्तार वाहनों का खौफ कुछ इस तरह से बढ़ता जा रहा है की सुरक्षित चलने वाला व्यक्ति भी सड़क पर सुरक्षित नहीं है। लोग इस तरह से वहां चला रहे हैं कि राहगीरों व दूसरे वाहन चलाने वालों को हर समय खतरा बना हुआ है। शहर के बीच महामाया चौक में जिस प्रकार का वीडियो सामने आया है उसे देखकर ही डर लगता है। महामाया चौक में तेज रफ़्तार कार ट्रैफिक बेरीगेट को ठोकर मारते हुए आगे फरार हो गई। भीड़भाड़ वाले उक्त मार्ग में जिस तरह से वह कार निकली उसे देख कर ही यह समझ जा सकता है कि अंबिकापुर में रफ्तार किस तरह से बढ़ती जा रही है।

मैनपाट में हाथियों ने तीन ग्रामीणों के मकान को तोड़ा, ग्रामीणों में दहशत

अंबिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
सरगुजा जिला के मैनपाट में बीती रात हाथियों के दल ने तीन ग्रामीणों के मकान को तोड़ दिया एवं घर में रखे अनाज को खा लिया।

मैनपाट वन परीक्षेत्र में हाथी तीन दलों में बटकर कर उत्पात मचा रहे हैं ।हाथियों के आमद से ग्रामीणों में दहशत का माहौल निर्मित है ।बेघर हुए परिवारों को आंगनबाड़ी भवन और पक्के मकानो में शिफ्ट किया गया है ।वन विभाग गजराज वाहन के सायरन से हाथियों को बस्तियों से दूर रखने की कोशिश कर रही हैं। जानकारी के अनुसार हाथियों ने ग्राम बरडांड़ से लगे ग्राम भोसणी बोदर में वनवासियों का आशियाना उजाड़ झोपडी में रखे अनाजों को खा दिया ।घटगांव और बरडांड़ में तीन हिस्से में बंटे हाथियों के दल ने तीन घर ढ़हाया। बारिश के मौसम में बेघरबार हुए इन ग्रामीण परिवारों को वन विभाग द्वारा सुरक्षित स्थान पर ठहराने की व्यवस्था की जा रही है। क्षति का आंकलन भी किया जा रहा है ।वन विभाग द्वारा गज विचरण क्षेत्र से लगे बस्ती के ग्रामीणों को आंगनबाड़ी भवन, स्कूल भवन और गांव के अन्य पक्के मकानों में ठहराया गया है ।वन अधिकारियों के मुताबिक मैनपाट में दस हाथियों का दल विचरण कर रहा है, जिसमें दो हाथी बरडांड़ से लगे ग्राम भोसणी बोदर में सैरराम कोरवा और सुधन पिता ढुगुलू कोरवा तथा घटगांव पहुंचे एक हाथी ने सुनील उरांव का घर ढहा दिया।

सात हाथियों का दल नदाईनडांड़ के बांस प्लांटेशन में पूरी रात विचरण करता रहा। अभी भी हाथियों का दल नदाईनडांड़ जंगल के समीप डेरा जमाए हुए है। ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। ग्रामीण रतजगा करने मजबूर हो रहे हैं।

कुएंमारी झरना में पैर फिसलने से रायपुर के युवक की हुई मौत

कोंडागांव। जिले के प्रसिद्ध कुएंमारी झरना में एक दर्दनाक हादसे में रायपुर निवासी संतोष वैद्य की मौत हो गई। संतोष अपने परिवार के साथ घूमने और पिकनिक के लिए यहां पहुंचे थे, लेकिन झरने के पास अचानक उनका पैर फिसल गया, जिससे वे गहरे गढ्ढे में जा गिरे।

घटना के वक्त संतोष झरने के बिल्कुल पास उस स्थान पर खड़े थे जहां पत्थर बेहद फिसलन भरे थे। गिरने के दौरान वह चट्टानों से टकरा गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। वहां मौजूद अन्य पर्यटकों ने तुरंत उन्हें केशकाल अस्पताल पहुंचाया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

अज्ञात हमलावरों ने युवक का आधा जबड़ा काट दिया

असुरक्षित और अशांत हो रहा उदयपुर,बढ़ता अपराध बना चिंता का विषय

उदयपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। उदयपुर शहर में लगातार बढ़ते अपराधों ने आमजन के मन में डर का माहौल बना दिया है। ताजा मामला इतना खौफनाक है कि सुनकर रूह कांप उठे ।शनिवार देर रात उदयपुर थाना क्षेत्र में एक अज्ञात युवक को कुछ अज्ञात हमलावरों ने बेरहमी से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। युवक का आधा जबड़ा काट दिया गया, जिससे उसका चेहरा बुरी तरह लहूलुहान हो गया। युवक के चेहरे पर मांस के लोथड़े झूलते पाए गए, जिससे उसकी हालत अत्यंत गंभीर बनी हुई है। स्थानीय युवा मित्र मंडली के सदस्यों ने घायल युवक को तत्काल सीएचसी अस्पताल, उदयपुर पहुँचाया, जहां उसका इलाज जारी है। मामले की जानकारी मिलते ही उदयपुर पुलिस सक्रिय हुई और थाना प्रभारी शिशिर कांत सिंह, उप निरीक्षक आभाष मिंज के नेतृत्व में टीम अस्पताल पहुंची। प्रारंभिक जांच में धारदार हथियार से हमला करने की आशंका जताई जा रही है। फिलहाल, युवक की पहचान नहीं हो सकी है और न ही हमलावरों की जानकारी सामने आई है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने के साथ ही स्थानीय लोगों से पूछताछ कर रही है ।यह घटना न सिर्फ सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है, बल्कि उदयपुर जैसे शांत इलाके में लगातार बढ़ते अपराधों की गंभीरता को भी उजागर करती है ।सवाल यह है कि क्या नागरिक खुद को सुरक्षित मान सकते हैं।

C M Y K

एक पेड़ मां के नाम अभियान में गृह निर्माण मंडल ने दी पर्यावरण संरक्षण की अनोखी सौगात

प्रकृति मां के समान, उसे बचाना हम सबकी जिम्मेदारी: अनुराग सिंह देव

अंबिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल द्वारा आयोजित ₹एक पेड़ मां के नाम₹ वृक्षारोपण एवं संवर्धन कार्यक्रम आज स्थानीय नमना कला स्थित हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में भव्य रूप से संपन्न हुआ।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंह देव, भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया, अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अखिलेश सोनी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और सभी ने वृक्षारोपण कर कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम में अनुराग सिंह देव ने अपने संबोधन में कहा कि ₹प्रकृति हमारी मां के समान है और उसे बचाना हम सबकी जिम्मेदारी है। जिस प्रकार मां हमें बिना किसी स्वार्थ के स्नेह, पोषण और सुरक्षा देती है, उसी प्रकार प्रकृति भी हमें जीवन देती है। आज का यह अभियान 'एक पेड़ मां के नाम' सिर्फ एक प्रतीक नहीं, बल्कि एक संकल्प है झ कि हम अपनी मां और प्रकृति दोनों के प्रति आभार प्रकट करें। गृह निर्माण मंडल पूरे प्रदेश में जहां-जहां हाउसिंग बोर्ड की कॉलोनी है, वहां यह वृक्षारोपण अभियान चला रहा है। इससे आने वाली पीढ़ियों को शुद्ध वायु, हरियाली और संतुलित पर्यावरण का लाभ

मिलेगा। भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण अब केवल एक अभियान नहीं, अपितु एक जन-आंदोलन का स्वरूप ले चुका है। भाजपा पर्यावरण के प्रति सदैव संवेदनशील रही है और ऐसे प्रेरणादायक आयोजनों के माध्यम से आम जन को जोड़ना हमारा संकल्प है। एक पेड़ लगाकर हम मां के लिए एक सच्ची श्रद्धा अर्पित कर सकते हैं। विधायक राजेश अग्रवाल ने कहा कि वृक्ष हमें जीवन देते हैं और समाज को स्थायित्व प्रदान करते हैं। चएक पेड़ मां के नामज कार्यक्रम जन-मानस को प्रकृति से जोड़ने का एक सशक्त माध्यम है। सरकार और संगठन दोनों पर्यावरण के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अखिलेश सोनी ने कहा कि केवल पौधरोपण नहीं है, यह प्रकृति के संरक्षण की दिशा में उठाया गया एक मजबूत कदम है। यदि हम प्रत्येक वर्ष एक पेड़ भी मां के नाम लगाएं, तो आने वाले वर्षों में यह आंदोलन पर्यावरण क्रांति में बदल जाएगा।

इस अवसर पर विशेष रूप से प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनिल सिंह, मेजर, पूर्व जिला अध्यक्ष ललन प्रताप सिंह, प्रदेश कार्य समिति सदस्य हरपाल सिंह भामरा, महापौर मंजूषा भगत, जिला पंचायत अध्यक्ष निरूपा सिंह, जिला उपाध्यक्ष अंबिकेश केशरी, सभापति हरमिंदर सिंह टिन्नी, कमलभान सिंह, अभिमन्यु गुप्ता, देवनाथ सिंह पैकरा, निलेश सिंह , संजय अग्रवाल, श्वेता गुप्ता, मधु चौदहा, निश्चल प्रताप सिंह, किरण सिंह तोमर, रविन्द्र गुप्त भारती, मनोज गुप्ता, आकाश गुप्ता, रूपेश दुबे, सोमनाथ सिंह, निरंजन रॉय, मनोज कंसारी, कमलेश तिवारी, अवधेश सोनकर, शशिकांत जायसवाल, रविंद्र तिवारी, दीपक तोमर, काशी केशरी, अभय साहू, प्रियंका चौबे, नीलम राजवाड़े, प्रियंका गुप्ता, पूनम सिंह, शिवमंगल सिंह, विकास वर्मा, धनंजय मिश्रा, नितिन गुप्ता, अशोक अग्रवाल, अनूप सिंह, सौरव जायसवाल, शंभु सोनी, जतिन परमार, सूर्य प्रकाश साहू, पंकज चौधरी, सरिता जायसवाल, स्वरूप कान्त थॉमस, प्रमोद दुबे, रंजीत चौबे, विकास गुप्ता, आशीष पांडे, आशुतोष सिंह, राजेंद्र सिंह, अनुज सिंह, भूपेंद्र सिंह, सत्यम साहू, मनोज प्रसाद सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं गृह निर्माण मंडल के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सभी ने एक पेड़ मां के नाम संकल्प के अंतर्गत पौधरोपण कर पर्यावरण सरंक्षण का संदेश दिया और भविष्य में पौधों के संरक्षण का दायित्व भी लिया।

किराना सामान के साथ चोरी का आरोपी गिरफ्तार

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
चोरी के मामले मे गांधीनगर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है.आरोपी के कब्जे से चोरी किया गया किराना सामान सहित ३६२०/- रुपये नगद बरामद किया गया ।

पुलिस ने बताया कि प्रार्थी कमलेश कुमार वर्मा साकिन फुंदुलडिहारी थाना गांधीनगर द्वारा दिनांक २५/०६/२५ कों थाना गांधीनगर आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि प्रार्थी फुंदुलडिहारी चौक मे तिरुपति स्टोर्स किराना दुकान का संचालन करता है कि दिनांक २३/०६/२५ के सुबह दुकान जाकर देखा तों दुकान का चैनल खुला हुआ था और ताला टूटा हुआ था, अंदर दुकान का सारा सामान बिखरा पड़ा हुआ था जो प्रार्थी द्वारा दुकान का सीसीटीवी

फूटेज देखने पर एक अज्ञात युवक प्रार्थी के किराना दुकान मे घुसकर दुकान के दराज से नगदी रकम एवं किराना सामान की चोरी करता दिखाई दे रहा था, अज्ञात आरोपी द्वारा प्रार्थी के दुकान से ९०००/- रुपये नगदी रकम एवं किराना सामान की चोरी किया गया है, मामले मे प्रार्थी के रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध थाना गांधीनगर मे धारा ३३१(४), ३०५(ए) बी. एन. एस. का अपराध दर्ज कर विवेचना मे लिया गया।

दौरान विवेचना पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण कर सीसीटीवी फूटेज का अवलोकन कर मामले के आरोपी का पता तलाश किया जा रहा था, दौरान पता तलाश मुखबिर सूचना पर सोनी मोहल्ला गांधीनगर निवासी शिवांग चौहान कों पकड़कर पूछताछ किया गया जो आरोपी द्वारा अपना नाम शिवांग चौहान आत्मज स्व. इंद्रजीत चौहान उम्र १९ वर्ष साकिन सोनी मोहल्ला थाना गांधीनगर का होना बताया, आरोपी से घटना के सम्बन्ध मे पूछताछ किये जाने पर प्रार्थी के किराना दुकान से नगदी रकम सहित किराना सामान की चोरी किया जाना स्वीकार किया गया, आरोपी के कब्जे से ३६२०/- रुपये नगद एवं किराना सामान बरामद किया गया है, आरोपी के विरुद्ध अपराध सबूत पाये जाने से गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है।

सम्पूर्ण कार्यवाही मे थाना प्रभारी गांधीनगर निरीक्षक प्रदीप जायसवाल, प्रधान आरक्षक अमित प्रताप सिंह, प्रधान आरक्षक बंधु राम सारथी, आरक्षक रमन मण्डल, अतुल शर्मा, घनश्याम देवांगन, राहुल सिंह, संजय कुजूर सक्रिय रहे.

सरगुजा संभाग के नेटबॉल खिलाड़ी राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए ट्रायल में लिया भाग

अंबिकापुर. (अम्बिकावाणी समाचार)।
राष्ट्रीय नेटबॉल चैंपियनशिप २०२५२६ के लिए नेटबॉल स्पोर्ट्स एसोसिएशन छत्तीसगढ़ के तत्वाधान में आज सरगुजा जिला नेटबॉल संघ द्वारा (महिला व पुरुष) टीम का ट्रायल गांधी स्टेडियम में स्थित बास्केटबॉल ग्राउंड में किया गया। जिसमें सुरजपुर, कोरिया, बलरामपुर, जशपुर, सरगुजा के खिलाड़ियों ने भाग लिया। संभाग प्रभारी राष्ट्रीय कोच राजेश प्रताप सिंह ने बताया कि सरगुजा संभाग के खेल विधा में बढ़ी लोकप्रिय खेल नेटबॉल जो छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है। राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए संभाग के खिलाड़ियों ने ट्रायल में भाग लिया। जिसमें सभी खिलाड़ी को खेल की बारीकियों

एवं तकनीकों के बारे में बताया गया।

संघ के सचिव रजत सिंह ने बताया आगामी दिनों में होने वाले चौथी फास्ट-५ सीनियर राष्ट्रीय नेटबॉल चैंपियनशिप (पुरुष व महिला) २०२५-२६ हरियाणा एवं द्वितीय सीनियर राष्ट्रीय मिश्रित नेटबॉल चैम्पियनशिप (पुरुष व महिला) २०२५-२६ हरियाणा में होने वाली जिसमें सरगुजा संभाग के खिलाड़ी प्रदेश टीम में शामिल होंगे। इस अवसर नगर निगम अंबिकापुर एमआईसी मेम्बर प्रियंका गुप्ता, विकास गुप्ता उपस्थित थे।

अंबिकापुर कबीर वार्ड में शिव मंदिर का निर्माण पूर्ण कर हुई प्राण प्रतिष्ठा

राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष ने की थी पहल

अंबिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर की पहल पर अंबिकापुर नगर के दरीपारा स्थित कबीर वार्ड में भगवान शंकर के मंदिर में आज प्राण प्रतिष्ठा हुआ।प्राण प्रतिष्ठा उपरांत मंदिर में भंडारे का आयोजन किया गया,जिसमें सैकड़ो श्रद्धालु ने प्रसाद ग्रहण कर भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद लिया।

रविवार को कबीर वार्ड में राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर,पार्षद किरण प्रकाश साहू एवं वार्ड के सैकड़ो लोगों की उपस्थिति में पंडित अलबेला चौबे ने शिव मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा कराया। इस दौरान रमेश मुंडा,प्रयागराज साहू,संजय अंबष्ट,जमुना सिंह, सुनील चौधरी,बल्लू शर्मा,अनीता सिंह,राजेश ठाकुर, आयुष दुबे,नरेंद्र सिंह,प्रिंस चौबे,सुरेश मलिक,सुनील साहू,नीतू मुंडा सहित वार्ड के सैकड़ों लोग मौजूद थे।

गौरतलब है कि पूर्व में नगरीय निकाय चुनाव के समय पार्षद प्रत्याशी विश्व विजय सिंह तोमर ने कबीर वार्ड में आधे अधूरे शिव मंदिर के निर्माण कराने की घोषणा किए थे,अब जब वह राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष बन गए हैं तो उन्होंने गत फरवरी-मार्च महीने में इस मंदिर के निर्माण कार्य प्रारंभ कराया और मंदिर के गुंबज,टाइल्स व अन्य निर्माण कार्य करा शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा कराया।

ग्राम जजगी बंद पड़े डामर प्लांट के पास बड़े पैमाने पर किया जा रहा रेत का अवैध भंडारण

एनजीटी नियमों को ठेंगा,रेट माफिया सक्रिय

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
सरगुजा जिले के लखनपुर और उदयपुर सीमा पर स्थित जजगी स्थित बंद पड़े डामर प्लांट के पास रेत माफिया के द्वारा बड़े पैमाने पर रेत का अवैध रूप से भंडारण किया गया है। बड़े वाहनों के माध्यम से जिले सहित दूसरे राज्यों में खापाया जा रहा है। यही नहीं इन रेत माफियाओं के द्वारा एनजीटी नियमों के अनदेखी करते हुए लगातार रेंड नदी से रेत का अवैध उत्खनन व परिवहन किया जा रहा है।वही खनिज विभाग आंखे बंद कर बैठा है।राजस्व अधिकारियों से शिकायत के बाद भी इन रेत माफिया के खिलाफ अब तक किसी भी प्रकार की कार्रवाई नहीं की गई है। खनिज और राजस्व

विभाग के उदासीन रवैया से रेत माफिया इन दिनों काफी सक्रिय है रेड नदी से रोजाना अवैध रेत उत्खनन कर ट्रैक्टर ट्राली, डंपर ,४०७ वाहनों में रेत का परिवहन कर रहे हैं

जिससे शासन को प्रतिदिन लाखों रुपए का चूना लग रहा है अवैध रेत उत्खनन और परिवहन की जानकारी प्रशासनिक अधिकारियों को होने के बावजूद वह चुप्पी साधे बैठे हुए हैं। शिकायत होने के बाद भी प्रशासन द्वारा गिने-चुने लोगों पर कार्रवाई कर खानापूर्ति किया जाता है । प्रशासन के द्वारा अवैध रेत उत्खनन और परिवहन पर रोक लगाने अब तक कोई सार्थक कदम नहीं उठाया गया है। खनिज और राजस्व विभाग द्वारा कार्रवाई नहीं करने से अवैध उत्खनन करने वाले लोगों के हौसले बुलंद है और वह लगातार रेत उत्खनन और परिवहन कर मोटी कमाई कर रहे हैं।

राजमाता स्व0 देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव के 92 जयंती पर कांग्रेस कार्यालय में की गई पुष्पांजली अर्पित

अंबिकापुर. (अम्बिकावाणी समाचार)।
राजमाता स्व० देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव के ९२ जयंती पर आज जिला कांग्रेस कमेटी, सरगुजा के कार्यालय राजीव भवन में पुष्पांजली अर्पित कर भावभीनि श्रद्धांजली अर्पीत की गई। इस दौरान उनके ज्येष्ठ पुत्र पूर्व उपमुख्यमंत्राी एवं सरगुजा रियासत के महाराज श्री टी०एस० सिंहदेव भी उपस्थित थे। राजमाता स्वण देवेंद्र कुमारी सिंह देव का जन्म १३ जुलाई १९३३ को हिमाचल प्रदेश के जब्बल राज परिवार में हुआ था। अविभाजित मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्य सचिव एवं सरगुजा महाराज स्व. एमएस सिंह देव से विवाह के बाद वे सरगुजा आई थीं। सरगुजा में उन्होंने पूरा वक्त बिताया। यहीं से उन्होंने राजनीति की शुरूआत भी की थी। कांग्रेस की राष्ट्रीय नेत्री स्व. देवेंद्र कुमारी सिंह देव एक बार अंबिकापुर व एक बार बैकुंठपुर से विधायक भी रहीं। अविभाजित मध्य प्रदेश में प्रकाशचंद्र सेठी व अर्जुन सिंह के मंत्री मंडल की वे मंत्री रहीं। उन्हें आवास, पर्यावरण, मध्यम सिंचाई, वित्त विभाग की जवाबदारी दी गई थी। महाराज स्व० एम०एस० सिंहदेव के शासकीय सेवा में होने के कारण उन्होंने सरगुजा जिले की सभी राजनैतिक और समाजिक जिम्मेदारियों को सम्हाल लिया था। सत्तर और अस्सी के दशक में जबकि राजनीति में महिलाओं की सहभागिता आंशिक थी, उस दौर में वे कांग्रेस की सशक्त महिला नेता बनकर उभरी थी। वे २ बार सरगुजा जिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष भी रही थी। एक महिला होने के बावजूद इस दौरान उन्होंने तत्कालीन सरगुजा जिले के चप्पे-

चप्पे का दौरा कर औपचारिक रुप से कांग्रेस के मजबूत संगठन की आधारशिला रखी थी। उनकी राजनैतिक स्मृतियों को याद करते हुए पूर्व उपमुख्यमंत्राी श्री टी०एस० सिंहदेव ने कहा कि आज से ५०-६० वर्ष पूर्व के राजनैतिक दौर में वे महिलाओं और युवाओं की सक्रीय राजनैतिक भागीदारी की पक्षधर थी एवं इस दिशा में उन्होंने उल्लेखनीय कार्य किया। उस दौर में उनके द्वारा तराशे गये राजनैतिक युवा तुर्क आज सरगुजा में कांग्रेस के अगुआ हैं। उन्होंने कहा कि सरगुजा वासियों की समस्याओं का निराकरण उनकी निजि प्रतिष्ठा का प्रश्न होता था। उन्होंने कभी भी मदद मांगने आने वाले व्यक्ति को निराश नहीं किया। राजमाता स्व० देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव के संगठनात्मक क्षमता और समय की पाबंदी का उल्लेख करते हुए कांग्रेस जिलाध्यक्ष श्री बालकृष्ण पाठक ने कहा कि उनके सानिध्य में ही उन्होंने संगठन की गतिविधियों को सीखा। उन्होंने कहा कि राजमातां तत्कालीन सरगुजा जिले में कांग्रेस संगठन की असली शिल्पकार थी। उनके बनाये हुए संगठन की बदौलत कांग्रेस आज भी सरगुजा में मजबूत है। राजमाता की धार्मिकता और संस्कारों के प्रति दृढता पर अपने विचार रखते हुए कहा कि शंकराचाय श्री स्वरुपानंद सरस्वती जी का अम्बिकापुर आगमन हुआ था एवं उनका निवास पैलेस में स्थित राधावल्लभ मंदिर में था। उनके आगमन के पूर्व की समस्त तैयारियों को राजमाता ने स्वयं कराया था। मंदिर में बनाये शंकराचार्य जी के अस्थायी आवास एवं मंदिर में फर्श की सफाई उन्होंने स्वयं की थी। श्री अजय अग्रवाल ने कहा कि उन्होंने कभी भी राजमाता के सर से पल्लू को गिरते नहीं देखा था। वे भारतीय नारी के परिभाषित आदर्श की प्रतिमूर्ति थी। राजीव भवन में पुष्पांजली के उपरांत प्रतीक्षा बस स्टैण्ड में महाराज स्व० एम०एस०सिंहदेव एवं राजमाता की युगल प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया एवं इसके उपरांत माँ महामाया मंदिर में भंडारा का भी आयोजन हुआ। इस दौरान श्री जे०पी० श्रीवास्तव, श्री द्वितेन्द्र मिश्रा, डॉ० अजय तिर्की, शफी अहमद, श्री राकेश गुप्ता, हेमंत सिन्हा, नुरुल हसन, मो इस्लाम, सत्येन्द्र तिवारी, जगन्नाथ कुशवाहा, दुर्गेश गुप्ता, शैलेन्द्र सिंह, इंद्रजीत सिंह धंजल, रसीद अहमद अंसारी, विनोद एक्का, लुकस एक्का, विजेन्द्र गुप्ता, मदन जायसवाल, लालचंद यादव, शान्तनु मुखर्जी, अनूप मेहता, आशीष वर्मा, लोकेश पासवान, गुरुप्रीत सिद्धू, नरेन्द्र विश्वकर्मा, जमील खान, विकल झा, वेदप्रकाश शर्मा, सोहन जायसवाल, चंद्रप्रकाश सिंह, रजनीश सिंह, निकी खान, जीवन यादव, हिमांशु जायसवाल, शुभम जायसवाल, आशीष जायसवाल, लक्ष्मी गुप्ता, अटल बिहारी यादव, अमितेज सिंह, अमित सिंह, विकास केशरी, अमित वर्मा, रोशन कन्नौजिया, कलीम अंसारी, मो० बाबर, काजू खान, रोशन कन्नोजिया, मिथुन सिंह, सपना सिन्हा, मंजू सिंह, संगीता मिंज, सावित्राी ठाकुर, रश्मी सोनी, सुरेन्द्र गुप्ता, आशीष शील, विकास दुबे, जिलानी खान, हनुमान सिंह, दुर्गा गुप्ता, बैजनाथ ठाकुर, जवाहर सोनी आदि मौजूद थे।

ट्रक ने स्कूटी सवार युवक को मारी टक्कर, मौत

कोंडागांव। श्रीराम मंदिर तालाब के पास बीती रात 9 बजे एक तेज रफ्तार ट्रक ने स्कूटी सवार युवक मोहित सोनी को चपेट में ले लिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। ट्रक चालक घटना के बाद वाहन सहित फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने सड़क जाम कर विरोध जताया, पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाकर फरार ट्रक चालक की पतासाजी कर रही है। कोंडागांव पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार श्रीराम मंदिर तालाब के पास तेज रफ्तार ट्रक ने स्कूटी सवार मोहित सोनी को कुचल दिया। मोहित इस क्षेत्र में धार्मिक सामान बेचने का काम करता था। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद चालक ट्रक सहित फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुचकर स्थिति को नियंत्रित किया। शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा गया।

मैनपाट में हाथियों ने तीन ग्रामीणों के मकान को तोड़ा, ग्रामीणों में दहशत पेज 09

नैनो डीएपी से प्रति एकड़ 75 रूपए की बचत, आसानी से उपलब्ध और उपयोग भी सरल

कोरबा। खरीफ सीजन की शुरूआत के साथ ही राज्य में पर्याप्त बारिश के बाद किसानों ने धान की बुआई-रोपाई का काम तेजी कर दिया है। इस वर्ष किसानों को समय पर खाद और बीज की उपलब्धता ने न केवल बुवाई-रोपाई को सुगम बनाया है, बल्कि किसानों को खेती की लागत में कमी से भी फायदा पहुंचाया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देश पर इस वर्ष चालू खरीफ मौसम में किसानों को प्राथमिक सहकारी कृषि साख समितियों के माध्यम से खाद-बीज की समय पर आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। इससे किसानों को न तो लाइन में लगना पड़ रहा है और न ही खाद-बीज की कालाबाजारी या कमी जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। डीएपी की कमी को नैनो डीएपी और दूसरी खादों के उपयोग से पूरा करने की सरकार की रणनीति ने भी इस बार खेती-किसानी के काम को समय पर पूरा करने में खासी भूमिका निभाई है।

कोरबा जिले के ग्राम जामबहार के प्रगतिशील किसान श्री जगत पाल सिंह ने इस साल ठोस डीएपी की कमी के बावजूद शासन की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि उन्हें इस वर्ष खाद-बीज लेने में किसी प्रकार की असुविधा नहीं हुई है। 22 एकड़ भूमि में खेती करने वाले श्री सिंह ने बताया कि उन्होंने प्राथमिक सहकारी कृषि साख समिति सोनपुरी से यूरिया, डीएपी और नैनो डीएपी लिया है। उन्होंने कहा कि सरकार की किसानों को समय पर खाद-बीज भरपूर मात्रा में उपलब्ध कराने की व्यवस्था ने खूब फायदा पहुंचाया है। खाद-बीज समय पर उपलब्ध हो गए हैं, जिससे खेतों में धान की बुवाई समय पर हो गई और लागत भी घटी है। श्री सिंह ने नैनो डीएपी को भविष्य की खेती का स्मार्ट समाधान बताया। उन्होंने कहा कि कम मात्रा में अधिक प्रभाव वाला यह उर्वरक उत्पादन बढ़ाने में सहायक सिद्ध हो रहा है। श्री सिंह ने कहा कि ठोस डीएपी की कमी को पूरा करने के लिए सरकार ने तरल नैनो डीएपी की भरपूर व्यवस्था कर दी है। तरल नैनो डीएपी से किसानों को धान की एक एकड़ फसल में लागत पर 75 रूपए का फायदा हो रहा है। उन्होंने कहा कि जहां एक एकड़ धान में डालने के लिए ठोस डीएपी की एक बोरी पर एक हजार 350 रूपए खर्च आता है, वहीं तरल नैनो डीएपी को आधी बोरी ठोस डीएपी के साथ एक एकड़ धान में उपयोग करने पर केवल एक हजार 275 रूपए ही लगते है। इस तरह किसानों को एक एकड़ में 75 रूपए की लागत कम लग रही है। श्री जगत पाल सिंह ने शासन और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि विष्णुदेव सरकार की योजनाओं ने किसानों में एक नया भरोसा जगाया है। अब हम बिना तनाव के पूरी निष्ठा से खेती कर पा रहे हैं। यह आत्मनिर्भरता की ओर एक बड़ा कदम है। राज्य सरकार की ये योजनाएं न केवल किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत कर रही हैं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी ताकत दे रही हैं।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार किसानों को आत्मनिर्भर बनाने और खेती को लाभकारी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। प्राथमिक सहकारी कृषि साख समितियों की पारदर्शी वितरण व्यवस्थाएं, समयबद्ध आपूर्ति चेन और तकनीकी नवाचारों को प्राथमिकता देते हुए सरकार किसानों तक योजनाओं का लाभ पहुँचा रही है।

सीआरपीएफ 196 बटालियन के सिविक एक्शन कार्यक्रम में बांटे ग्रामीणों को रेडियो

बीजापुर। जिले के थाना आवापल्ली के अंतर्गत अति नक्सल प्रभावित क्षेत्र सीतापुर में बी/196 बटालियन केरिपु.बल के द्वारा कृष्णा कुमार यादव, (सहा.कमा.) के नेतृत्व में सिविक एक्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों में सुरक्षा का भाव उत्पन्न करना एवं केन्द्र तथा राज्य सरकार द्वारा संचालित सभी विकास एवं लाभकारी योजनाओं की जानकारी देना एवं ग्रामीणों एवं प्रशासन के बीच आपसी समन्वय स्थापित करना है। आज के कार्यक्रम में ग्रामीणों को रेडियो सेट वितरित किए गये ताकि वे सूचना और जागरूकता से जुड़े रह सके और मन की बात कार्यक्रम को सीधे सुन सके। साथ ही महिलाओं और बच्चो को कपड़े, खाने के लिए स्टील के बर्तनो एवं गिलास भी वितरण किया गया, इसके अतिरिक्त खेलकूद का सामान भी वितरित किया गया। सीआरपीएफ. बी/196 बटालियन के कम्पनी कमांडर कृष्णा कुमार यादव ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए शिक्षा के महत्व और देश की एकता व अखंडता में अपनी भूमिका को लेकर प्रेरक व्याख्यान दिया और कहा कि सीआरपीएफ. सभी ग्राम व निवासियों की सुरक्षा, सम्मान, सहायता एवं सहयोग के लिए हमेशा प्रतिबद्ध एवं प्रयासरत है। सीआरपीएफ. स्थानीय प्रशासन एवं राज्य सरकार नए सुरक्षा कैम्प, जन सुविधा केन्द्र, सड़क, बिजली, पानी आदि उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत है। उन्होने आह्वान किया कि वे नक्सलियों के बहकावे ना आयें एवं अपने बच्चों को अच्छे भविष्य के लिए शिक्षा दिलवाये, केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न प्रकार की कल्याणकारी योजनाओं का भरपूर लाभ उठायें व एकजुट होकर देश के अग्रणी विकास में भागीदार बनें। इस दौरान सभी गांव के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

तेज डायग्नोस्टिक/ब्लड बैंक (सेंटर)
माता राजरानी मेमोरियल MRM हॉस्पिटल
बाबुपारा, जोड़ा तालाब के सामने, अम्बिकापुर सरगुजा (छ.ग.)

डॉ. अमित जैन
MS, MCH (Neuro Surgery)
मस्तिष्क एवं रीढ़ की हड्डी रोग विशेषज्ञ

डॉ. रितेश रंजन
MBBS, MS, MCH (Mumbai)
Neonatal & Pediatric Surgeon
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन

डॉ. गौरी शंकर सिंह
MBBS (AFMC) MD (Psychiatry) BHU
मानसिक रोग के लक्षण

डॉ. करण सराफ
MBBS, MD (Medicine) DM (Nephrology) Gold Medalist Consultant Nephrologist & Treatment Physician
किडनी रोग विशेषज्ञ

डॉ. स्नेहिल गोस्वामी
DNB Cardiology
हृदय रोग विशेषज्ञ

तेज डायग्नोस्टिक सेन्टर
1.5 TESLA MRI

20 जुलाई 2025 माह के तीसरे रविवार
अग्रिम पंजीयन हेतु सम्पर्क करें
07774222555,9425583780,9826183780,
8224007799,8718003300,6262639090
आयुष्मान योजना द्वारा भर्ती, सर्जरी, उपचार एवं जाँच की सुविधा उपलब्ध

बांसकुंड चिनार नदी स्टॉपडैम के 16 पिलरों को कूदकर रोज आना-जाना कर रहे ग्रामीण

कांकेर। जिला मुख्यालय से 45 किमी दूर बांसकुंड गांव में बहने वाली चिनार नदी में पुल नसीब नहीं होने से बांसकुंड गांव के तीन आश्रित गांव ऊपर तोनका, नीचे तोनका और चलाचूर के 500 ग्रामीण बरसात के 3 महीने जिला मुख्यालय, ब्लाक मुख्यालय और ग्राम पंचायत से कट जाते हैं। इस दौरान मजबूरी में ग्रामीण चिनार नदी पर बने स्टॉपडैम से आवागमन करते हैं। इस बार भी ग्रामीण स्टॉपडैम के 16 पिलरों को कूद कर रोज आना-जाना कर रहे, इससे ग्रामीणों के जान को खतरा बना रहता है।

ग्रामीणों का कहना है कि ऊपर तोनका, नीचे तोनका और चलाचूर तीन गांव के ग्रामीण लगातार चिनार नदी पर पुल बनाने की मांग कर रहे हैं। लंबे संघर्ष के बाद हाटकर्रा गांव से ऊपर तोनका 4 किमी सड़क तो बनवा दी, लेकिन जिम्मेदार पुल बनाना भूल गए। यही कारण है कि ग्रामीण रोज स्टॉपडैम के 16 पिलर को फांद कर आना जाना करते हैं। खाद-बीज या दैनिक उपयोग के राशन समान को ग्रामीण कांधे पर लादकर रोजाना 16 पिलरों को लांघ कर पार करते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि नदी उफान पर होने से स्कूल में पढ़ाने बारिश में शिक्षक नहीं आ पाते हैं। ऊपर तोनका और नीचे तोनका गांव में प्राथमिक पाठ शाला है, लेकिन हाईस्कूल व हायर सेकेंडरी पढ? छात्रों को नदी पार कर बांसकुंड आना होता है। बच्चे भी पानी कम रहने पर इसी तरह रोज स्टॉपडैम के पिलरों को लांघ कर स्कूल आते-जाते हैं। राशन लेने जाने में भी दिक्कत होती है, आपात स्थिति में मरीजों को अस्पताल ले जाना संभव नहीं हो पाता है।

गौरतलब है कि स्टॉप डेम में छलांग लगाना जोखिम भरा है। पिछले साल एक स्कूली बच्चा पिलर लांघते समय नदी में गिर गया था, ग्रामीण वहां पर मौजूद थे, इसलिए उसे बचा पाए। उसके बाद एक शिक्षक भी गिर गया था, जो खुद तैर कर बच गए। ग्रामीणों का कहना है कि चिनार नदी पर 10 साल पहले स्टॉपडैम जरूर बनाया गया था, जिसमें गेट नहीं होने से पानी नहीं रूकता है ।जिला पंचायत सीईओ हरेश मंडावी का कहना है कि ग्रामीण पुल की मांग पहले से कर रहे हैं। हमने शासन स्तर पर पुल का प्रस्ताव भेजा है, जल्द ही ग्रामीणों को पक्का पुल मिल जाएगा। हम लगातार अंदरुनी क्षेत्रों में सड़क और पुल-पुलियों का जाल बिछा रहे हैं। ग्रामीणों को परेशानी न हो इसीलिए जल्द वहां पक्का पुल बनाया जाएगा।

प्रयास विद्यालयों में कक्षा 9वीं प्रवेश हेतु प्रतीक्षा सूची जारी, 15 से 18 जुलाई तक रायपुर में होगी काउंसलिंग

अम्बिकापुर। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा संचालित प्रयास आवासीय विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए कक्षा 9वीं में प्रवेश हेतु चयनित विद्यार्थियों की वर्गवार प्रतीक्षा सूची जारी कर दी गई है। यह सूची विभागीय वेबसाइट पर अपलोड की गई है। आयुक्त, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास, इन्द्रावती भवन, अटल नगर, नवा रायपुर द्वारा जारी सूचना के अनुसार, प्रतीक्षा सूची में सम्मिलित विद्यार्थियों के लिए काउंसलिंग दिनांक, समय एवं स्थल निर्धारित कर दिए गए हैं। काउंसलिंग का आयोजन प्रयास कन्या आवासीय विद्यालय, गुढि?ारी, जिला रायपुर (छ.ग.) में किया जाएगा।

काउंसलिंग कार्यक्रम का वर्गवार विवरण इस प्रकार है:-

अनुसूचित जनजाति एवं विशेष रूप से कमजोर जनजाति समूह - बालक 15 जुलाई 2025 समय प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक अनुसूचित जनजाति एवं विशेष रूप से कमजोर जनजाति समूह - बालिका 16 जुलाई 2025 समय प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक अनुसूचित जाति/ बालक/बालिका : 17 जुलाई 2025 समय प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक अन्य पिछड़ा वर्ग - बालक/बालिकाः 18 जुलाई 2025 समय प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक सामान्य वर्ग एवं अल्पसंख्यक / बालक/बालिकाः 18 जुलाई 2025 समय प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक प्रत्येक विद्यार्थी को एक अभिभावक या पालक के साथ निर्धारित दिनांक को उपस्थित होना अनिवार्य है। उन्हें निम्न दस्तावेजों की मूल व छायाप्रति सहित साथ लाना अनिवार्य होगा प्रवेश पत्र,सक्षम अधिकारी द्वारा जारी स्थायी जाति प्रमाण पत्र, वर्ष 2024-25 में कक्षा 8वीं प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होने का प्रमाण पत्र, यदि परिवार नक्सल हिंसा से प्रभावित है, तो पुलिस अधीक्षक द्वारा जारी प्रमाण पत्र, शाला स्थानांतरण प्रमाण पत्र या शाला छोड ? का प्रमाण, मेडिकल बोर्ड द्वारा जारी चिकित्सा जांच प्रमाण पत्र, सिकलसेल जांच प्रमाण पत्र, पासपोर्ट साइज रंगीन फोटो, च्वाइस फिलिंग फॉर्म (काउंसलिंग प्रपत्र) अनुपस्थिति की स्थिति में सीट आवंटन निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित नहीं होने की स्थिति में संबंधित विद्यार्थी की पात्रता के आधार पर रिक्त सीटों के अनुसार संस्था का पुनः आवंटन किया जाएगा। आयुक्त, आदिवासी विकास विभाग ने संबंधित विद्यार्थियों व पालकों से समय पर उपस्थित होकर समस्त आवश्यक दस्तावेजों के साथ काउंसलिंग में भाग लेने की अपील की है, ताकि प्रवेश प्रक्रिया में कोई बाधा उत्पन्न न हो।

◆◆◆---अपना बाजार---◆◆◆

"M.S., E.N.T."
नाक, कान, गला
दूरबीन से प्रतिदिन नाक, कान, गला की जांच की जाती है
रोगों के वरिष्ठ अनुभवी चिकित्सक (अत्याधुनिक उपकरणों की सुविधा) के साथ
प्रतिदिन उपलब्ध
समय-दोपहर 2 बजे से सायं 5 बजे तक
कान एवम् बहरेपन की सम्पूर्ण जांच की जर्मनी की अत्याधुनिक मशीन द्वारा।
कान की मशीन उत्कृष्ट क्वालिटी एवं दो साल की वारण्टी के साथ अत्यन्त रियायती मूल्यों पर उपलब्ध।
आडियोमेट्री की जांच एवम् सेवाए नियमित उपलब्ध
विशेष- नाक, कान, गले से संबंधित सभी प्रकार के आपरेशन (सर्जरी) की सुविधा स्मार्ट कार्ड द्वारा उपलब्ध।
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

विज्ञापन के लिए जगह रिक्त है

माता राजरानी मेमोरियल ¼MRM½ हॉस्पीटल
RSBY/MSBY (स्मार्ट कार्ड) द्वारा भर्ती एवं इलाज की सुविधा उपलब्ध
स्थान - बाबुपारा, जोड़ा तालाब के सामने, अम्बिकापुर,
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

बच्चों के N.I.C.U. सुविधा
नवजात बच्चों को गहन चिकित्सा कक्ष की सुविधा।
24 घंटे विशेषज्ञों की देख-रेख में वेंटीलेटर, सी-पेप एवं अन्य अत्याधुनिक उपकरणों से युक्त नियोनेटल केयर यूनिट
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

एम.एस. जनरल सर्जन
हॉर्निया, हाईड्रोसिल, एपेण्डीक्स, पाईल्स, पथरी एवं सभी प्रकार की जनरल सर्जरी एवं हर प्रकार के आपरेशन की सुविधा प्रतिदिन
fo'k"k & RSBY & MSBY (स्मार्ट कार्ड) की सुविधा उपलब्ध
-: प्रतिदिन उपलब्ध:-
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

प्रतिदिन फिजिशियन परामर्श
डायबिटिज (शुगर/मधुमेह), हृदय संबंधी समस्त रोग, सभी प्रकार के हार्मोन्स विकार (थाइराईड), समस्त प्रकार के इंफेक्शन (सर्दी, खांसी, बुखार, ब्लड प्रेशर (हायपरटेंशन)), एनीमिया, सिकलिंग, थैलीसीमीया, टी.बी., श्वसन एवं छाती संबंधी समस्त रोग, पाचन एवं पेट, लीवर, किडनी (गुर्दा), सिर, मस्तिष्क एवं नस संबंधी समस्त रोग एवं सभी प्रकार के पुराने रोगों के उपचार हेतु उपलब्ध रहेंगे...
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

सभी बीमारियों के विशेषज्ञ चिकित्सक नियमित उपलब्ध
डॉक्टर्स हाउस
रानी तालाब के सामने, गेहूं बाड़ी के आगे शासकीय अस्पताल रोड, अम्बिकापुर
मो.-94255-83780, 62626-39090, 62626-39191
फोन 07774222555

पतंजली सेवा केन्द्र
पतंजली के सभी प्रोडक्ट पर 2 से 10 प्रतिशत तक की छूट उपलब्ध
निः शुल्क डॉक्टर (वैद्य) परामर्श सेवा प्रतिदिन उपलब्ध
सुबह 10.00 बजे से रात्रि 8.00 बजे तक
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर, तेज मेडिकल के सामने
सम्पर्क नम्बर- 9425583780, 9522629990
आपसे विनम्र निवेदन है कि जरूरतमंद मरीजों तक इसकी जानकारी देने की कृपा करें।
आपके सहयोग एवं सलाह के लिए हृदय से धन्यवाद।

आधुनिक मशीनों एवम् विश्वसनीय जांच 24 घंटे उपलब्ध
एम.आर.आई
सीटी स्कैन
सोनोग्राफी
टी.एन.टी.
ब्लड बैंक सुविधा (24 घंटे)
ई.ई.जी., ई.सी.जी.
टीकाकरण की सुविधा प्रतिदिन
आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित कम्प्यूटरीकृत पैथोलॉजी लैब
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
बाबुपारा, जोड़ा तालाब के सामने, अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

SRS HOSPITAL
न्यूनतम दर, उच्चतम सेवा
हमारी उच्च स्तरीय स्वस्थ्य सेवाएं
• जनरल मेडिसिन, सर्जरी रोग, हड्डी रोग, स्त्री रोग, नेत्र रोग, एवं बाल हृदय रोग
• सभी प्रकार के सर्जरी की सुविधा आयुष्मान कार्ड द्वारा उपलब्ध है
• 24X7 आपातकालीन सुविधा
• क्रिटिकल केयर एवं ट्रामा केयर
• एडवांस आई. सी. यू. यूनिट
• निःशुल्क डायलिसिस की सुविधा
• 24X7 फार्मेसी एवं डायग्नोस्टिक सेवाएं उपलब्ध
आयुष्मान भारत कार्ड द्वारा इलाज की सुविधा उपलब्ध
More Information call us
+91 96176 05000, +91 70499 85558
जिला अस्पताल रोड, मणिपुर स्कूल के पास अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ. ग.)

आपके नगर अम्बिकापुर में अब प्रतिदिन विशेषज्ञ उपलब्ध
मानसिक एवं नशामुक्ति विशेषज्ञ
समय-दोपहर 2 बजे से 6 बजे तक
रोग डिप्रेशन, उदासी, चिंता, घबराहट, सरदर्द, माइग्रेन, मिर्गी, झटका, बेहोशी, कम एकाग्रता, नींद की कमी, असामान्य व्यवहार, पागलपन, शराब व अन्य नशे की लत, गर्दन दर्द, कमर दर्द, मांसपेशियों में दर्द, बच्चों में चंचलता, मंदबुद्धि आदि से संबंधित बीमारियों के परामर्श एवं उपचार
पता: माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल/ तेज डायग्नोस्टिक
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास, अम्बिकापुर मो.नं. 07774-222999, 8224007799, 98261

राजस्थान : सीकर में छात्र ने आत्महत्या की, निजी हॉस्टल के कमरे में लगाई फांसी

सीकर ,13 जुलाई (ए)। राजस्थान के सीकर में एक छात्र ने हॉस्टल के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या की है। यह छात्र सीकर शहर के उद्योग नगर थाना इलाके में नीट की तैयारी कर रहा था। शनिवार रात छात्र ने निजी हॉस्टल के कमरे में बेडशीट से फांसी लगाई। इससे आसपास के इलाके में सनसनी फैल गई।

मृतक छात्र की पहचान बालोतरा जिले के समदड़ी निवासी दिनेश कुमार के रूप में हुई। जानकारी के मुताबिक, छात्र 2 दिन पहले ही इस हॉस्टल में आया था और सिर्फ एक दिन कोचिंग के लिए गया। शनिवार रात छात्र दिनेश कुमार ने सुसाइड कर लिया। इस घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची उद्योग नगर थाना पुलिस ने शव को फांसी के फंदे से उतारा और पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा। हालांकि, छात्र के सुसाइड करने का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है।

नैनो डीएपी से प्रति एकड़ 75 रूपए की बचत, आसानी से उपलब्ध और उपयोग भी सरल...पेज 11

कैथल : मुख्यमंत्री नायब सैनी ने हाफ मैराथन से की 'नशा मुक्त हरियाणा अभियान की शुरूआत

कैथल ,13 जुलाई (ए)। हरियाणा के कैथल में रविवार को मुख्यमंत्री नायब सैनी ने प्रदेश को नशा मुक्त बनाने के उद्देश्य से आयोजित हाफ मैराथन की शुरूआत की। उन्होंने मैराथन को झंडी दिखाकर रवाना किया और धावकों पर फूल बरसाए। इस आयोजन के ब्रांड एंबेसडर पैरालंपिक गोल्ड मेडलिस्ट और पद्मश्री तीरंदाज हरविंदर सिंह थे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि 'हरियाणा उदय कार्यक्रमइ और 'नशा मुक्ति अभियानइ के अंतर्गत रविवार को कैथल में हाफ मैराथन का आयोजन किया गया। इस आयोजन में हजारों बच्चों और नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मैं सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं।

प्रेस वार्ता में नायब सिंह सैनी ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2047 तक 'विकसित भारतइ बनाने का लक्ष्य रखा है, जिसको लेकर देश में गति से काम हो रहा है। इसके लिए जरूरी है कि हमारा युवा स्वस्थ और तंदुरुस्त हो। जब युवा स्वस्थ होगा तो समाज स्वस्थ होगा। जब समाज स्वस्थ होगा तो राष्ट्र स्वस्थ होगा। जब राष्ट्र स्वस्थ होगा, तब प्रधानमंत्री मोदी का सपना पूरा होगा। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों पर ध्यान दें और प्रदेश को नशा मुक्त बनाने में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि अगर कोई व्यक्ति या कोई युवा साथी नशा करता है तो उससे दूरी बनाने के बजाय उसे समझाने का प्रयास करना चाहिए।

इस बीच पद्मश्री हरविंदर सिंह ने कहा, मुझे खुशी है कि मेरे गृह जिले कैथल में नशे के खिलाफ इतना बड़ा आयोजन किया गया। बच्चों को नशे से दूर रहना चाहिए। जीवन में एक लक्ष्य तय करना चाहिए और उसके लिए मेहनत करनी चाहिए।

उन्होंने कहा, नशा हमारे समाज की एक बड़ी बुराई है और हमें मिलकर इसके खिलाफ लड ?ा होगा। उन्होंने यह भी कहा कि नशा करने वाले युवाओं से नफरत नहीं, बल्कि संवाद करना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि जितने ज्यादा युवाओं को खेलों से जोड़ा जाएगा, उतना ही नशे को पीछे हटाया जा सकेगा।

इस मैराथन में प्रतिभागियों ने 5 किलोमीटर से लेकर 21 किलोमीटर तक की दौड़ में हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री ने पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर आने वाले प्रतिभागियों को चेक देकर सम्मानित किया और उनका उत्साह बढ़ाया।

संबंध बनाने के मजबूर कर रहा था एचओडी, तंग आकर छात्रा ने कॉलेज में खुद को लगा ली आग, वीडियो में कैद हुई भयावह घटना

ओडिशा ,13 जुलाई (ए)। ओडिशा के बालासोर जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहाँ एक कॉलेज की छात्रा ने अपने विभागाध्यक्ष (ॗह्रष्ठ) की लगातार प्रताड ?ा और यौन संबंध बनाने की मांगों से तंग आकर खुद को आग लगा ली। छात्रा 95त्न तक झुलस गई है और उसकी हालत बेहद गंभीर बनी हुई है। उसे बचाने की कोशिश में एक अन्य छात्र भी 70त्न तक झुलस गया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी विभागाध्यक्ष को गिरफ्तार कर लिया गया है। उच्च शिक्षा विभाग ने आरोपी एचओडी और कॉलेज के प्रिंसिपल, दोनों को निलंबित कर दिया है। राज्य के उच्च शिक्षा मंत्री सूर्यबंशी सूरज ने कहा, दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जानकारी के अनुसार, फकीर मोहन कॉलेज में इंटीग्रेटेड बी.एड की छात्रा ने 1 जुलाई को कॉलेज की आंतरिक शिकायत समिति में अपने विभागाध्यक्ष समीर कुमार साहू के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। छात्रा ने आरोप लगाया था कि साहू उस पर लगातार गलत मांगों के लिए दबाव बना रहा था और मांग पूरी न करने पर उसका भविष्य बर्बाद करने की धमकी दे रहा था।

सूत्रों का कहना है कि छात्रा को सात दिनों के भीतर कार्रवाई का आश्वासन दिया गया था, लेकिन जब कोई कदम नहीं उठाया गया तो शनिवार को छात्रा ने अन्य छात्रों के साथ मिलकर कॉलेज गेट के बाहर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। इसी दौरान, वह अचानक उठी और प्रिंसिपल के कार्यालय के पास जाकर खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली।

घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें छात्रा आग की लपटों में घिरी हुई कॉलेज के गलियारे में दौड़ती दिख रही है। एक छात्र उसकी मदद करने की कोशिश करता है, लेकिन उसकी टी-शर्ट में आग लगने के बाद वह पीछे हट जाता है।

कॉलेज के प्रिंसिपल दिलीप घोष ने कहा कि शिकायत दर्ज कर ली गई थी और आंतरिक समिति रिपोर्ट सौंपने की प्रक्रिया में थी। वहीं, बालासोर के पुलिस अधीक्षक (स्क्क) राज प्रसाद ने कहा, आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार कर लिया गया है।

कई टीमें सबूत इक्ा कर रही हैं। जो भी दोषी पाया जाएगा, उसे

महाराष्ट्र : मंत्री योगेश कदम ने 'वर्षा मैराथन में लिया हिस्सा, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का दिया मंत्र

मुंबई ,13 जुलाई (ए)। महाराष्ट्र के गृह राज्य मंत्री और दापोली के विधायक योगेश रामदास कदम ने खेड़ शहर में लायंस क्लब ऑफ खेड़ सिटी की ओर से आयोजित 'वर्षा मैराथन 2025इ में उत्साहपूर्वक भाग लिया। रन फॉर हेल्थ की थीम के तहत आयोजित इस मैराथन का शुभारंभ सुबह 7 बजे मुकादम लैंडमार्क, खेड़ से हुआ, जिसमें जिले भर से 1000 से अधिक धावकों ने हिस्सा लिया। मंत्री कदम ने न केवल इस आयोजन का उद्घाटन किया, बल्कि स्वयं दौड़ में शामिल होकर नागरिकों को फिटनेस और स्वास्थ्य के प्रति प्रेरित किया।

इस मैराथन में पुरुष, महिला, वरिष्ठ नागरिक और विशेष अतिथि वर्ग के लिए चार अलग-अलग श्रेणियां रखी गई थीं। आयोजकों ने मार्ग पर मेडिकल सपोर्ट, वॉटर स्टेशन और एनर्जी ड्रिंक्स की व्यवस्था उपलब्ध कराई थी, ताकि धावकों को किसी तरह की कोई परेशानी न हो पाए।

मंत्री योगेश कदम की सक्रिय भागीदारी ने इस आयोजन को और भी खास बना दिया। उन्होंने कहा, स्वस्थ जीवनशैली अपनाना आज के समय की सबसे बड़ी जरूरत है। इस तरह के आयोजन न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देते हैं, बल्कि सामुदायिक एकता को भी मजबूत करते हैं। 'लायंस क्लब ऑफ खेड़ सिटीइ के अध्यक्ष ने भी इस अनूठे मैराथन के पीछे की वजह बताई। कहा कि इस मैराथन का उद्देश्य लोगों को नियमित व्यायाम और स्वस्थ जीवनशैली के लिए प्रोत्साहित करना था। आयोजन में सभी आयु वर्ग के लोगों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। मैराथन के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए, और सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। स्थानीय लोग भी इससे काफी प्रसन्न दिखे। उन्होंने इस आयोजन को कोंकण क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक पहल बताया, जो स्वास्थ्य और सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मंत्री कदम ने आयोजकों की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन भविष्य में भी होने चाहिए, ताकि लोग स्वास्थ्य के प्रति और अधिक जागरूक हों।

कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ने खोला मोर्चा, निकालेंगे वृहद ध्यानाकर्षण रैली

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। मोदी की गारंटी लागू करवाने कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ने आंदोलन का शंखनाद कर दिया है। विधान सभा सत्र के पूर्व १६ जुलाई को समस्त जिला मुख्यालयों में मोदी की गारंटी लागू करने के सरकार के वादे को याद दिलाने के लिए ध्यानाकर्षण रैली निकाल कर ज्ञापन सौंपा जाएगा। इसी तारतम्य में कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन जिला संयोजक डॉ आर एस सिंह की अध्यक्षता में जिला स्तरीय बैठक कर आंदोलन की तैयारी हेतु रणनीति तैयार की गई। उक्ताशय की जानकारी देते हुए जिला संयोजक ने बताया कि विधानसभा लोकसभा निर्वाचन के दौरान वर्तमान सरकार ने छत्तीसगढ़ में मोदी जी की गारंटी के तहत अनेक वादे किए थे,लेकिन अभी तक कर्मचारियों के लिए एक भी वादे पूरे नहीं किये गये हैं, जिससे कर्मचारियों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

०० बैठक में बनी रणनीति

कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ने कई बार पत्राचार कर सरकार को ध्यानाकर्षण कराया है किंतु सरकार की ओर से कोई भी सकारात्मक पहल नहीं की गई है। अभी विधानसभा सत्र प्रारंभ होने वाला है इसलिए पुनः ध्यानाकर्षण करने के लिए १६ जुलाई को भोजनावकाश में ध्यानाकर्षण रैली के माध्यम से ज्ञापन सौपा जाएगा, यदि सरकार जल्द मांगों पर पहल नहीं करती है तो चरणबद्ध तरीके से आगामी २२ अगस्त को प्रदेश के समस्त कर्मचारियों द्वारा एक दिवसीय सामुहिक अवकाश व सितंबर से अनिश्चितकालीन आंदोलन करने हेतु बाध्य होंगे। जिला संयोजक फेडरेशन महिला प्रकोष्ठ प्रतिमा सिंह ने जिले के समस्त कर्मचारी ,अधिकारियों से अपील करते हुए कहा कि सभी अपने हक, अधिकार की इस लड़ाई में बढ़ चढ़कर हिस्सा लें। जिला फेडरेशन महासचिव मो.इकबाल अंसारी ने बताया कि १६ जुलाई को दोपहर १:०० बजे जिले के सभी कर्मचारी अधिकारी रंगमंच मैदान में एकत्रित होंगे व रैली निकाल कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। बैठक में डॉ आर एस सिंह, डॉ राजेश पैकरा, प्रतिमा सिंह, मो.इकबाल अंसारी, गोपाल विश्वकर्मा, विजय साहू,निर्मल भट्टाचार्य, मनीष दीपक साहू, राजकुमार सिंह, प्रदीप कुमार सिंह,सतीश प्रताप सिंहदेव, राधेश्याम साहू,महेश पैकरा, आदित्य शर्मा,विन्देश गुप्ता, निधि श्रीवास्तव, ज्योति साधना, माया शर्मा,अनुरंजन देव,रमेश राजवाड़े, संत राम,रामनंदे साहू,रवि प्रसाद पैकरा,शिव कुमार पैकरा,यशवंत प्रताप सिंह,अवधेश कुमार सिंह सहित अन्य कर्मचारी अधिकारी उपस्थित थे।

संयुक्त संवेदना समिति ने दिवंगत शिक्षक साथी की पत्नी को दी एक लाख रुपये की राशि

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। संयुक्त संवेदना समिति द्वाराशा. प्रा. शा. खोरहरी जोर विकासखण्ड - ओड़गी के दिवंगत शिक्षक बलजीत सिंह स. शि. (एल. बी.) की पत्नी श्रीमती भोली पैकरा को आकस्मिक स्वर्गवास हो जाने के बाद समिति के सदस्यों ने उनके गृह ग्राम पकनी में उपस्थित होकर दिवंगत शिक्षक को श्रद्धांजलि देते हुवे दो मिनट का मौन धारण किया और उनकी पत्नी को ग्राम के वरिष्ठ समाजसेवी सुरेश कुमार अग्रवाल के हाथों च्एक लाख रुपयेज्ज की संवेदना राशि प्रदान की। समिति के ब्लॉक संचालक ओड़गी मो. महमूद और ब्लॉक संचालक भैयाथान सुरेन्द्र दुबे ने इस योजना की और जानकारी देते हुवे बताया कि वर्ष २०२१ से प्रारम्भ इस योजनांतर्गत अब तक सूरजपुर जिले सेच्च्दो हजार से अधिक ₹ शिक्षकों ने सदस्यता ग्रहण कर ली है और बीस दिवंगत शिक्षकों के आश्रितों को संवेदना राशि प्रदान की गई है। पकनी में संयुक्त संवेदना राशि का चेक प्रदान करने में राकेश शुक्ला, गिरवर यादव, राधेश्याम साहू, मनोज कुशवाहा, धीरेंद्र सिंह, महेश पैकरा, मनोहर गुप्ता, मो.महमूद, सुरेन्द्र दुबे, राजेश प्रसाद दुबे, भुवनेश्वर सिंह, राजेश कुमार जायसवाल, रामज्ञान सिंह, रामशरणसिंह, हरिकेश्वर पैकरा, शंकर प्रसाद जायसवाल, घनश्याम अग्रवाल, राम शरण सिंह, शिव प्रसाद पैकरा, सोबरन राजवाड़े, चन्द्र प्रकाश कुजुर, राजेश पैकरा, मलय कुमार कर्ष, विजेंद्र देवांगन, श्रीमती बोलावती पैकरा, सुनिति कुशवाहा, कु. चन्द्र किरण पटेल सहित अन्य साथी उपस्थित थे।

16 व 17 जुलाई प्रदेश में स्वास्थ्य सेवा होगी बाधित

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। प्रदेश के भारतीय जनता पार्टी की सरकार को लेकर कर्मचारियों में बड़ा आक्रोश है । विधानसभा चुनाव में बनाए गए मोदी की गारंटी नाम के घोषणा पत्र में संविदा अनियमित संवर्ग के कर्मचारियों के समस्याओं का निराकरण करने की बात कही गई किंतु सरकार गठन के बाद आज तक कुछ नहीं किया गया। प्रदेश के मेडिकल कॉलेज अस्पतालों से लेकर ग्राम स्तर पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के १६ हजार संविदा स्वास्थ्य कर्मी कार्यरत हैं जो अपनी मांगों को लेकर १६ और १७ जुलाई को आंदोलन पर रहेंगे। इसमें डॉक्टर ,नर्स,फार्मासिस्ट ,लैब व एक्सरे टेक्नीशियन ,ए एन एम सहित कार्यालयीन एवं अस्पतालों के सफाई और हाउस कीपिंग स्टाफ सम्मिलित हैं।इस आंदोलन के कारण टीबी ,कुष्ठ,मलेरिया,टीकाकरण ,लैब की जांचे, दवाई का वितरण ,स्कूलों आंगनबाड़ी में बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण ,नवजात शिशु देखभाल केंद्र, पोषण पुनर्वास केंद्र ,बुजुर्गों की फिजियोथेरेपी,गाँव के आयुष्मान केंद्रों में ओपीडी,मौसमी बीमारियों की रोकथाम जैसी महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सुविधा को लेकर आम जन को असुविधा का सामना करना पड़ेगा । ध्यान रहे प्रदेश में कुल कार्यरत चिकित्सा स्टाफ का लगभग ३५ प्रतिशत स्टाफ राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के संविदा स्वास्थ्य कर्मी ही हैं। छग प्रदेश एन एच एम कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ अमित कुमार मिरी के अनुसार राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन २० वर्षों से जारी है । इसके माध्यम से शहरों से लेकर सुदूर ग्रामों तक में स्वास्थ्य सुविधाएं संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी प्रदान कर रहे हैं । सभी राष्ट्रीय कार्यक्रम के क्रियान्वयन के साथ -साथ ,केंद्र और राज्य की स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ भी आम जनता को उनके द्वारा दिया जाता है ,परंतु दुखद स्थिति यह है कि, आज पर्यंत इन कर्मचारियों के बेहतर सामाजिक आर्थिक सुरक्षा का प्रयास शासन-प्रशासन द्वारा नहीं किया गया ।पड़ोसी राज्यों जैसे मध्य प्रदेश, राजस्थान ,महाराष्ट्र में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में कार्यरत कर्मचारियों को बेहतर वेतन, अनुकंपा ,जॉब सुरक्षा ,पे स्केल नई पेंशन स्कीम, दुर्घटना बीमा, चिकित्सा परिचर्या जैसी सुविधाएं प्रदान की जाती हैं किंतु छत्तीसगढ़ में आज पर्यंत तक यह नहीं किया गया है। प्रदेश महासचिव कौशलेश तिवारी के अनुसार २०१७ में भी भारतीय जनता पार्टी की सरकार के समय राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मचारियों ने आंदोलन किया था इसके पश्चात कांग्रेस की सरकार जिसने संविदा कर्मचारियों के नियमितीकरण का वादा भी किया था उसके कार्यकाल के दौरान भी २०२० में आंदोलन हुआ परंतु उसमें भी सरकार ने कुछ नहीं किया और अब एक बार पुनः भारतीय जनता पार्टी की सरकार मोदी की गारंटी के माध्यम से छत्तीसगढ़ की सत्ता पर काबिज है। मतलब पिछले कई वर्षों में तीसरी सरकार आ गई परंतु कर्मचारियों की स्थिति जस की तस बनी हुई है। वर्तमान सरकार के कार्यकाल में ही वर्ष २०२४ के जुलाई माह में ध्यान आकर्षण प्रदर्शन किया गया था ऐसे ही इस वर्ष २०२५ में १ मई मजदूर दिवस पर भी प्रदर्शन हुआ था और उच्च स्तर पर एक माह के भीतर निराकरण की बात कही गई थी जो कि नहीं किया गया।जुलाई का यह प्रदर्शन १० तारीख से सिलसिलेवार ढंग से १७ तारीख तक जारी रहेगा जिसमें १० तारीख को स्थानीय विधायकों को विज्ञापन दिया गया ११ तारीख को भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्षों को ज्ञापन दिया गया । १२ तारीख से १५ तारीख तक काली पट्टी लगाकर कार्यालय में काम किया जा रहा है एवं १६ जुलाई को जिला स्तर पर धरना प्रदर्शन कर कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम से ज्ञापन सौंपा जाएगा जबकि १७ जुलाई को प्रदेश स्तर का विधानसभा घेराव का कार्यक्रम राजधानी रायपुर के धरना स्थल पर होगा।

रामानुजनगर से इस वर्ष 31 जुलाई को देवगढ़ जाएंगे कांवरिएं

रामानुजनगर (अम्बिकावाणी समाचार)। रामानुजनगर से देवगढ़ धाम तक होने वाली पारंपरिक कांवर पदयात्रा इस वर्ष भी ३१जुलाई गुरुवार को आयोजित की जाएगी। इस यात्रा की तैयारियों को लेकर लक्ष्मीनारायण मंदिर में एक बैठक शनिवार शाम को आयोजित की गई, जिसमें कांवरिया संघ के पदाधिकारी, स्थानीय शिवभक्त व समाजसेवी शामिल हुए। बैठक में यह तय किया गया कि यात्रा पहले की तरह लक्ष्मीनारायण मंदिर से प्रारंभ होकर त्रिवेणी संगम पतरापाली होते हुए देवगढ़ धाम पहुंचेगी, जहां अर्द्धनारीश्वर भगवान शिव को जल अर्पित किया जाएगा। यह कांवर यात्रा लगभग २५ वर्षों से निरंतर जारी है, जिसकी शुरूआत करीब ११ श्रद्धालुओं ने की थी और आज यह यात्रा हजारों शिवभक्तों की आस्था का प्रमुख माध्यम बन चुकी है। यात्रा के दौरान कांवरियों के लिए फल, नाश्ता, जलपान, दवाई और प्राथमिक चिकित्सा की निःशुल्क व्यवस्था की जाएगी, जिसकी जिम्मेदारी देवगढ़ धाम कांवरिया संघ और अन्य सामाजिक संगठनों द्वारा ली गई है। यात्रा पूरी तरह से अनुशासित रहे, इसके लिए स्वयंसेवकों की टीम मार्ग में तैनात रहेगी और श्रद्धालुओं को सभी आवश्यक सहयोग दिया जाएगा। देवगढ़ धाम पहुंचने पर सभी कांवरियों के लिए भंडारे का आयोजन किया जाएगा जिसमें सभी को सामूहिक रूप से प्रसाद ग्रहण कराया जाएगा। साथ ही एक भजन संध्या का भी आयोजन किया जाएगा जिसमें स्थानीय भजन मंडलियां व कलाकार भक्ति गीतों की प्रस्तुति देंगे। आयोजकों द्वारा सभी श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि वे यात्रा के दौरान अनुशासन बनाए रखें, संघ द्वारा दिए गए दिशा-निदेशों का पालन करें और अपने साथ पहचान पत्र, आवश्यक दवाइयां व व्यक्तिगत उपयोग की सामग्री अवश्य रखें ताकि किसी प्रकार की असुविधा न हो। यात्रा की व्यवस्था को सफल बनाने हेतु कई शिवभक्त अभी से तैयारी में जुट गए हैं।

दरिमा शा.क.उच्च.मा. विद्यालय की छात्राओं एवं शिक्षकों द्वारा एक पेड़ मां के नाम किया गया वृक्षारोपण

दरिमा (अम्बिकावाणी समाचार)। मिशन लाइफ अंतर्गत एक क्लब के तत्वाधान में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दरिमा में एक पेड़ मां के नाम हेतु विद्यालय की छात्राओं और शिक्षकों के द्वारा वृक्षारोपण किया गया।

इस कार्यक्रम में संस्था की प्राचार्य श्रीमती मालती शाक्य इको क्लब प्रभारी श्री विशाल श्रीवास्तव श्रीमती ज्योति दामले श्रीमती रेणु बाला यादव श्रीमती गीता नायक श्री अजय कश्यप श्रीमती विभा चौबे श्रीमती नीलिमा तिर्की श्री जयशंकर मिश्रा श्री अभिषेक सिंह श्री विकास सिंह श्री रवि मंदिलवार अन्य शिक्षक शिक्षिका सम्मिलित रहे।